नई दिल्ली । रविवार, 28 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :173/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण

सिर्फ पत्रकारिता...

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

@ खेल भारतीय पुरुष हॉकी टीम का धमाकेदार प्रदर्शन... | @ साहित्य केसरी संस्कार के बीज... | @ व्यापार 'मेड इन इंडिया' सिर्फ एक लेबल नहीं, बल्कि देश...

अफगानिस्तान में आया 6.2 तीव्रता का शकिशाली भूकंप

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत तक कांपी धरती

तेज झटकों से दहशत, लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकले

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अफगानिस्तान में शनिवार शाम को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और उत्तर भारत के कई अन्य राज्यों में भी महसूस किए गए।

भूकंपीय गतिविधियों की निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 थी। एनसीएस ने यह भी बताया कि भूकंप शाम 7:04 बजे (स्थानीय समय) आया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा गया कि 27 जून को 7 बजकर 19 मिनट और 51 सेकेंड पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अप्रैल में इसी तरह का 5.5 तीव्रता का भूकंप अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में आया था, जिसके झटके पाकिस्तान के इस्लामाबाद, पेशावर और खैबर पख्तूनख्वा के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र (एनएसएमसी) ने बताया कि भूकंप 199 किलोमीटर की गहराई पर आया और इसकी तीव्रता 5.5 थी। यह जानकारी प्रमुख पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट जियो टीवी ने दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्वात, हांगू, उत्तरी वजीरिस्तान और चित्राल में झटके महसूस किए गए, जबकि रावलपिंडी के निवासियों ने तीव्र कंपन का अनुभव किया।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अप्रैल में भी इसी तरह की एक घटना हुई थी, जिसमें 6.1 तीव्रता का भूकंप इस्लामाबाद, पंजाब के कुछ हिस्सों, खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आया था।

पीएमडी के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 190 किलोमीटर की गहराई पर था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि रावलपिंडी, पेशावर, मुजफ्फरबाद और स्कार्दू शहरों में भी झटके महसूस किए गए।

इसमें यह भी बताया गया कि इस साल फरवरी में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने इस्लामाबाद, स्वात और हुंजा को हिलाकर रख दिया था।

इसी महीने दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसका केंद्र अफगानिस्तान में 150 किलोमीटर की गहराई पर था। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 थी।

कहां-कहां महसूस हुए झटके

- दिल्ली-एनसीआर
- चंडीगढ़
- पंजाब
- हरियाणा
- जम्मू-कस्मीर
- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखंड

भूकंप की जानकारी

- तीव्रता : 6.2 (रिक्टर स्केल)
- केंद्र : अफगानिस्तान
- गहराई : लगभग 180 किमी
- समय : दोपहर करीब 12:17 बजे (भारतीय समय)

11 साल बाद सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

सेशेल्स दौरे पर पीएम मोदी, हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक ताकत को नई धार

- राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल
- राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता आज
- रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी पर अहम समझौतों की उम्मीद
- हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक उपस्थिति होगी और मजबूत

> "सेशेल्स भारत का मूल्यवान समुद्री पड़ोसी है और 'विजन MAHASAGAR' व ग्लोबल साउथ के साझा एजेंडे में अहम भूमिका निभाता है।
> – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे के लिए सेशेल्स पहुंच चुके हैं। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति की तरफ से गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद किया। पीएम मोदी को वहां वहां देखकर भारतीय समुदाय के लोग उत्साहित नजर आए। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की और हाथ मिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

सेशेल्स पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, 'एयरपोर्ट पर डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के गर्मजोशी से स्वागत के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सेशेल्स एक कीमती समुद्री साझेदार और हिंद महासागर में एक करीबी दोस्त है। हमारे पुराने संबंधों को और मजबूत करने और हमारे देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाने के मकसद से एक अच्छे दौरे की उम्मीद है।

जब सेशेल्स की पर्यटन और संस्कृति मंत्री अमांडा बर्नस्टीन से पूछा कि क्या भारत सेशेल्स के खास टूरिज्म मार्केट में से एक बन रहा है और क्या पीएम मोदी के दौरे से भारतीय पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी, तो उन्होंने कहा, 'हां, हमें ऐसी उम्मीद करनी चाहिए। हम भारतीय समुद्र साझा करते हैं। हम इस इलाके में साझेदार हैं और मुझे लगता है कि अगर किसी को नहीं पता कि हम कितने करीब हैं, तो हम भारत से सिर्फ चार घंटे दूर हैं।

उन्होंने कहा, 'हम बहुत करीब हैं। हम एक वीजा-फ्री डेस्टिनेशन भी हैं, जो मुझे लगता है। लोगों को यह दिखाने में मदद करेगा कि सेशेल्स आना और हमारे क्रियोल संस्कृति का अनुभव करना कितना शानदार मौका है, जिसमें भारतीय प्रभाव भी बहुत है और यह इस संस्कृति का हिस्सा भी है। उनके लिए तारीफ करने और आकर देखने के लिए बहुत कुछ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने से पहले ब्यू वैलोन और विक्टोरिया में कई जगहों पर उनके स्वागत में पोस्टर और तिरंगा झंडा लगाए गए हैं। इससे पहले सेशेल्स के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सेशेल्स के लिए निकल रहा हूं, जहां मैं उनके राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लूंगा। इस साल, यह और भी खास है क्योंकि यह स्वर्ण जयंती समारोह है।

पीएम मोदी शनिवार से सेशेल्स के तीन दिनों के राजकीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे हैं। वे देश के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।

सेशेल्स के दौरे को लेकर पीएम मोदी ने कहा, 'रिपब्लिक ऑफ सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर मैं 27-29 जून 2026 तक सेशेल्स का राजकीय दौरा करूंगा, ताकि सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हो सकूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक 'महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी' और 'विजन महासागर' का प्रमुख साझेदार है। उन्होंने कहा कि दोनों देश ग्लोबल साउथ के हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता रखते हैं।

उन्होंने कहा, 'इस साल हम अपने डिप्लोमैटिक संबंध की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं, जो आपसी भरोसे, साझा लोकतांत्रिक मूल्य, डाइवर्सिटी के लिए सम्मान और हमारे लोगों के बीच गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। यह दौरा सेशेल्स के राष्ट्रपति हर्मिनी के फरवरी 2026 में भारत आने के कुछ ही महीने बाद हो रहा है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का लेख

गाजा का गम और बांग्लादेश पर चुप्पी, सोनिया गांधी के लेख में 'वोट बैंक' की राजनीति सिमटी

गाजा में बच्चों की मौत पर चिंता, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर चुप्पी क्यों?

> संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतराष्ट्रीय जांच आयोग की जून 2026 की रिपोर्ट बताती है कि इजरायल, गाजा में फिलिस्तीनियो के अस्तित्व को खत्म करने के इरादे से बच्चो को निशाना बना रहा है। इतनी गंभीर रिपोर्ट आने के बाद भी मोदी सरकार चुप है।
> -सोनिया गांधी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक लेख के जरिए न सिर्फ 'गाजा का गम' शेयर किया, बल्कि उन्होंने केंद्र की मौजूदा सरकार की गाजा और फिलिस्तीन नीति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

उन्होंने लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की जून 2026 की रिपोर्ट बताती है कि इजरायल, गाजा में फिलिस्तीनियों के अस्तित्व को खत्म करने के इरादे से बच्चों को निशाना बना रहा है। इतनी गंभीर रिपोर्ट आने के बाद भी मोदी सरकार चुप है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने लेख में दावा किया, 'गाजा में अब तक कम से कम 20 हजार बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि 44 हजार बच्चे घायल हुए हैं। गाजा में मारे गए या घायल लोगों में 27 प्रतिशत बच्चे हैं। गाजा के 97 प्रतिशत स्कूल तबाह हो चुके हैं।' अपने लेख में सोनिया गांधी ने गाजा-फिलिस्तीन से जुड़े कई अन्य मानवीय पहलुओं से जुड़े मुद्दे को उठाया और इंसानियत का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल करते हुए कड़े कदम उठाने की मांग की।

कहने का मतलब है कि सोनिया गांधी इजरायल की गाजा में की गई कार्रवाई के मुखर विरोध के समर्थन में हैं। इससे पहले उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की इजरायली हमले में मौत पर भी केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। सोनिया गांधी के लेख को देखें तो पिछले दो सालों में उन्होंने सात लेख लिखे हैं। इनमें तीन लेख गाजा और ईरान से जुड़े हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, इस तरह के लेख 'सेलेक्टिव आउटरेज' का हिस्सा हैं, मतलब, चुनिंदा मामलों पर सवाल उठाना और सरकार को घेरना। सोनिया गांधी के केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाजा मामले को लेकर चुप्पी के आरोप हैं। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार और कई मौकों पर युद्ध की जगह बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील है। चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों से शांति की अपील हो या गाजा का इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष। भारत ने हर बार युद्ध की जगह शांति और सामूहिक विकास के सिद्धांत को अपनाने की बात कही है। भारत ने बार-बार फिलिस्तीनी लोगों और गाजा शांति योजना को अपना समर्थन दोहराया है। ईरान ने तो प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा करते हुए यहां तक कहा कि भारत की आवाज क्षेत्रीय शांति के लिए बेहद अहम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी साफ किया है कि भारत सरकार की गाजा और इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष पर नीति 'सभी के साथ जुड़ाव' और रणनीतिक संतुलन पर आधारित है।

महाराष्ट्र टीईटी 2026 परीक्षा स्थगित, भिवंडी में प्रश्नपत्र मिलने के बाद राज्य परीक्षा परिषद ने लिया फैसला

एजेंसी ■ पुणे

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 को पेपर लीक की आशंका के चलते स्थगित कर दिया है। परिषद ने यह फैसला तब लिया जब भिवंडी में पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों के पास मिले प्रश्न परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। मामले की जांच जारी है और भिवंडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है। राज्य परीक्षा परिषद के अनुसार, टीईटी 2026 परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। हाल के समय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट 2026 में सामने आई अनियमितताओं को देखते हुए परिषद ने परीक्षा की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए थे। इसके बावजूद गुप्त सूचना मिलने के बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई। जानकारी के मुताबिक, 27 जून की सुबह भिवंडी पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोगों के पास शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रश्नपत्र से जुड़ी जानकारी मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित स्थान पर छापेमारी की। इसके बाद महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और बरामद सामग्री का मिलान कराया गया। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि बरामद प्रश्नों में से कुछ सवाल 28 जून को होने वाली टीईटी परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं। इस पुष्टि के बाद परीक्षा परिषद ने तत्काल प्रभाव से परीक्षा स्थगित करने का निर्णय लिया।

राहुल गांधी ने पेपर लीक पर सरकार को घेरा

गगनयान की तैयारी तेज, सेमी-क्रायोजेनिक इंजन सफल

एजेंसी ■ बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन की तैयारियों को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि गगनयान भारत का बेहद उन्नत और तकनीक-आधारित मिशन है। मिशन के तहत लॉन्च व्हीकल की 'ह्यूमन रेटिंग' और सभी जरूरी सुरक्षा प्रणालियों का विकास पूरा हो चुका है। अब वास्तविक अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले तीन मानव रहित (अनक्रूड) मिशन संचालित किए जाएंगे, जिनमें से पहले मिशन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

मीडिया से बातचीत में डॉ. नारायणन ने कहा, 'गगनयान मिशन में किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया जा सकता। इसलिए इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने से पहले सभी तकनीकों और सुरक्षा प्रणालियों का कई चरणों में परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले मानव रहित मिशन की तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्र का इस्तीफा, अगली बैठक में होगा फैसला

एजेंसी ■ अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा विवाद पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास) ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि श्रीराम मंदिर से जुड़ी हाल की घटनाओं से ट्रस्ट स्तब्ध, आहत और अत्यंत दुखी है। ट्रस्ट ने कहा कि वह समस्त रामभक्तों के प्रतिनिधि के रूप में मामले की न्यायपूर्ण जांच और श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रस्ट ने बताया कि उसके महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्र से त्यागपत्र प्राप्त हो गए हैं। इन त्यागपत्रों पर ट्रस्ट की आगामी बैठक में विचार किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्ट ने उन श्रद्धालुओं को भी आश्वस्त किया है, जिन्होंने चांदी की ईंटें, आभूषण और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं भगवान श्रीराम की सेवा के लिए ट्रस्ट के अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से सौंपी थीं। ट्रस्ट ने कहा कि ऐसी सभी वस्तुएं सुरक्षित हैं और उनका पूरा हिसाब उपलब्ध है।

दानपात्रों से प्राप्त राशि से जुड़े मामले पर ट्रस्ट ने कहा कि उसके अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है और मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है। ट्रस्ट ने कहा कि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्ट ने यह भी कहा कि असामाजिक, अधार्मिक और स्वार्थी तत्वों द्वारा सनातन धर्म पर लांछन लगाने के प्रयास सफल नहीं होने दिए जाएंगे। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे भ्रामक और निराधार अफवाहों से बचें तथा दूसरों को भी ऐसी अफवाहों का शिकार न होने दें।विज्ञप्ति के अंत में ट्रस्ट ने विश्वास जताया कि सत्य की जीत होगी, वर्तमान संकट समाप्त होगा और श्रीराम भक्ति की धारा निरंतर प्रवाहित होती रहेगी। यह प्रेस विज्ञप्ति श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास) के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि की ओर से जारी की गई है।

उज्जैन के सिंहस्थ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी

उज्जैन। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ का आयोजन होने जा रहा है, इसकी तैयारियां जोरों पर है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है और इसके मद्देनजर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है।

उज्जैन में 'सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प' विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का उज्जैन आने का अनुमान है। शिप्रा के नवीन घाटों और मौजूदा घाटों पर 24 घंटे में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर सकेंगे। सभी श्रद्धालु मां शिप्रा के जल से ही स्नान कर सकें, इसके लिए हमारी सरकार हर तरह के प्रबंध कर रही है।

उन्होंने कहा कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है। इस धार्मिक उत्सव में मां शिप्रा के जल में स्नान करने से पापों का शमन होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सिंहस्थ 2028 को नव्य प्रारूप में भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके लिए हमारे सभी तरह के प्रबंधन एवं तैयारियां तेजी से जारी हैं। हम सब मिलकर पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण से काम करेंगे, तभी सिंहस्थ 2028 एक नई मिसाल कायम करेगा। उन्होंने कार्यशाला में सिंहस्थ 2028 के महाआयोजन से जुड़े सभी प्रशासनिक, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर निगम और अन्य निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों एवं अन्य जनों से कहा कि सिंहस्थ केवल एक मेला नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बिन्दु है। यह हमारी परम्पराओं, विरासत का भव्य प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखने हम सभी की जिम्मेदारी है, इसीलिए, अधिकारी-कर्मचारी-स्वयंसेवी संगठन-जनप्रतिनिधि सभी लोग एक टीम की तरह सेवा भावना से कार्य करें, क्योंकि टीम वर्क ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ ही हमारा संकल्प है। सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और त्वरित राहत व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

डॉ. मोहन यादव ने बताया कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन और इसके आस-पास के सभी जिलों में वर्तमान में 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न श्रेणी के कई विकास कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर उज्जयिनी सम्राट विक्रमादित्य के काल का वैभव पुन: प्राप्त कर धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक समृद्धि का एक नया अध्याय लिखेगी।

सिया गोयल के भाई साहिल से लगातार दूसरे दिन पूछताछ, पुलिस ने माता-पिता को भी बुलाया

विश्व केसरी

पुणे। पुणे के 26 साल के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में आरोपी सिया गोयल के परिजनों से लगातार दूसरी दिन पूछताछ हुई है। शनिवार को सिया के माता-पिता और उसका भाई साहिल लोनावला पुलिस थाने में हाजिर हुए, जहां पुलिस ने उनसे केतन हत्याकांड में पूछताछ की। पुणे पुलिस ने सिया के माता-पिता के साथ-साथ साहिल को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। इसके बाद सिया के परिजन शनिवार सुबह लोनावला थाने में पहुंचे।

इससे पहले, शुक्रवार को सिया के भाई साहिल से पुलिस ने लगभग 10 घंटे पूछताछ की थी। लोनावला ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि साहिल को पूछताछ के लिए बुलाया गया था और कई घंटे तक पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साहिल शुक्रवार सुबह पूछताछ के लिए पहुंचा था और देर शाम उसे जाने की अनुमति दी गई। इस दौरान अधिकारियों ने उससे सिया और सह-आरोपी चेतन चौधरी के रिश्ते, उनके संपर्क और मामले से जुड़े कई अहम पहलुओं पर सवाल पूछे। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में साहिल ने कहा, 'अगर सिया ने कहा होता कि उसे केतन पसंद नहीं है, तो हम शादी रुकवा देते।'

इस मामले में सिया गोयल पर अपने मंगेतर केतन अग्रवाल की हत्या का आरोप है। शुरुआत में उनकी मौत को ट्रैकिंग के दौरान हुआ हादसा माना गया था, लेकिन बाद में जांच में इसे सुनियोजित हत्या की साजिश बताया गया।

पुलिस ने बताया कि 18 जून को लोनावला के लोहगढ़ किले पर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर केतन अग्रवाल को पहाड़ से धक्का देकर हत्या की थी। जांच एजेंसियों का मानना है कि दोनों ने यह साजिश इसलिए रची, क्योंकि सिया नवंबर में होने वाली शादी नहीं करना चाहती थी।

केतन अग्रवाल अपने परिवार की रियल एस्टेट कंपनी सक्सेस ग्रुप में निदेशक और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर था।

संक्षिप्त खबरें

सपा की सरकार बनने पर अयोध्या बनेगी अनुपम धार्मिक नगरी : अखिलेश यादव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि यूपी में जब उनकी सरकार बनेगी तो अयोध्या को अनुपम धार्मिक नगरी बनाया जाएगा।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हम धर्मनिष्ठता और सत्यनिष्ठता के साथ ये संकल्प लेते हैं कि नई सरकार बनाकर 'अयोध्या' को एक ऐसी अनुपम-अनुकरणीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करेंगे, जहां विश्वभर से आए श्रद्धालु सच्ची आध्यात्मिकता की अद्वितीय अनुभूति करेंगे। प्रभु के आशीर्वाद के साथ हम अयोध्या के सनातन मान को आस्था-श्रद्धा, अखंड विश्वास और सच्ची भावना के 'सियाराम-धाम' के रूप में पुनर्स्थापित और पल्लवित करेंगे। इससे अयोध्यावासियों के भी परंपरागत गौरवमान और अधिकारों को पुन: स्थापित करेंगे।

तमन्ना को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता: सुवेंदु अधिकारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राजनीतिक हिंसा के दौरान नाबालिग लड़की तमन्ना खातून की हत्या के मामले में कहा कि न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है और हम अपना वादा पूरा कर रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने अपनी बात को दोहराते हुए कहा कि तमन्ना को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है और मैं इस मामले में तुरंत और कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए कृष्णानगर जिला पुलिस कर्मियों की तारीफ करता हूं और उनसे संतुष्ट हूं। तमन्ना की दुखी मां से मेरी मुलाकात के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की है ताकि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिल सके। सीएम ने आगे पोस्ट में लिखा कि मुझे पश्चिम बंगाल के लोगों को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एफआईआर में नामजद लगभग सभी आरोपियों को अब गिरफ्तार कर लिया गया है। पिछले कुछ दिनों में हमारी फोर्स ने गुड़गांव और नागपुर जैसी जगहों पर लगातार सुरागों का पीछा करते हुए 12 और लोगों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जियारुल शेख, साबिर शेख, फकार शेख उर्फ इस्माइल शेख, हफीजुल शेख, मिनारुल शेख, अनीसुर शेख, मिलन शेख, रजाबुल शेख, जकात शेख, साहिबुल शेख, अमीरुल शेख, रकीबुल शेख के तौर पर हुई है। सीएम ने लिखा कि इस तेज कार्रवाई से एक साफ संदेश जाता है।

देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच कोई तीसरा नहीं आ सकता: उदय सामंत

विश्व केसरी

मुंबई। एक फ्लाइट में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की एक साथ यात्रा किए जाने पर राजनीति तेज हो गई है। इसे लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री उदय सामंत ने कहा कि एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के बीच कोई तीसरा नहीं आ सकता है।

उद्धव ठाकरे शुक्रवार को अपने बेटे आदित्य ठाकरे, वरिष्ठ नेता संजय राउत और अनिल देसाई के साथ मुंबई से नागपुर जा रहे थे। संयोग से उसी कमर्शियल फ्लाइट में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की अचानक मुलाकात ने महाराष्ट्र की सियासत में कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया।

इन चर्चाओं के बीच मंत्री उदय सामंत ने कहा कि यह महाराष्ट्र की संस्कृति है और जो मैंने पोस्ट किया है, उसमें मैंने लिखा है कि सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बीच तालमेल बहुत बढ़िया है। इन दोनों के बीच कोई तीसरा नहीं आ सकता है। वे दोनों बहुत सुलझे हुए नेता हैं।

उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के एक बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चार साल से यही चल रहा है, इसीलिए 100 से 20 पर आ गए। सांसदों की संख्या 9 से 3 हो गई। वे बोलते रहेंगे और हम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में आगे बढ़ते रहेंगे।

दूसरी ओर उन्होंने नवी मुंबई में आयोजित एमएसएमई समिट एवं अवॉर्ड शो के बारे में कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देना तथा इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले उद्यमियों को सम्मानित करना है। मंत्री ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि साल 2019 में जनता ने शिवसेना और भाजपा को बहुमत दिया था, लेकिन बाद में उद्धव ठाकरे कांग्रेस के साथ जाकर मिल गए।

पंजाब चुनावों से पहले सीमा पार से बढ़ी हथियार तस्करी

अमृतसर चार आरोपी 10 आधुनिक पिस्तौलों सहित काबू

विश्व केसरी

चंडीगढ़/अमृतसर। सीमा पार से हथियारों की तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय गैंग को काबू करने में पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 आधुनिक पिस्तौल, नौ कारतूस और दो मोटरसाइकिल बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि सिंह, शरणबीर सिंह उर्फ सन्नी (दोनों अमृतसर), मनप्रीत सिंह उर्फ मनु और पिप्पल सिंह (दोनों फिरोजपुर) के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी विदेश-आधारित तस्कर के इशारे पर काम कर रहे थे और सीमा पार से हथियारों की खेप लाकर आपराधिक तत्वों तक पहुंचाते थे।

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पूछताछ में आरोपियों से और हथियार बरामद हुए। जांच में सामने आया कि दो आरोपी पहले से ही हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के मामलों में वांछित थे।पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग मामले दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब में 'सूरमा अभियान' की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने नशामुक्त युवाओं को सम्मानित किया

विश्व केसरी

लुधियाना। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए 'सूरमा अभियान' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने दो वर्ष से अधिक समय तक नशामुक्त रहे युवाओं को अंगूठियां और टी-शर्ट देकर सम्मानित किया और उन्हें 'आशा के दूत' घोषित किया।

मान ने कहा कि ये युवा न केवल दूसरों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे बल्कि सरकार उन्हें रोजगार के अवसर भी देगी। उन्होंने खेलों को नशा-विरोधी लड़ाई का सबसे प्रभावी हथियार बताते हुए घोषणा की कि 15 जुलाई तक राज्य में 3,100 खेल मैदान और 3,000 जिम चालू किए जाएंगे।मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल अवसंरचना और पुनर्वास पर सरकार एक साथ ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा बल ने दुर्घटनाओं में मौतों को 50 प्रतिशत तक घटाया है, जिससे हर साल लगभग 2,700 जानें बचाई जा रही हैं।

मान ने कहा कि नशे की लत सामाजिक कलंक है, लेकिन जिन युवाओं ने इसे हराकर नई शुरुआत की है, वे समाज के लिए प्रेरणा हैं और पंजाब को रंगीन बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान से पहले जागरूकता रैली

डॉक्टर बोले- बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' जरूर पिलाएं

विश्व केसरी

सीकर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ से पहले रविवार को सीकर में जन-जागरूकता रैली निकाली गई। 3.16 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया। जिसको लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार स्वामी, सीकर के सीएमएचओ डॉ. अशोक महरिया और नर्सिंग छात्रों की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार स्वामी ने कहा कि जिले में कल, 28 जून से नेशनल पल्स पोलियो अभियान शुरू होगा और यह तीन दिनों तक चलेगा। जिले में कुल 3200 बूथ बनाए गए हैं। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी खास इंतजाम किए गए हैं। मेडिकल और हेल्थ डिपार्टमेंट ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है। इस अभियान के तहत जन्म से लेकर पांच साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाई जाएंगी। सीकर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक महरिया ने बताया कि पल्स पोलियो के लिए जिला स्तर और ब्लॉक स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए रैली आयोजित की जा रही है। हमने पूरे देश से इस बीमारी को मिटाकर जीत हासिल की है। जीत को हमें बरकरार रखना है। पड़ोसी देशों में इसका वायरस अभी भी जिंदा है। सीकर जिले में तीन हजार से अधिक बूथ बनाए गए हैं और तीन लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दो बूंदें पिलाई जाएगी।

कार के पेड़ से टकराते ही सड़क पर बिखरीं शराब की बोतलें पर टूट पड़े लोग, बोरे-गमछे और थैले में भरकर ले गए

विश्व केसरी

गोपालगंज। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बीच गोपालगंज जिले में शराब तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भोरे थाना क्षेत्र में शनिवार की अल सुबह शराब से लदी उत्तर प्रदेश नंबर की एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद कार में सवार चालक और तस्कर फरार हो गए। वहीं, दुर्घटना के बाद सड़क पर बिखरी शराब की बोतलों को लूटने के लिए स्थानीय लोगों में होड़ मच गई।

हादसा भोरे थाना क्षेत्र के वायरलेस मोड़ के समीप भोरे-कटेया मुख्य पथ पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें लदी शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं। हादसे के तुरंत बाद कार में सवार लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। इसी बीच आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देने के बजाय सड़क पर बिखरी शराब की बोतलें समेटने लगे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ लोग बोरा, तो कुछ गमछे और थैलों में शराब की बोतलें भरकर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर भी लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग इसे आपदा में अवसर बता रहे हैं। पुलिस को प्रारंभिक जांच में आशंका है कि कार उत्तर प्रदेश से शराब लेकर गोपालगंज में प्रवेश कर रही थी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वाहन के नंबर और वायरल वीडियो फुटेज के आधार पर शराब तस्करों तथा शराब की बोतलें लूटने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई जा रही थी और उसकी आपूर्ति किस स्थान पर की जानी थी।

'फ्लाइट पॉलिटिक्स' : उद्धव ठाकरे ने प्लेन में सीएम फडणवीस के साथ 'हाई लेवल' बातचीत के दिए संकेत

विश्व केसरी

यवतमाल। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले दो दिनों से चल रही अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ हाल ही में हुई यात्रा को लेकर पहली बार चुप्पी तोड़ी और संकेत दिया कि दोनों नेताओं के बीच विमान में 'हाई लेवल' बातचीत हुई थी, जिसके नतीजे आने वाले दिनों में सामने आएंगे।

दरअसल, शुक्रवार को उद्धव ठाकरे अपने बेटे आदित्य ठाकरे, वरिष्ठ नेता संजय राउत और अनिल देसाई के साथ मुंबई से नागपुर जा रहे थे। संयोग से उसी कमर्शियल फ्लाइट में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की इस अचानक मुलाकात ने महाराष्ट्र की सियासत में कई तरह की चर्चाओं को जन्म दिया था। शनिवार को यवतमाल दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में उद्धव ठाकरे ने कहा, 'फ्लाइट में मुख्यमंत्री के साथ हमारी हाई-लेवल चर्चा हुई। शुक्रवार की बैठक में क्या बात हुई और क्या फैसला हुआ, यह आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा।'

उद्धव ठाकरे इस समय वाशिम-यवतमाल संसदीय क्षेत्र के दौरे पर हैं, जो बागी नेता संजय देशमुख का क्षेत्र माना जाता है। शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने के बाद यह उनका पहला बड़ा जनसंपर्क अभियान है।

मीडिया से बातचीत के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा, 'जब कैमरा ऊपर उठता है तो उसकी रोशनी आंखों में पड़ती है और आंखों से आंसू निकल आते हैं।

छत्तीसगढ़ में हीरा खनन की तैयारी तेज, बलौदा-बेलमुंडी ब्लॉक में बड़े पैमाने पर ड्रिलिंग को मंजूरी

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक मंडल की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में महासमुंद जिले के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में परियोजना के अगले चरण को मंजूरी देते हुए लार्ज डायमीटर ड्रिलिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया।

यह कदम इस क्षेत्र में हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन करने और भविष्य में व्यावसायिक हीरा खनन का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

बैठक में निदेशक मंडल ने परियोजना की अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस की अवधि के भीतर सभी तकनीकी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। बड़े व्यास की ड्रिलिंग से किम्बरलाइट पाइप में मौजूद हीरा भंडार का सटीक आकलन किया जाएगा। इसके बाद विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार होगी, जिसके आधार पर व्यावसायिक हीरा खदान विकसित करने का अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एनसीएल के निदेशक मंडल की बैठक में अमिताभ मुखर्जी, आशीष चटर्जी, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज विभाग के सचिव पी दयानंद, छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक रजत बंसल, उपेंद्र कुमार तथा विनय कुमार उपस्थित रहे।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) भारत सरकार के उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड (51 प्रतिशत) तथा छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी अब तक लौह अयस्क परियोजनाओं पर केंद्रित रही है, लेकिन बलौदा-बेलमुंडी में प्राकृतिक हीरों की पुष्टि के बाद यह बहु-खनिज विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

एनसीएल द्वारा स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और लक्षित ड्रिलिंग के माध्यम से किम्बरलाइट पाइप की पहचान की गई। इसके बाद लगभग 200 टन बल्क सैंपल का परीक्षण एनएमडीसी के पन्ना डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट में किया गया, जहां 1.22 कैरेट वजन के पांच प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए। इससे इस क्षेत्र में हीरा युक्त भू-संरचना की वैज्ञानिक पुष्टि हो चुकी है। बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख हीरा उत्पादक देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रारंभिक चरण में इस प्रकार की सफलता भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार मिलने का संकेत हो सकती है। इसलिए बलौदा-बेलमुंडी परियोजना को छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक महत्वपूर्ण खनिज परियोजना माना जा रहा है।

बैठक में राज्य की अन्य प्रमुख लौह अयस्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैलाडीला डिपॉजिट-4 में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिसे चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर 70 लाख टन प्रतिवर्ष किया जाएगा। वहीं, बैलाडीला डिपॉजिट-13 को एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता के साथ विकसित करने की दिशा में भी कार्य जारी है।

बैठक में यह भी दोहराया गया कि सभी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक खनन, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष निदेशक सौरभ सिंह ने कहा कि खनिज संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और उद्योगों का संतुलित विकास देश की आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा सफल 1040 विशिष्टजनों का रायपुर में भव्य स्वागत

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा' सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गई। पांच दिवसीय यात्रा के बाद प्रदेश के सभी जिलों से शामिल 1040 विशिष्टजन सकुशल रायपुर लौटे, जहां रेलवे स्टेशन पर उनका पारंपरिक रीति-रिवाज, पुष्पवर्षा और माल्यार्पण के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के दर्शन कराने के साथ भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रीय एकात्मता से जोड़ना था। यात्रा में पद्मश्री सम्मान प्राप्त विभूतियों, राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मानित कलाकारों, साहित्यकारों, संस्कृति कर्मियों, समाजसेवियों और अन्य विशिष्टजनों ने भाग लिया। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस यात्रा को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, गुजरात सरकार और सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट का सहयोग मिला। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान सोमनाथ के दर्शन-पूजन के साथ

मंदिर की ऐतिहासिक विरासत का अवलोकन किया तथा लाइट एंड साउंड शो भी देखा। कई प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्रों की पावन मिट्टी और नदियों का जल भगवान सोमनाथ को अर्पित कर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। यात्रा के दौरान आवागमन, आवास, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं। संस्कृति एवं राजभाषा विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे स्वयं पूरी यात्रा में मौजूद रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। यात्रा से लौटे प्रतिभागियों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। उनका कहना था कि शासन की निःशुल्क और सुव्यवस्थित पहल से वर्षों पुरानी सोमनाथ दर्शन की इच्छा पूरी हुई।

संक्षिप्त खबरें

सिक्योरिटी गार्ड के 20 पदों पर वॉक-इन-इंटरव्यू 2 जुलाई को

रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2 जुलाई 2026 को वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। यह इंटरव्यू रायपुर स्थित संबल केंद्र, आईडीएसएमटी बिल्डिंग, महंत कॉलेज के पास, गांधी चौक में आयोजित होगा। इंटरव्यू का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। इस वॉक-इन-इंटरव्यू में अलर्ट एस.जी.एस. प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के कुल 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस इंटरव्यू में प्रदेश के सभी जिलों के तृतीय लिंग समुदाय के पात्र अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों की पदस्थापना छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की अपील की गई है। अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है।

छत्तीसगढ़ में बदलेगा मौसम, अगले 7 दिन बारिश और वज्रपात के आसार

रायपुर। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है। कई जिलों में भारी बारिश होने के आसार हैं, जिसके चलते लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में तीन अलग-अलग मौसमी सिस्टम सक्रिय हैं। इनके प्रभाव से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां तेज होंगी और अगले तीन से चार दिनों में मानसून शेष क्षेत्रों में भी पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। विभाग का कहना है कि कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश के साथ तेज हवाएं और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। बारिश किसानों के लिए लाभदायक मानी जा रही है, हालांकि निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बन सकती है।

मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों से अपील की है कि गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचें। साथ ही खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से परहेज करने और मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी है।

छत्तीसगढ़ में शुरू होंगी माइक्रो ब्रुअरी अब मिलेगी ताजा क्राफ्ट बीयर

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीयर प्रेमियों के लिए नया विकल्प उपलब्ध होने जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश में माइक्रो ब्रुअरी (क्राफ्ट बीयर यूनिट) खोलने को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत आबकारी विभाग पात्र आवेदकों को लाइसेंस जारी करेगा। सरकार का मानना है कि इससे होटल, रेस्तरां और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही राज्य के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

नई नीति के अनुसार, माइक्रो ब्रुअरी संचालित करने के लिए कम से कम 4 हजार वर्गफीट का परिसर होना अनिवार्य होगा। साथ ही फायर सेफ्टी, मशीनों की सुरक्षा और अन्य निर्धारित मानकों का पालन करना होगा। वार्षिक लाइसेंस फीस 10 लाख रुपये तय की गई है, जबकि लाइसेंस जारी होने से पहले इसकी 25 प्रतिशत राशि सुरक्षा जमा के रूप में जमा करनी होगी। पहले यह फीस 25 लाख रुपये थी, जिसे घटाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है। सरकार ने एक माइक्रो ब्रुअरी को प्रतिदिन अधिकतम 1,000 लीटर क्राफ्ट बीयर बनाने की अनुमति दी है। इस पर 60 रुपये प्रति बल्क लीटर उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा।

क्राफ्ट बीयर छोटे बैच में तैयार की जाती है, जिससे इसकी ताजगी, स्वाद और गुणवत्ता बेहतर मानी जाती है। इसमें अलग-अलग फ्लेवर उपलब्ध होंगे और इसे उसी परिसर में ग्राहकों को परोसा जाएगा। एक गिलास क्राफ्ट बीयर की अनुमानित कीमत 250 से 300 रुपये के बीच हो सकती है।

छात्रावासों में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई भृत्य और अधीक्षक निलंबित

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन, जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के संकल्प के अनुरूप सुकमा जिले में छात्रावासों एवं आश्रमों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 प्रारंभ होने से पहले कलेक्टर के नेतृत्व में छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें लापरवाही और अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई।

निरीक्षण में सामने आई गंभीर खामियां

25 जून को कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में कई छात्रावासों एवं आश्रमों में साफ-सफाई की कमी, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अनुपस्थिति तथा संचालन में लापरवाही जैसी गंभीर कमियां पाई गईं।

पूर्व में समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के बावजूद सुधार नहीं होने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया।

लापरवाह कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं के आधार पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन तथा प्रभार से पृथक करने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दायरे में कन्या आश्रम दुब्बाटोटा की अधीक्षिका सुशीला कवासी, प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास दुब्बाटोटा के अधीक्षक पुनेम हिरमा, पोस्ट-मैट्रिक कन्या छात्रावास की अधीक्षिका सविता यादव तथा प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास के भोजराज ठाकुर शामिल हैं। छात्रावासों का संचालन प्रभावित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने तत्काल वैकल्पिक अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंप दी है।

बच्चों के हितों से कोई समझौता नहीं

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि छात्रावासों और आश्रमों में अध्ययनरत बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सुविधाओं के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन की मंशा के अनुरूप सभी संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सुशासन और जवाबदेही की मजबूत पहल

जिला प्रशासन की यह कार्रवाई शासकीय छात्रावासों और आश्रमों में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे व्यवस्थाओं में सुधार आएगा, अनुशासन मजबूत होगा और विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

पशुधन विकास विभाग की योजना से बदली सदाशिव कुरगुड़ की जिंदगी

किसान क्रेडिट कार्ड से मिला 30 हजार रुपए का ऋण, मुर्गी पालन से हर वर्ष 80 हजार रुपये का शुद्ध लाभ

विश्व केसरी■

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड के ग्राम उल्लूर निवासी सदाशिव कुरगुड़ इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं। उन्होंने पशुधन विकास विभाग की किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेकर मुर्गी पालन व्यवसाय शुरू किया और आज अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर चुके हैं।

सदाशिव कुरगुड़ कृषि कार्य के साथ अतिरिक्त आय का स्रोत विकसित करना चाहते थे, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान उन्हें पशुधन विकास विभाग की किसान क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी मिली। विभाग के मार्गदर्शन से उन्हें बैंक के माध्यम से 30 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।

इस राशि से उन्होंने मुर्गी पालन के लिए चूजे खरीदे और उनके पालन-पोषण

के लिए आवश्यक आहार एवं अन्य व्यवस्थाएं कीं।

तकनीकी मार्गदर्शन से मिली सफलता

पशुधन विकास विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन, नियमित देखभाल और बेहतर प्रबंधन के कारण उनका मुर्गी पालन व्यवसाय लगातार आगे बढ़ता गया। आज वे इस व्यवसाय से प्रतिवर्ष लगभग एक लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं, जिसमें करीब 80 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है इस अतिरिक्त आय से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है और वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

रविवार को 35.98 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दो बूंद

विश्व केसरी■

रायपुर। देश भर में रविवार को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ ने भी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अभियान के तहत राज्य के पांच वर्ष तक के 35 लाख 98 हजार 904 बच्चों को पोलियो से बचाव हेतु दवा की दो बूंद पिलाई जाएगी। अभियान के संचालन हेतु 28,791 टीमों के साथ 57 हजार से अधिक वैक्सीनेटर तैनात किए गए हैं। बूथ दिवस के बाद 29 एवं 30 जून को टीमें घर-घर पहुंचकर ऐसे बच्चों को भी पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाए।

अभियान के सफल संचालन के लिए राज्य के सभी 33 जिलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला एवं विकासखंड स्तर पर टास्क फोर्स की बैठकें आयोजित कर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों और टीकाकरण दलों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका

है। माइक्रोप्लान का सत्यापन, वैक्सीन की उपलब्धता, कोल्ड चेन प्रबंधन तथा आवश्यक लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस अभियान में दूरस्थ गांवों, वनांचल क्षेत्रों, शहरी बस्तियों, ईंट-भट्ठों, निर्माण स्थलों तथा प्रवासी और घुमंतू परिवारों के बच्चों तक विशेष रूप से पहुंच बनाई जाएगी। बूथ दिवस के बाद टीमें घर-घर भ्रमण कर उन बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी।

सेवा सेतु बना ग्रामीणों का भरोसेमंद डिजिटल सहारा

एक ही दिन में मिला स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र, वंदना हेमला बोलीं– अब सरकारी सेवाएं घर के नजदीक और आसान

विश्व केसरी■

रायपुर। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल पहल 'सेवा सेतु' ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए सुशासन का प्रभावी माध्यम बन रही है। सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से अब नागरिकों को विभिन्न शासकीय प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिल रही हैं। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बच रहे हैं तथा शासन के प्रति उनका विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

एक ही दिन में मिला स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र

विकासखंड भैरमगढ़ की ग्राम पंचायत तड़केल निवासी वंदना हेमला ने सेवा सेतु केन्द्र नेलेसनार के

माध्यम से स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद उसी दिन उनका आवेदन निराकृत कर स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया। सेवा सेतु केन्द्र के प्रबंधक मुकेश कुमार बघेल ने उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किया। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध रही, जिससे उन्हें किसी भी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े। वंदना हेमला ने बताया कि पहले किसी भी शासकीय प्रमाण-पत्र के लिए कई बार कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों खर्च होते थे। लेकिन सेवा सेतु केन्द्र में आवेदन की प्रक्रिया बहुत आसान रही और उन्हें एक ही दिन में प्रमाण-पत्र मिल गया। इससे उनके जरूरी कार्य भी समय पर पूरे हो सके।

ग्रामीणों के लिए वरदान बन रही है सेवा सेतु पहल

वंदना हेमला का कहना है कि सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से अब सरकारी सेवाएं गांव के नजदीक ही उपलब्ध हो रही हैं। इससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है और उन्हें अनावश्यक भागदौड़ से भी मुक्ति मिली है।

डिजिटल सेवाओं से मजबूत हो रहा सुशासन

जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा संचालित सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से स्थानीय निवास, जाति, आय, जन्म, मृत्यु, विवाह सहित अनेक शासकीय सेवाएं समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह पहल शासन की डिजिटल सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और सुशासन को मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

हितग्राही की जुबानी

ग्राम तड़केल, विकासखंड भैरमगढ़ निवासी वंदना हेमला ने बताया कि सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से मुझे स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र बहुत कम समय में मिल गया। पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक रही। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल एवं जिला प्रशासन बीजापुर और सेवा सेतु केन्द्र का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

मेड़ पर लगाए थे कुछ पौधे, आज हर साल 2.5 लाख की कमाई

विश्व केसरी■

रायपुर। किसान अरुण सॉ ने अनानास की खेती से बदली तकदीर, बने प्रेरणा स्रोतकभी खेत की मेड़ पर शौक से लगाए गए कुछ अनानास के पौधों ने रायगढ़ के एक किसान की जिंदगी बदल दी। सकरबोगा पंचायत के ग्राम साल्हेओना निवासी प्रगतिशील किसान अरुण कुमार सॉ आज दो एकड़ में अनानास की खेती कर सालाना 2 से 2.5 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आय कमा रहे हैं। उनकी सफलता अब क्षेत्र में कृषि नवाचार और विविधीकरण की मिसाल बन गई है।

अरुण सॉ पहले धान समेत पारंपरिक फसलें उगाते थे। वर्षों पहले घरेलू उपयोग के लिए उन्होंने

मेड़ पर कुछ अनानास के पौधे लगाए। पौधों की अच्छी बढ़वार और फलों की गुणवत्ता देखकर उन्होंने खेती का दायरा बढ़ाया। पौधों से निकलने वाले प्ररोहों को अलग कर दोबारा रोपने का सिलसिला चलता रहा। कृषि विभाग के अधिकारियों से मिले तकनीकी मार्गदर्शन ने उनका हौसला बढ़ाया। धीरे-धीरे यह प्रयोग दो एकड़ के बगीचे में बदल गया। आज उनके खेत में आम और अमरूद के बीच कतारबद्ध अनानास के पौधे बहुफसली खेती का सफल उदाहरण पेश करते हैं।

अनानास की खेती की सबसे बड़ी खासियत कम लागत है। इसमें खाद, कीटनाशक और सिंचाई की जरूरत कम होती है, जिससे उत्पादन खर्च नियंत्रित रहता है।

कहानी

संस्कार के बीज

पूजा अग्निहोत्री

शोभा और प्रभास महानगर दिल्ली में रहते हैं। उनका एक प्यारा सा बेटा भी है चिंटू।

प्रभास और शोभा चाहते थे कि उनके बेटे में संस्कार के अच्छे बीज पड़ें। वह जानते थे कि यह अपनों के साथ में ही संभव है।

प्रभास हर साल गर्मियों की छुट्टियाँ शुरू होते ही शोभा और चिंटू को अपने गाँव छोड़ जाता और स्कूल खुलने के कुछ दिन पहले आकर उन्हें वापिस दिल्ली ले जाता।

प्रभास का गांव कानपुर के पास था।

चिंटू अपने गांव में बहुत खुश रहता। जहाँ दिल्ली में उसे जबरदस्ती उठाकर स्कूल भेजा जाता था।

यहाँ सुबह अपने दादाजी के साथ उठ जाता और खेत पर चला जाता वहाँ जाकर गाय और बछड़ा के साथ खेलता दादाजी दूध दुहते तो चिंटू को एक गिलास गाय का ताजा दूध दे देते। शुरू में चिंटू को अच्छा नहीं लगता था, लेकिन अब उसको अच्छा लगने लगा है, और इसीलिए वह दूध दुहने की प्रतीक्षा किया करता।

कभी-कभी दादा जी उसे एक बड़े से कटोरे में सत्तू घोलकर भी दिया करते। खेत पर एक किनारे एक बगिया भी थी। इसमें कनेर, गुड़हल, बेला, चमेली के फूल, भिंडी, टमाटर, बैगन, तोरई और लौकी लगी हुई थी। आम, जामुन और कटहल के भी बड़े-बड़े पेड़ थे। चिंटू के दादाजी ने मजदूर से कहकर आम के एक मजबूत शाखा पर मूंज की रस्सी का झूला भी डलवा दिया था। जब चिंटू खेलते खेलते थक जाता तो बड़े आनंद से इस झूले पर बैठता।

कभी-कभी जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी चारपाई पर भी लेट जाता और वहीं लेटे- लेटे पके हुये कच्चू के सूखे बीज खाता।

उसे जब प्यास लगती तो वह जामुन के पेड़ के नीचे रखी हुई सुराही से खुद ने कर पानी पी लेता। फिर खेत पर ही दादाजी के साथ नहाता गीले ही गीले शंकर जी के मंदिर में जल चढ़ाता। बगिया से तोड़कर कुछ फूल चढ़ाता। कुछ फूल और सब्जियाँ लेकर घर आ जाता। वैसे तो वह खेत से नहा कर ही घर आता घर आने पर शोभा उसके हाथ पैर धुलवाकर खाना लगा देती। खाना बहुत ही स्वादिष्ट एवं ताजा होता।

घर में भुनी हुई अरहर की दाल जिसमें कच्चे आम पड़े होते, कटहल का अचार, सब्जी, दही, हाथ की बनी हुई चूल्हे पर सिंकी रोटी और उसपर ढेर सारा देशी घी।

खाना खाकर चिंटू दादा के साथ टीवी देखता और थोड़ी देर के लिये सो जाता। जब शाम को उठता तो दादी के साथ मोहल्ले में चला जाता, वहाँ पर दादी गप्पें हाँकती और चिंटू मोहल्ले के बच्चों के साथ टीपू, गुल्ली डंडा, कंचे, छुपम - छुपाई, खोखो, कबड्डी खेलता। फिर शाम को घर आकर हाथ -पाँव धोकर दादा जी के साथ मंदिर जाता और फिर रात को खाना खाकर दूध पीता और थोड़ी देर टीवी देखकर सो जाता।

जब वह गांव आता तो मोबाइल को हाथ भी नहीं लगाता था।

23 जून से चिंटू के स्कूल खुलने वाले थे। इसलिये प्रभास उन लोगों को लेने के लिये गाँव आया हुआ था। आज सुबह से ही चिंटू बहुत उदास था। उसने मम्मी-पापा से कई बार कहा कि कुछ दिन गांव में और रुक जाओ न। अभी भी जब दादी बैग में अपने हाथ के बनाये हुये अचार, पापड़, बड़ियाँ रख रही थी तो वह उनका पल्लू पकड़ के खड़ा था।

दादी ने बड़े लाड़ से पूछा, 'का है लल्ला, कछु चहिये है का?'

चिंटू ने कहा, 'दादी आप कहो मम्मी-पापा से कि कुछ दिन और रुक जाएँ।'

दादी ने कहा, 'ठीक है लल्ला कह देंगे।'

'नहीं, अभी चलो।' चिंटू ने दादी का आँचल खींचते हुए कहा।

तभी उसने देखा कि सामने से शोभा आ रही थी। उसने चिंटू को डांट दिया,

'क्या है चिंटू, दादी को क्यों परेशान कर रहे हो।' तो वह आँचल छोड़कर दादी के पीछे खड़ा हो गया।

चिंटू की दादी ने कहा, 'बहू कुछ दिन और रुक जाती चिंटू का बहुत मन है।'

शोभा ने कहा, 'मन तो मेरा भी बहुत है अम्मा, पर चिंटू के स्कूल खुलने वाले हैं न, इसलिये जाना जरूरी है।'

दादी ने कहा, 'तो छठवें दर्जे में ही तो है, कौन सी कलेक्टरी पढ़ रहा है।'

'हाँ, अम्मा लेकिन आजकल स्कूल शुरू होते हैं और पढ़ाई फ़ौरन शुरू हो जाते हैं, फिर कॉपी कंप्लीट करने के लिये बहुत भटकना पड़ता है। दादी ने आखिरी अस्त्र फेंका, 'कोई नहीं, अड़ोस-पड़ोस से मंगवा कर लिख लेगा।'

शोभा ने कहा, 'फिर कोई नहीं देता अम्मा, एक बार बहुत परेशान हुये।'

तब दादी ने चिंटू के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा कि, 'लल्ला अभी तुम जाओ फिर हम जल्दी से मक्का के भुट्टा लेकर आयेंगे तुम्हारे लिये, तुम्हें पसन्द हैं न?' चिंटू ने एक तरफ सिर हिलाकर मौन सहमति दे दी और अपने दादाजी के पास चला गया। दादाजी ने उसके लिये गीले सरकंडा से तोता और खरगोश बनाकर दिये।

चिंटू खुशी-खुशी उन्हें अपने साथ ले जाने के लिए सामान में रखने लगा। तब उसने देखा कि दादी ने उसकी पसंद की बेसन की बर्फी और गुझियाँ भी बना कर रख दीं। उसकी आँखों में बिछोह के आँसू आ गये।

तभी आँगन में दादी भी आ गईं, शायद वह भी दिल्ली ले जाने के लिए कुछ सामान रखने आई थी। चिंटू को देखकर बोली, 'अरे चिन्टुआ, का हुई गवा लल्ला काहे रोवत हौ?'

चिंटू ने कहा, 'दादी आप भी हमारे साथ चलो न।' दादी ने उसके सिर पर प्रेम से हाथ फेरते हुए कहा 'चलूँगी लल्ला, लो पहले ई पन्नी अपनी मम्मी को दे आ।'

'दादी, क्या है इसमें?' बालसुलभ जिज्ञासा के चलते चिंटू ने पूछा।

'इसमें बीज हैं, जा जाकर अपनी मम्मी को दे आ।'

'हाँ दादी।' कहकर चिंटू ने जाकर वह थैली शोभा को दे दी और कहा।

'मम्मी दादी ने ये दिया, बोलीं कि बैग में रख लेना भूलना नहीं।'

'हाँ बेटा लाओ।'

'मम्मी, ये किसके बीज हैं और इतने सारे बीजों का अपन क्या करेंगे?'

'बेटा, इसमें आम, जामुन, लीची, सीताफल, बेर, संतरा, चीकू और जो भी फल हम लोगों ने खाये हैं, सबके बीज हैं।'

चिंटू ने थैली छूते हुए पूछा 'तो अपन इनका क्या करेंगे?'

'जब हम ट्रेन से दिल्ली जायेंगे न, तो रास्ते में कहीं- कहीं पर ये बीज खिड़की से बाहर फेंकते जायेंगे।' चिंटू ने पूछा, 'अच्छा... फिर?'

शोभा ने कहा 'फिर क्या जब पानी बरसेगा तो इनमें अंकुर निकलेगा और फिर खूब बड़ा पेड़ बन जायेगा और उससे फल मिलेंगे।'

'पर मम्मी वह फल हमें कैसे मिलेंगे, हम ट्रेन से कैसे तोड़ पायेंगे?'

तभी प्रभास भी वहाँ आ गया, और चिंटू की बात सुनकर सभी हँसने लगे।

फिर प्रभास ने कहा, 'अरे, बुद्धूराम एक बात बताओ, अभी जो फल हम खाते हैं वह पेड़ हमने लगाये हैं क्या? बताओ?'

चिंटू ने 'न' में गर्दन हिलाई।

'तो बस फिर, जो भी खायेगा वह हमें आशीर्वाद देगा।'

'पर पापा सारे पेड़ों को पानी कौन देगा?'

'देखो अभी तक हम लोगों ने लाखों बीज कानपुर से दिल्ली की रास्ता में बिखेरे हैं। पर उन लाखों में से कई सौ अंकुरित हुये और थोड़े बड़े बड़े होकर सूख गये।'

'फिर, पापा।'

'फिर बहुत हम पौधे बचते हैं जो प्रकृति के अनुकूल हो जाते हैं और बड़ा पेड़ बनता है।'

'ठीक है पापा, पर इस बार बीज मैं बौऊँगा।'

कहते हुये बाहर की ओर दौड़ गया, जहाँ से उसे दादाजी की आवाज सुनाई दे रही थी।

agnihotrypoojalv@gmail.com

कविता

मन की महिमा

रवि तिवारी

ज्ञान का विज्ञान है
मन की ही उड़ान है
भटके तो दिशाहीन है
संभले तो वरदान है

मन की महिमा क्या कहें
इसका बड़ा सम्मान है
क्या से क्या करवा दे
यही इसकी पहचान है

मन प्यार भी खूब करे
नफ़रत भी उतनी भरे
रिश्तों को दे मजबूती
वैर की अगिन भी धरे

मन चंगा तो कठौती में गंगा
यही संतों का ज्ञान है
मन मैला हो जाए पंगा
जीवन बन वीरान है

मन के जीते जीत है
मन के हारे हार है
मन को जिसने साध लिया
उसका बेड़ा पार है।

बैरन बाजार, रायपुर

लघुकथा

जहरीली सोच

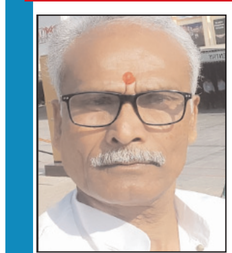

हेमंत यादव

रमेश जी की बहू खाना बनाने जा ही रही थी कि तभी बाहर कुछ शोर होने लगा। पड़ोस के ही वर्मा जी के घर से जोर-जोर से रोने की आवाज आ रही थी।

तभी उसकी सास वर्मा जी के घर से निकलकर तेजी से आती हुई दिखाई दी। उसने पूछा,' क्या हुआ मम्मी? वर्मा जी के घर से रोने की आवाज क्यों आ रही है?'

' अरी बहू, वर्मा जी के बेटे को बगीचे में सांप ने काट लिया था। सब उसे हॉस्पिटल ले जा रहे हैं।'

' हाय राम! गजब हो गया। भगवान करे , बेचारा बच जाए,' बहू प्रार्थना करने लगी।

तभी वर्मा जी की पत्नी कुछ सोचती हुई धीरे से बोली,' बहू, मुझे नहीं लगता है कि वह बचेगा। सांप बहुत जहरीला था...। बहू, तुम अभी खाना मत बनाना। अगर कहीं मौत हो गई तो बेकार में हमें बना हुआ खाना फेंकना पड़ेगा ।'

संपर्क: हाई स्कूल रोड, फारबिसगंज (अररिया) पिन - 854318 बिहार मो. 9471017305

ग़ज़ल

डॉ जौहर शफियाबादी

दया चाहती है, दुआ चाहती है।
मुहब्बत किसी की वफ़ा चाहती है।।

निगाहे जोनू में है चाहत की दुनिया,
नज़र खुद बताती है क्या चाहती है।

जमाले तसौउर में फिक्रे मुरौवत ,
सदा नाज़ो नखड़ा अदा चाहती है।

झुका ना सका कोई तूफ़ान आकर,
हकीक़त फना से बक़ा चाहती है।

कहाँ इश्क़ है और कहाँ अक़्लो-दानिश,
कहानी फसाना बना चाहती है।

ज़रा साजे-दिल कोई छेड़े तो जौहर,
खुदी - बेखुदी देखना चाहती है ।

पुस्तक समीक्षा

संघर्षों और सपनों का मृत्युलोक

डॉ मीनाक्षी जोशी

सच्चा साहित्यकार अपने समय की विषमताओं, विडंबनाओं और समस्याओं को अभिव्यक्त करने का जोखिम उठाता है। सोए हुए समाज को झकझोरने का साहस करता है तभी उसके शब्द और विचार साहित्य की श्रेणी में अपना स्थान पा सकते हैं। यही साहस किया है सुप्रसिद्ध कथाकार आशा पाण्डेय ने 'खरगाँव का चौक' उपन्यास में। आज हमारे देश की अनेक समस्याओं में से सबसे बड़ी और गंभीर समस्या है- किसान आत्महत्या । दुर्भाग्य देखिए कि आत्महत्याओं का सबसे बड़ा आंकड़ा महाराष्ट्र में विदर्भ का है। महाराष्ट्र जो शिवाजी छत्रपति की भूमि है आज वहीं अन्नदाताओं की आत्महत्याओं का सिलसिला कई दशकों से थमने का नाम नहीं ले रहा।

'खरगाँव का चौक' उपन्यास इसी भीषण समस्या के उन बिंदुओं को स्पर्श करता है जिसे आशा जी ने स्वयं देखा और गहराई से महसूस किया है। चूंकि लेखिका अमरावती की रहने वाली है जहां आए दिन ऐसी मनहूस घटनाएं हो रही हैं इसलिए उनकी कलम ने किसानों के अभावग्रस्त जीवन तथा संघर्षों को बेहद सूक्ष्मता और सजीवता से चित्रित किया है। खरगाँव यूं तो लेखिका के काल्पनिक गाँव का नाम है किन्तु इसका पूरा परिवेश और पात्र यथार्थ की जमीन से जुड़े हैं। गाँव में किसान परिवारों के सभी सदस्य चाहें वे युवा हो प्रौढ़ हों या वृद्ध, स्त्री हों या पुरुष, सभी अवसादग्रस्त हैं। उनकी जीविका का

एकमात्र साधन खेती है पर दिनों-दिन बढ़ती लागत के अनुपात में आय कुछ भी नहीं। इन सबकी निराशा और दुख में शामिल है सामाजिक परंपराओं के निर्वाह का बोझ जिसके लिए वे कर्ज लेने पर विवश हो जाते हैं। माता-पिता और बड़े भाई संतोष की मृत्यु के बाद पुरखों से मिली थोड़ी सी जमीन पर खून-पसीना बहाकर प्रथमेश भाई के परिवार का उत्तरदायित्व संभालता है। खुद अविवाहित रहकर उनके बच्चों के भविष्य बनाने की चिंता में घुलता रहता है। जो थोड़ी बहुत फसल होती है उसे जंगली पशुओं से बचाना, कभी सूखा तो कभी बाढ़, कभी बेमौसम बरसात और कभी फसल का बाजार में उचित दाम न मिलना आदि मुश्किलें केवल प्रथमेश की नहीं बल्कि गाँव के सभी किसानों की थी तिस पर साहूकारों का शोषण, जमीन हड़पने की साजिशें, आपसी दुश्मनी भी कम मुसीबतें न खड़ी करतीं। इन सबसे से जूझते-जूझते ये कर्ज के बोझ तले भी दबते जाते और जब निराशा में उनका साहस तथा धैर्य चूक जाता तब उनके सामने केवल एक ही रास्ता बचता- आत्महत्या। कभी कीटनाशक पीकर तो कभी फांसी का फंदा लगाकर।

लेखिका ने मन की बात में स्पष्ट किया है- 'इस उपन्यास को लिखने का मेरा उद्देश्य किसान की समस्याओं को सामने लाना तो था ही उससे

अधिक उस मनोवृत्ति पर बात करना था जिसकी गिरफ्त में आकर किसान अपनी जान देने पर मजबूर हो रहें हैं.. जीवन अनमोल है.. समस्याएं तो आती-जाती रहती हैं, उनसे लड़ने और लड़कर जीतने के लिए जीवित रहना आवश्यक है '। लेखिका ने अपने इस उद्देश्य की प्राप्ति श्रीहरी के चरित्र से सफलतापूर्वक करती है।

उपन्यास की एक और विशेषता का यहाँ उल्लेख करना चाहूँगी। आशा जी ने सरकारी योजनाओं की विफलता में पटवारियों तथा सरकारी कर्मचारियों की कार्य शैली पर भी सवाल उठाने का साहस किया है। मुआवजे की रकम पाने के लिए किसनराव कलेक्टर के ऑफिस के सामने भूख हड़ताल करता है किन्तु उसे समझा-बुझा कर हड़ताल खत्म करवाई जाती है। शहर के अमीरों द्वारा किसान की जमीन खरीदकर उसे व्यावसायिक कामों में उपयोग करने पर प्रथमेश की व्यथा और बढ़ जाती है। श्रीहरी समझाता है इस बेचैनी को। इस प्रसंग में प्रथमेश और श्रीहरी के संवाद की मार्मिकता को लेखिका के शब्दों में देखिए- 'ये जमीन और ये मिट्टी हमारी आत्मा में समाई होती है श्रीहरी। जब जमीन बिकती है तो आत्मा कहाँ बची रह जाती है? ये खेत नहीं रहेंगे तो किसान कहाँ रहेंगे ?' (पृष्ठ 122)

कहते हैं न जहां चाह वहाँ राह। श्रीहरी शिक्षित तो था ही शहर में नौकरी करते हुए उसने गाँव की समस्याओं को खूब अच्छी तरह समझ परखा। सबसे पहले उसने लोगों को निराशा से बाहर निकाल मानसिक रूप से सशक्त बनाया फिर 'जागते रहो', श्रमदान, खुद की दुकानें , जल-प्रबंधन जैसी योजनाओं से किसानों में आत्म-विश्वास जगाया। अंततः वह सफल होता है। विषय के अनुरूप अन्य पात्रों में शारदा, शांता, नंदा, मीरा, गोविंद आदि की भूमिकाएं भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं । ये सभी पात्र कथानक को उद्देश्य तक पहुँचाने में सशक्त भूमिका निभाते हैं।

उपन्यास में महाराष्ट्र का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश, त्योहार, भाषा और खान-पान का प्रयोग आशा जी ने इतनी सहजता से किया है कि उपन्यास पढ़ते हुए सब कुछ आंखों के सामने घटित होता महसूस होता है। कथा में प्रवाह और आगे पढ़ने की जिज्ञासा बनी रहना आशा जी के श्रेष्ठ कथाकार होने का प्रमाण है। उपन्यास का अंत सकारात्मक होते हुए भी पाठकों के समक्ष अनेक सवाल और समाधान पर विचार करना शेष रहता है। श्रीहरी जैसे चरित्रों की जरूरत आज पहले से भी अधिक है। किसानों की आत्महत्याएं आज भी बड़ी संख्या में हो रहीं हैं। लेखिका के इस उपन्यास के माध्यम से हमें समझना होगा कि तकलीफों से घबराकर प्राण त्यागना समस्या का हल नहीं है। केवल सरकार और उनकी योजनाओं के भरोसे भी रास्ता नहीं मिलता। अपनी सबसे बड़ी ताकत हम खुद हैं ।

कृति : खरगांव का चौक
(उपन्यास)
लेखिका : आशा पाण्डेय
प्रकाशक : वनिका पब्लिकेशन
मूल्य : 400 रुपये

9, 'मधुरा', रामायण नगरी, भंडारा-441904
मोबाइल : 9823315230

व्यंग्य

दास्तान-ए-सांड

डॉ मुकेश असीमित

मेरा जन्मदिन अभी दूर है, लेकिन हमारे यहाँ जन्मदिन की तैयारियाँ किसी चुनाव से कम नहीं होतीं-घोषणापत्र पहले, कार्यक्रम बाद में। इस बार तय हुआ है कि गायों को चारा और गुड़ खिलाकर जन्मदिन मनाया जाएगा।

शहर में इन दिनों गौ-प्रेम फैशन में है। हर मोहल्ले में गौ-आश्रम उग आए हैं-कुछ श्रद्धा से, कुछ फोटो से और कुछ फेसबुक प्रेमियों के सेवा सेल्फी प्रेम से। जब से हमारे योग-गुरु बाबा ने सौंदर्य प्रसाधन से लेकर दवा-दारू तक मँगाया का तड़का लगाया है, गाय पाँच सितारा शो-रूम की वस्तु बन चुकी है। देसी गाय अब श्रद्धा की नहीं, औकात की चीज़ हो गई है।

गाय से हमारा रिश्ता नया नहीं है। बचपन से पाठ्यक्रम में थी- 'गाय हमारी माता है।' निबंध में, उपलों में, होली की बालुडियों में, और सुबह के मक्खन में गाय बराबर मौजूद थी। तब गाय को दरवाजे पर नहीं बुलाया जाता था; हम बच्चे ही रोटी लेकर गाय के पास जाते थे। आज गाय स्वयं दरवाजा खटखटाती है। शहर ने परिवारों को आलसी और गायों को आत्मनिर्भर बना दिया है।

पहले गौदान सबसे बड़ा दान था। अब पंडित जी ने UPI स्वीकार कर लिया है। गायें आँगन से निकलकर आश्रमोंमें शिफ्ट हो चुकी हैं। जन्मदिन मनाने वाले हम जैसे लोग आश्रम पहुँचते हैं, गाय को चारा खिलाते हैं, फोटो खिंचवाते हैं और लौटकर फेसबुक पर पोस्ट डालते हैं- 'आज कुछ अलग किया।' अलग बस इतना होता है कि गाय पहले से खा चुकी होती है।

बचपन में हमें दो माताएँ बताई गईं-एक हमारी माँ और दूसरी गाय माता। पिताओं की संख्या भी दो थी-एक हमारे और दूसरे गांधी जी, जिन्हें मास्साब ने बेंत की सहायता से हमारे भीतर स्थापित किया। लेकिन गाय के इस महिमामंडन में उसके भाई-बाप-खसम-बैल और सांड-हमेशा छूट गए। 'बनिया का बैल' सुनकर तब समझनहीं आता था कि यह गाली है। आज समझ आता है-बैल होना ही इस देश में सबसे बड़ा अपराध है।

गाँव में बैल गाड़ी खींचता था, हल में जुता था, कोल्हू चलाता था। उसकी घंटियाँ सुबह-शाम गाँव की साँसें थीं।

फिर मशीनें आईं, ट्रैक्टर आए और बैल बेरोज़गार हो गया। गाय पूज्य बनी रही, बैल अनुपयोगी। अगर गाय माता है, तो बैल क्या दूर का रिश्तेदार भी नहीं? इंसान गधे को बाप बना सकता है, बैल को नहीं।

आज बैल शहर की गलियों में पड़े मिलते हैं-सड़क, नाली और किस्मत तीनों जाम किए हुए। गौ-आश्रम वाले गायों को चुन-चुनकर उठाते हैं। बैल की पहचान करने के लिए बाकायदा ट्रेनिंग दी जाती है। कोई उत्साही सदस्य गलती से बैल उठा लाए तो उसे वापस छोड़ने के साथ संस्था से भी बाहर कर दिया जाता है। यहाँ गौ-सेवा है, पशु-सेवा नहीं।

शेयर बाजार में बुल-बेयर रोज खबर बनते हैं, लेकिन असली बुल सड़क पर पड़ा रहे तो कोई कवरेज नहीं। स्कूलमें बुलिंग पर चिंता है, सड़क पर बुलिंग झेलते बैल पर नहीं। कभी-कभी ये बैल कुंठा में सांड बन जाते हैं। तबलोग इन्हें गालियाँ देते हैं, जैसे इनके जीवन का यही उद्देश्य था-हमारी झुंझलाहट का साधन बनना।

नगर पालिका नालियों की सुध लेती है, सांड की नहीं। अखबार लिखते हैं- 'सांड नाली में गिरा, शहर अस्त-व्यस्त।' कोई नहीं लिखता-'सांड भूखा था।' बजट गाय के लिए है, बैल के लिए नहीं। न इनके वोट हैं, न

यूनियन। नेता रैली में घुस आएँ तो इसे सुरक्षा-चूक बताकर चुनावी मुद्दा बना लेते हैं।

बरसात में सांड सूखी सड़क पर लेट जाता है। लोग हॉर्न बजाते हैं, मालिक को कोसते हैं। मालिक कौन-यह प्रश्नकोई नहीं पूछता। कभी-कभी यही कुंठा उस हाथ पर निकलती है जो रोटी देने आया था। लोग कारण ढूँढते हैं-कोई डॉक्टरों पर आरोप लगाता है, कोई सब्जी मंडी पर। सच बस इतना है कि जिसे खिलाया जा रहा है, वहगाय नहीं, सांड है-और उसे यह भूमिका मंजूर नहीं।

जलीकट्टू पर बवाल हुआ, सोशल मीडिया उफना। कुछ दिन बाद सब भूल गए कि लड़ाई किसके लिए थी।

इंसान अपनी ईगो के लिए बुल फाइट चाहता है; बुल अपनी ज़िंदगी के लिए लड़ रहा है-अकेला।

अब आखिरी उम्मीद कथा-वाचकों से है। जिनके एक इशारे पर जनता दिशा बदल लेती है। अगर वे कह दें कि यह बैल नहीं, नंदी है-भगवान शिव की सवारी-तो तस्वीर बदल सकती है। तब 'नंदी आश्रम' खुलेंगे, चढ़ावे मेंहिस्सा तय होगा। नाम बदलते ही व्यवस्था बदल जाती है-हमारा देश इसका जीता-जागता प्रमाण है।

कम से कम इतना तो हो कि गाय के साथ उसके भाई की भी सुध ली जाए। क्योंकि श्रद्धा अगर चयनात्मक हो जाए, तो वह सेवा नहीं, सुविधा बन जाती है। और सांड-या कहिए नंदी-अब सुविधा नहीं, इंसानियत माँग रहा है।

गंगापुर सिटी राजस्थान
Mail ID-
drmukeshaseemit@gmail.com

लघुकथा

बकरे की बलि

चोवाराम वर्मा 'बादल'

ट्रैक्टर की ट्राली खचाखच भरी हुई थी ।रामदुलार परिजनों के साथ तुरतुरिया जा रहा था । उनके साथ एक खैरा बकरा भी था जो में-में-में चिल्ला रहा था । ये लोग गाँव से कुछ ही दूर गए थे कि उन्हें पारिवारिक कुलगुरु साइकिल से आते दिखाई दिए। उन्होंने पूछा,' कहाँ जा रहे हो रामदुलार?''

खुशी से चहकते हुए रामदुलार ने बताया, 'सोनिया की माँ ने पिछले वर्ष मेला के समय देवी माँ से बेटा प्राप्ति के लिए मन्नत माँगी थी और पूरा होने पर बकरे की बलि देने की बात कही थी। तीन बेटियों के बाद बेटा पैदा हुआ है। इस खुशी में बकरे के बलि देने जा रहे हैं। उनकी बातों को सुनकर गुरुदेव ने कहा - ' सुनो रामदुलार ! देवी माँ तो जगत जननी है। समस्त जीवधारियों की माँ.. इस बकरे की भी माँ है, जिसकी तुम हत्या करने जा रहे हो। सोचो जरा अपने बेटे की हत्या से माँ प्रसन्न होगी या नाराज?''

रामदुलार सिर झुकाए सुनता रहा, फिर बिना कुछ बोले गुरुदेव को प्रणाम किया और ट्रैक्टर को वहीं से गाँव वापस ले आया।

हथबंद, बलौदा बाजार (छग)493113
सम्पर्क 9926195747

कविता

चुनता कौन है!

राजेश पाठक

सबको अपनी पड़ी
सुनता कौन है!
खामखाह मुफलिसी
चुनता कौन है!
परिंदे नजर नहीं आते
उनके दाने चुगता कौन है!
खामखाह मुफलिसी
चुनता कौन है!
सबको आज जल्दी है

रोको भी गर
रुकता कौन है!
खामखाह मुफलिसी
चुनता कौन है!
यहां सीने को तान सब
गिरा उठ जाय भी
झुकता कौन है!
खामखाह मुफलिसी
चुनता कौन है!
बंटे हैं लोग इस माफिक
पता अब है कहां
किसका कौन है!
खामखाह मुफलिसी
चुनता कौन है!

गिरिडीह (झारखंड)815301
मो नं 9113150917

कविता

अनकहा इज़हार

डॉ.राजीव डोगरा

हां मैं लिखता हूं
सिर्फ लिखने के लिए नहीं
अपने जज्बातों के
इज़हार के लिए भी

हां मैं लिखता हूं
हर अल्फ़ाज़ में तुमको
मगर कहता नहीं कभी
अपने लफ़्ज़ों में तुमको

हां मैं लिखता हूं
अपने हृदय की
गहरी अनुभूति के साथ
मगर जाता नहीं कभी
अपने जज्बातों के आर पार।

पता-गांव जनयानकड़
पिन कोड -176038
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
rajivdograv@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

अटल आरोग्य लैब व्यवस्था पर सवालः मरीजों को रिपोर्ट के लिए करना पड़ रहा लंबा इंतजार

बीजापुर। जिला चिकित्सालय बीजापुर में अटल आरोग्य लैब के तहत लागू की गई नई जांच व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। अस्पताल की पैथोलॉजी सेवाओं का संचालन संभाल रही HLL Lifecare Limited पर मरीजों को समय पर जांच और रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करा पाने के आरोप लग रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद जांच की संख्या घट गई है और रिपोर्ट मिलने में पहले की तुलना में दोगुना से अधिक समय लग रहा है। जानकारी के अनुसार, पहले जिला अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 133 रक्त जांचें होती थीं, जो अब घटकर लगभग 60 से 65 रह गई हैं। वहीं जिन जांच रिपोर्टों के लिए पहले 6 से 12 घंटे का समय लगता था, अब मरीजों को 24 से 48 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर ओपीडी में आने वाले मरीजों पर पड़ रहा है, जिनका उपचार रिपोर्ट के अभाव में प्रभावित हो रहा है।

रिपोर्ट में देरी से इलाज प्रभावित : मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि रक्त जांच कराने के बाद भी समय पर रिपोर्ट नहीं मिल रही है। डॉक्टरों को जांच रिपोर्ट के अभाव में बीमारी की पुष्टि करने और उपचार शुरू करने में परेशानी हो रही है। कई मरीजों को दोबारा अस्पताल आना पड़ रहा है, जबकि कुछ लोग मजबूरी में निजी लैब का सहारा लेने को विवश हैं।

जांच क्षमता आधी होने का दावा : सूत्रों के अनुसार, नई व्यवस्था लागू होने के बाद अस्पताल की जांच क्षमता लगभग आधी हो गई है। बीजापुर जैसे दूरस्थ और आदिवासी बहुल जिले में बड़ी संख्या में मरीज सरकारी अस्पताल पर निर्भर हैं।

ग्राम सभा में पीएम आवास प्लस सर्वे सूची को लेकर हंगामा, बैठक निरस्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ विधानसभा के ग्राम पंचायत घोघरा में प्रधानमंत्री आवास प्लस 2.0 को लेकर ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। लेकिन ग्राम सभा की बैठक होती उससे पहले ही ग्राम सभा की बैठक निरस्त हो गई। दरसल ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में रोजगार सहायक ने लगभग 265 व्यक्तियों का सर्वे कर सूची तैयार की थी। लेकिन वर्तमान में 108 लोंगों का ही नाम प्रतीक्षा सूची में आया है। कहीं न कही रोजगार सहायक और पंचायत के अन्य व्यक्तियों द्वारा गड़बड़ी कर सैकड़ों लोंगों का नाम काट दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्तमान पीएम आवास 2.0 के लिए पात्र हितग्राहियों का नाम न डालकर अपात्र को पात्र बनाया गया और सर्वे सूची तैयार की गई। लिस्ट में कई ऐसे नाम शामिल है जो पूर्व में पति के नाम पर आवास ले लिया और वर्तमान में पत्नी के नाम पर दिया जा रहा हैं। ग्रामीणों ने आगे खुलासा करते हुए यह भी बताया कि लिस्ट में अविवाहित और बच्चों का नाम शामिल है। यहीं नही बल्कि कई ऐसे परिवार का नाम भी शामिल है जो सामूहिक एक ही घर में रहते है, अलग होने का कोई प्रमाण भी नहीं हैं। पीएम आवास की सर्वे सूची में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा होने के भी दावे किए जा रहें है। दावे करने के पीछे का कारण भी हैरान कर देने वाला है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व सरपंच का भी नाम प्रतीक्षा सूची में शामिल है। जिसका खुलासा खुद पूर्व सरपंच महादेव जाटवर ने किया।

बीजापुर में महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने दिए सख्त निर्देश

विश्व केसरी■

बीजापुर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने बीजापुर प्रवास के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया।

बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे पात्र हितग्राही तक पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष रूप से नक्सल प्रभावित रहे और अब विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहे बीजापुर जिले में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नियमित मॉनिटरिंग, मैदानी स्तर पर सक्रियता तथा सुनियोजित कार्ययोजना

आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्व का पूरी जवाबदेही के साथ निर्वहन करें।

बैठक में कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री ने इसे विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि कुपोषण के खिलाफ केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि जनभागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक घर और प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में मुनगा (सहजन) का पौधा अनिवार्य रूप से लगाया जाए। उन्होंने कहा कि मुनगा पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसके नियमित सेवन से बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा किशोरियों के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार संभव है। इसके साथ ही, उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को प्रतिदिन एक केला वितरित करने के निर्देश दिए ताकि बच्चों के पोषण स्तर और वजन में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बीजापुर को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजरों, पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सुपरवाइजरों को नियमित रूप से अधिक से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने, व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करने तथा कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में क्रेन ऑपरेटरों हेतु नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) में कार्यस्थल सुरक्षा एवं परिचालन सुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बीसी बे, हॉट सॉ पल्पिट क्रमांक-9 के समीप क्रेन ऑपरेटरों के लिए 25 जून 2026 को नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का निर्माण एवं लोकार्पण किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थंकर दस्तिदार ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभागीय टीम की उपस्थिति में नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मैकेनिकल) अरविंद टंडन, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) एन. के. खरे, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) प्रशांत खोंड, महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) प्रशांत लाखे, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) आर. के. राजधर, उप महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) आर. के. पवार, उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल) विक्रम वर्मा, सहायक महाप्रबंधक (मैकेनिकल) आलोक श्रीवास्तव सहित रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल की टीम उपस्थित रही।

मजदूरी की मजबूरी को दिखाया ठेंगा अब है आइसक्रीम दुकान की राजकुमारी

विश्व केसरी■

सारंगढ़। सरसीवा के टाटा बिलासपुर गांव क्रो लोग अब राजकुमारी साहू के गांव के नाम से जानने लगेंगे। राजकुमारी ने अपनी संघर्ष और स्वावलंबन की एक ऐसी अमिट इबारत लिखी है। कभी रोजगार और बच्चों के बेहतर भविष्य की तलाश में अपनी सरजमीं छोड़कर दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर राजकुमारी, ने अपने ग्राम बिलासपुर में आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ रही हैं। कल तक जो हाथ तंगहाली के आगे बेबस थे, आज वे 'बिहान' योजना की बदौलत न सिर्फ अपने परिवार की किस्मत बदल रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार दे रहे हैं।

राजकुमारी साहू का शुरुआती जीवन किसी आम साधनहीन ग्रामीण महिला की तरह अभावों के साए में बीता। परिवार में आय का कोई स्थायी जरिया नहीं था। जब गाँव में उम्मीद की सारी खिड़कियाँ बंद नजर आने लगीं, तो रोजगार के लिए उन्हें अपने परिवार के साथ अन्य राज्यों की ओर रुख करना पड़ा। दूसरे प्रदेशों की तंग गलियों और कठिन परिस्थितियों में मजदूरी करते हुए उनके मन में हमेशा एक ही कसक रहती थी— 'क्या कभी अपनी माटी में रहकर, अपने बच्चों के सामने सिर उठाकर जीने का मौका मिलेगा?'

'बिहान' का उजियारा और जय मां संतोषी समूह का गठन

कहते हैं कि जब आपके भीतर कुछ कर गुजरने की तड़प हो, तो रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं। राजकुमारी के जीवन में यह रास्ता छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ने खोला। गाँव लौटने पर जब उन्हें महिला स्व-सहायता समूहों के बारे में पता चला, तो उनके भीतर सोया हुआ नेतृत्व गुण जाग उठा। उन्होंने ठान लिया कि वे अब खुद को और गाँव की दूसरी महिलाओं को लाचारी के दलदल से बाहर निकालेंगी।शुरुआत बेहद चुनौतीपूर्ण थी। गाँव की झिझकती और आशंकित महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाना आसान नहीं था। राजकुमारी ने हार नहीं मानी।

वैज्ञानिक खेती व जल संरक्षण तथा संतुलित उर्वरक उपयोग पर जोर देने कलेक्टर ने की अपील

विश्व केसरी■

सारंगढ़। खरीफ 2026 में अल-नीनो के संभावित प्रभाव के कारण मानसून के देरी से आने, शीघ्र समाप्त होने तथा फसल अवधि के दौरान वर्षा में लंबे अंतराल, खण्ड वर्षा की संभावना को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने किसानों से अधिक अवधि वाली धान के किस्मों के स्थान पर कम अवधि में पकने वाली किस्मों जैसे एमटीयू 1010, विक्रम टीसीआर, एमटीयू-1156, एमटीयू- 1153, छ.ग. देवभोग का चयन करने की अपील की है। साथ ही दलहन-तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने, फसल विविधीकरण अपनाने तथा उपलब्ध जल संसाधनों का समुचित उपयोग एवं संतुलित उर्वरक, नैनो यूरिया, नैनो डी.ए.पी. का उपयोग करने पर विशेष बल दिया गया हैं। इससे जल संरक्षण के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता एवं आय में भी वृद्धि

होगी। किसान वैज्ञानिक खेती एवं जल संरक्षण को बढ़ावा दें। खरीफ 2026 में कृषक भाई खेती में कतार बोनी, एसआरआई पद्धति, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई को अपनाये। जो कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए आधुनिक कृषि है। कृषक खेतों में मेडबंदी कर उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग करें। जल संरक्षण हेतु खेत में तालाब, मेडबंदी, नलकूप रिचार्ज, सोकपिट निर्माण एवं वर्षा जल संचयन जैसी गतिविधियों को अपनाकर फसलों की उत्पादन सुनिश्चित की जा सकती है। कम वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की कतार बोनी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस पद्धति से लगभग 20 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। उत्पादन लागत कम आती है तथा फसल लगभग 12 से 15 दिन पहले तैयार हो जाती है। वहीं कतार पद्धति से बुवाई करने पर खरपतवार नियंत्रण, पौधों की समान वृद्धि एवं नमी संरक्षण में सहायता मिलती है।

प्रशिक्षण एवं बैठकों के माध्यम से किसानों को बीजोपचार अपनाने की सलाह दी जा रही है। धान फसल के लिए एजोस्पिरिलम, पीएसबी तथा दलहनी फसलों के लिए राइजोबियम एवं अन्य जैव उर्वरकों के उपयोग से फसलों की वृद्धि एवं उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है एवं साथ ही उच्चहन भूमि वाले क्षेत्रों में धान के स्थान पर अरहर, उडद, मूंग, तिल एवं मूंगफली जैसी फसलों को अपनाने की सलाह दी जाती है।

बेटियां हर क्षेत्र में बढ़ रही आगे : डॉ. रमन सिंह

विश्व केसरी■

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्पेस एजुकेशन लैब एवं प्लैनेटेरियम का शुभारंभ किया तथा नि:शुल्क सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत बालिकाओं को सायकल का वितरण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बालिकाओं को मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। उन्होंने कक्षा 11वीं की पढ़ाई के लिए इसी सत्र से कॉमर्स विषय में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने स्कूल परिसर में प्रार्थना एवं सभा के लिए स्थायी डोम निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर स्पेस एजुकेशन लैब एवं प्लैनेटेरियम के माध्यम से राजनांदगांव में शिक्षा के

एक नये युग का सूत्रपात हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि इस बेहतरीन आयोजन का महत्व इसलिए बढ़ गया है कि बालिकाओं के लिए नि:शुल्क सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत जिले में 6100 सायकल का वितरण किया जाना है और आज यहां स्कूल में 120 बालिकाओं को सायकल का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक बालिकाएं स्कूल जाएं और उनकी पढ़ाई बाधित न हो। इसके लिए पहली से आठवीं तक के 82358 बच्चों को नि:शुल्क गणवेश तथा पाठ्य पुस्तक का वितरण किया गया है। वहीं कक्षा 9वीं एवं 10वीं के 23275 विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण किया जा रहा है। यहां स्कूल में ऑडिटोरियम, स्पेस एजुकेशन लैब एवं प्लैनेटेरियम की सौगात मिली है और स्कूल में अच्छी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि बेटियों ने छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ी महक नरवासे का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम चयनित होने एवं उपकप्तान के रूप में चयनित होने पर राजनांदगांव जिले एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, यहां कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष बेटियां है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटियों को सम्मान के साथ अधिकार भी दिया है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय, राजनांदगांव का प्रतिष्ठित विद्यालय है। यहां के बच्चों का बोर्ड परीक्षाओं में 99 प्रतिशत परिणाम रहा है।

नगरी में हल्दी की वैज्ञानिक खेती को मिलेगा नया आयाम

विश्व केसरी■

धमतरी। कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धमतरी जिले के नगरी विकासखंड में हल्दी की वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत झुझरकस्सा के आश्रित ग्राम कोरेंमुडा में जिला पंचायत धमतरी, जनपद पंचायत नगरी एवं प्रदान संस्था के संयुक्त सहयोग से हल्दी की वैज्ञानिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में नगरी एवं मगरलोड विकासखंड के कृषि मित्रों और पीआरपी ने सहभागिता करते हुए हल्दी उत्पादन की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य खेती की वैज्ञानिक पद्धतियों को गांव-गांव तक पहुंचाकर किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं अधिक उत्पादन के लिए तैयार करना है।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने भूमि की तैयारी, उन्नत एवं रोगमुक्त बीज (राइजोम) का चयन, बीज उपचार, संतुलित पोषण प्रबंधन, सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, फसल संरक्षण, वैज्ञानिक कटाई तथा कटाई उपरांत प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही किसानों को यह भी बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के साथ उचित प्रसंस्करण एवं विपणन से हल्दी की खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

इस पहल के अंतर्गत अब तक 250 किसानों ने गट्टासिल्ली किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के माध्यम से लगभग 10 टन हल्दी बीज (राइजोम) का क्रय किया है। इन बीजों से लगभग 270 दिनों में 250 टन हल्दी उत्पादन होने का अनुमान है। खेती के प्रत्येक चरण में कृषि मित्रों एवं एफपीओ द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं नियमित फील्ड सपोर्ट उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता दोनों में वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

उत्पादित हल्दी का प्रसंस्करण हरिभूमि किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए जिला पंचायत धमतरी द्वारा कोरेंमुडा में हल्दी प्रसंस्करण इकाई स्थापित कर किसानों को मूल्य संवर्धन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रसंस्करण के बाद तैयार हल्दी पाउडर का विपणन गट्टासिल्ली किसान उत्पादक कंपनी द्वारा किया जाएगा, जिससे किसानों को बेहतर बाजार एवं उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा। यह पहल किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर 'उत्पादन-प्रसंस्करण-ब्रांडिंग-विपणन' की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में कृषि आधारित उद्यमिता, किसान उत्पादक संगठनों को सशक्त बनाने तथा मूल्य संवर्धित कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हल्दी उत्पादन की यह पहल नगरी क्षेत्र की ऊपरी भूमि के बेहतर उपयोग के साथ किसानों के लिए अतिरिक्त एवं टिकाऊ आय का माध्यम बनेगी। आगामी वर्षों में हल्दी उत्पादन के क्षेत्रफल में विस्तार, वैज्ञानिक खेती, प्रसंस्करण एवं संगठित विपणन की इस समन्वित व्यवस्था से नगरी क्षेत्र को हल्दी उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन के एक उभरते कृषि केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यह पहल मील का पत्थर साबित होगी।

पुनर्वासित युवाओं से मिले उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप

गांवों के विकास में सहभागी बनने किया आह्वान, पुनर्वासित युवाओं की सुनी समस्याएं

विश्व केसरी■

नारायणपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने नारायणपुर प्रवास के दौरान शनिवार देर शाम पुनर्वास केंद्र पहुंचकर हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा से जुड़े पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। दोनों मंत्रियों ने युवाओं से पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, प्रशिक्षण और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाते सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों एवं शासकीय सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक पुनर्वासित युवक-युवती को सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भर बनने

के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वासित युवाओं से अपील की कि वे जेल में बंद अपने पूर्व साथियों से मुलाकात कर उन्हें भी पुनर्वास योजना का लाभ लेने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विकास और शांति का मार्ग ही बस्तर के उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

उप मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र में संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी ली। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा मोटर वाहन ड्राइविंग का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में दिखाई जा रही उत्साहपूर्ण भागीदारी की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यह सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है। युवाओं से चर्चा के दौरान जब खेतों में सिंचाई के लिए बोर व्यवस्था की आवश्यकता बताई गई, तब उप मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहीदों के परिवारों एवं पुनर्वासित युवाओं का सर्वे कराकर उनके खेतों में सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वे कृषि के माध्यम से स्थायी आजीविका अर्जित कर सकें।

विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पेसा अधिनियम को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर के जनप्रतिनिधि आदिवासी समाज से हैं और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली भ्रामक और भटकाने वाली सूचनाओं से सावधान रहने का आग्रह करते हुए कहा कि बस्तर का विकास बस्तर के लोगों के सहयोग से ही संभव है।

उन्होंने पुनर्वासित युवाओं का आह्वान

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव 29 व 30 जून को

विश्व केसरी■

अम्बिकापुर। सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहर रामगढ़ में आषाढ़ के प्रथम दिवस 29 एवं 30 जून 2026 को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य एवं पर्यटन का अद्भुत समागम देखने को मिलेगा।

महोत्सव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। कार्यक्रम में सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, कलाकार एवं बड़ी संख्या में पर्यटक तथा स्थानीय नागरिक शामिल होंगे।

29 जून को होगा शुभारंभ : महोत्सव का शुभारंभ 29 जून को प्रातः 10:30 बजे अतिथियों के आगमन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगा। इसके पश्चात स्वागत समारोह, अतिथियों का उद्बोधन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। दिनभर छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति पर आधारित विभिन्न लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रस्तुत किए जाएंगे। शाम को सुप्रसिद्ध लोक एवं सांस्कृतिक कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां महोत्सव की शोभा बढ़ाएंगी।

रामगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों से होंगे रूबरू : महोत्सव के दौरान आगंतुकों को विश्व की प्राचीनतम रंगशाला के रूप में प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

'मेड इन इंडिया' सिर्फ एक लेबल नहीं, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी है: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारतीय उद्यमियों को यह हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि जब वे किसी उत्पाद पर 'मेड इन इंडिया' का लेबल लगाते हैं, तो वे केवल अपना नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय उद्यमियों के लिए गुणवत्ता केवल कारोबारी मानक नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति एक जिम्मेदारी है।

पीयूष गोयल ने तमिलनाडु के अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी के संस्थापक अकील पनारुना का उदाहरण साझा किया, जिनसे उनकी मुलाकात लंदन में आयोजित बिजनेस प्लेनरी सेशन के दौरान हुई थी।

अकील ने उन्हें बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक ने काहिरा हवाई अड्डे पर ह्यूगो बॉस ब्रांड का एक लग्जरी जूता देखा। जब उसने जूते का लेबल देखा, तो उस पर 'मेड इन इंडिया' लिखा था। यह जूता अकील की कंपनी में तैयार किया गया था।

गोयल ने कहा कि अकील जैसे उद्यमियों के लिए गुणवत्ता केवल कंपनी का प्रदर्शन मापने का पैमाना नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति उनकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि अकील का काम केवल भारतीय कारीगरी को दुनिया के बड़े ब्रांडों तक पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा किया है, विनिर्माण क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाया है और 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' जैसी पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को भी अपनाया है।

पीयूष गोयल ने आगे कहा कि जैसे-जैसे भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) के जरिए दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हो रहे हैं, वैसे-वैसे अकील जैसे उद्यमी पूरी दुनिया को यह साबित कर रहे हैं कि 'ब्रांड इंडिया' आज वैश्विक स्तर पर सबसे ऊंचे मानकों पर खड़ा है।

उन्होंने ऐसे सभी उद्यमियों को बधाई दी, जो 'मेड इन इंडिया' को भरोसे, उत्कृष्टता और गर्व का प्रतीक बना रहे हैं तथा दुनिया के सामने नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इससे पहले दिन में पीयूष गोयल ने एशिया हाउस और दुनिया की प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक गोलमेज बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने और भविष्य के नए अवसरों पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान भारत के मजबूत विनिर्माण तंत्र और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया, जिनके माध्यम से भारत-यूके सीईटीए दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत बना सकता है।

गोयल ने यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) के सदस्यों के साथ भी एक संवादात्मक लंच बैठक की, जिसमें दुनिया की कई प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सोना इस हफ्ते धड़ाम, चांदी का दाम 15 हजार रुपए से अधिक घटा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता कम होने से सोने और चांदी में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 5 हजार रुपए और 15 हजार रुपए से अधिक सस्ते हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 5,097 रुपए कम होकर 1,39,873 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,44,970 रुपए पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,28,124 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,32,793 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,04,905 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,08,728 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 25 जून को शाम के सत्र में 1,39,461 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 22 जून को सुबह के सत्र में 1,47,310 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 15,432 रुपए कम होकर 2,16,541 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,31,973 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 22 जून को शाम के सत्र में 2,37,801 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 25 जून को सुबह के सत्र में 2,15,485 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

वैश्विक अस्थिरता में कमी आने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,100 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 60 डॉलर प्रति औंस के नीचे आ गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह महंगाई बढ़ने के चलते फेड की ओर से ब्याज दर बढ़ने के संकेत देना है। इससे ट्रेडर्स ने सोने और चांदी में मुनाफावसूली करना शुरू कर दी है।

अमेरिकी सरकार के अनुरोध पर 'ओपन एआई' ने नए जीपीटी-5.6 मॉडल्स की लॉन्चिंग सीमित की, पहले चुनिंदा पार्टनर्स को मिलेगा एक्सेस

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपन एआई ने अपने नए जीपीटी-5.6 मॉडल्स की लॉन्चिंग को फिलहाल सीमित रखने का फैसला किया है। कंपनी ने बताया कि 'सोल', 'टेरा' और 'लूना' नाम के नए एआई मॉडल्स को शुरुआती दौर में केवल कुछ भरोसेमंद पार्टनर्स के लिए लिमिटेड प्रीव्यू के रूप में जारी किया जाएगा। आने वाले कुछ हफ्तों में इन्हें व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने की योजना है।

ओपन एआई के मुताबिक, नए जीपीटी-5.6 मॉडल्स में रीजनिंग, कोडिंग और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। कंपनी ने यह भी खुलासा किया कि लॉन्च से पहले उसने इन मॉडल्स की क्षमताओं की जानकारी अमेरिकी सरकार को दी थी। इसके बाद सरकार के अनुरोध पर सीमित लॉन्च का फैसला लिया गया, ताकि हाल ही में जारी साइबर सिक्योरिटी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के तहत उन्नत एआई मॉडल्स के मूल्यांकन के लिए व्यापक ढांचा तैयार किया जा सके।

कंपनी ने स्पष्ट किया कि अगले कुछ हफ्तों में इन मॉडल्स को चैटजीपीटी, एपीआई और कोडेक्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि ओपन एआई का कहना है कि वह नहीं चाहता कि सरकार की ओर से लॉन्च से पहले प्रीव्यू की यह प्रक्रिया भविष्य में स्थायी नियम बन जाए।

ओपन एआई ने 'जीपीटी-5.6 सोल' को सबसे कठिन वैज्ञानिक कार्यों के लिए अपना फ्लैगशिप मॉडल बताया है। वहीं 'टेरा' को एंटरप्राइज और डेवलपर कार्यों के लिए संतुलित विकल्प बताया गया है, जो जीपीटी-5.5 जैसी क्षमता लगभग आधी लागत पर उपलब्ध कराता है। 'लूना' को सबसे तेज और किफायती मॉडल बताया गया है, जो कम लागत वाले उपयोगों के लिए तैयार किया गया है।

कंपनी ने कहा कि 'सोल' जुलाई से चुनिंदा ग्राहकों के लिए सेरेब्रस हार्डवेयर पर उपलब्ध होगा और यह 750 टोकन प्रति सेकंड तक की गति से काम करेगा। इसमें अधिकतम तार्किक प्रयास और अल्ट्रा मोड जैसे फीचर दिए गए हैं, जिनकी मदद से यह जटिल कोडिंग, रिसर्च और मल्टी-स्टेप कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेगा।

बता दें कि सेरेब्रस सिस्टम्स एक अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हार्डवेयर कंपनी है।

इस बीच, अमेरिकी एआई कंपनी एन्थ्रोपिक को भी अपने शक्तिशाली मिथोस '5 मॉडल' को राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करने के बाद कुछ भरोसेमंद पार्टनर्स के लिए दोबारा सीमित रूप से उपलब्ध कराने की मंजूरी मिल गई है।

महीनों बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे दक्षिण कोरिया के दो और जहाज

विश्व केसरी ■

सियोल। अमेरिका और ईरान में शांति समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आवागमन बढ़ने लगा है। इसी कड़ी में महीनों तक फंसे रहने के बाद दक्षिण कोरिया के दो और जहाज होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरे हैं।

समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के एक अधिकारी ने कहा, 'दक्षिण कोरियाई शिपिंग कंपनियों की ओर से संचालित दो जहाज, जो होर्मुज स्ट्रेट के अंदर इंतजार कर रहे थे, अब जलडमरूमध्य से गुजरने के बाद सामान्य रूप से आगे बढ़ रहे हैं।'

ये उन 26 दक्षिण कोरिया से जुड़े जहाजों में शामिल थे, जो फरवरी के आखिर में ईरान की ओर से जलमार्ग में शिपिंग रूट बंद करने के बाद वहां फंस गए थे। इनमें से पहले दो जहाज तनाव के दौरान ईरान की मदद से स्ट्रेट से निकल गए थे, जबकि बाकी जहाज इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद एक-एक करके जलमार्ग से निकल रहे हैं।

हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया से जुड़े तीन जहाज अभी भी फंसे हुए हैं, जिनमें 'एचएमएम नामु' भी शामिल है। इस ईरान के मिसाइल हमलों में नुकसान पहुंचा था और दुबई के एक बंदरगाह पर उसकी मरम्मत की जा रही है। अधिकारी के अनुसार, कुल 43 दक्षिण कोरियाई क्रू सदस्य अभी भी जलडमरूमध्य में फंसे हुए हैं, जिनमें दक्षिण कोरियाई जहाजों और विदेशी झंडे वाले जहाजों पर सवार लोग शामिल हैं।

अधिकारी ने बताया कि उसने जहाजों को जलमार्ग से सुरक्षित रूप से गुजरने में मदद करने के लिए विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर रियल-टाइम मॉनिटरिंग की और राजनयिक व नेविगेशन सहायता प्रदान की।

बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट से निकले दो जहाजों पर दक्षिण कोरिया के चार क्रू सदस्य सवार थे, लेकिन इनमें से कोई भी जहाज दक्षिण कोरिया नहीं जा रहा है।

इसी बीच, दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए ईंधन उत्पादों की अधिकतम कीमतों में कटौती की। साथ ही, वित्त मंत्री ने महंगाई को और नियंत्रित करने के लिए साल की दूसरी छमाही में बिजली और गैस की दरों को स्थिर रखने का वादा किया।

वित्त मंत्री कू यूं-चेओल ने अर्थव्यवस्था से जुड़े मंत्रियों के साथ बैठक के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जब तक उपभोक्ता कीमतें पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जातीं, तब तक यह कैप सिस्टम लागू रहेगा।

वित्त मंत्री ने कहा, 'सरकार मिडिल ईस्ट और दक्षिण कोरियाई अर्थव्यवस्था में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है। इसके साथ ही, वर्तमान में लागू आपातकालीन उपायों में चरणबद्ध तरीके से बदलाव होंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार को मिला सपोर्ट, निफ्टी और सेंसेक्स ने लगातार तीसरे सप्ताह दर्ज की बढ़त

विश्व केसरी ■

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में ईरान-युद्ध से पहले के स्तर तक आई तेज गिरावट और होर्मुज़ जलडमरूमध्य में यातायात सामान्य होने से भारतीय शेयर बाजार ने लगातार तीसरे सप्ताह भी बढ़त दर्ज की।

साप्ताहिक कारोबार के दौरान निफ्टी में 0.18 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि आखिरी कारोबारी दिन यह 0.14 प्रतिशत बढ़कर 24,056 पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स 109 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,100 पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स में 0.39 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

घरेलू शेयर बाजार ने इस सप्ताह कई मिले-जुले संकेतों के बावजूद मजबूती दिखाई। हालांकि, व्यापक बाजार में खासकर मिडकैप शेयरों पर हल्का बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे बढ़ने से भू-राजनीतिक तनाव कम हुआ। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया।

हालांकि, असमान मानसून वितरण को लेकर चिंताएं बढ़ने से महंगाई बढ़ने और ग्रामीण मांग पर असर पड़ने की आशंकाएं भी सामने आने लगी हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी निकट भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे महंगाई, राजकोषीय घाटे और चालू खाते की स्थिति में सुधार होगा, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति को लेकर अधिक लचीलापन रहेगा।

साप्ताहिक कारोबार में फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं निजी बैंकों के शेयरों में भी तेजी रही, जिसका कारण एफसीएनआर (बी) जमा स्वैप योजना को लेकर आरबीआई की ओर से दी गई स्पष्टता रही।

दूसरी ओर, कमोडिटी कीमतों में गिरावट के कारण मेटल सेक्टर सबसे ज्यादा दबाव में रहा। वहीं उपभोक्ता मांग को लेकर चिंताओं के चलते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में भी कमजोरी देखी गई।

जहां प्रमुख सूचकांकों ने बढ़त दर्ज की, वहीं व्यापक बाजार में भिन्नता देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप-100 सूचकांक सप्ताह के दौरान 1.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप-100 में केवल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज हुई।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, निकट भविष्य में निफ्टी के लिए 24,400 और 24,500 का स्तर प्रमुख प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) रहेगा, जबकि 23,900 और 23,800 का स्तर मजबूत समर्थन (सपोर्ट) माना जा रहा है।

बैंक निफ्टी के लिए 57,500-57,400 का स्तर प्रमुख सपोर्ट और 58,900-59,000 का स्तर महत्वपूर्ण रेजिस्टेंस माना जा रहा है।

आने वाले हफ्तों में कंपनियों के तिमाही नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। निवेशकों की नजर कंपनियों की मांग, मुनाफे के मार्जिन और ऑर्डर बुक को लेकर प्रबंधन की टिप्पणियों पर रहेगी।

केयरएज ईएसजी रेटिंग्स ने बढ़ाया अदाणी पोर्ट्स का ईएसजी स्कोर, पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में फिर साबित की मजबूत स्थिति

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में पर्यावरण, सामाजिक और सुशासन (ईएसजी) के क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति को और मजबूत करते हुए अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) को केयरएज ईएसजी रेटिंग्स ने 84.3 का ईएसजी स्कोर दिया है।

यह स्कोर बताता है कि ईएसजी से जुड़े जोखिमों के प्रबंधन, पारदर्शी खुलासों, मजबूत नीतियों और बेहतर प्रदर्शन के मामले में अदाणी पोर्ट्स 'लीडरशिप' स्थिति में है। वहीं कंपनी के पिछले 81 अंकों के मुकाबले इस बार उसका स्कोर 3.3 अंक बढ़ा है।

कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह रेटिंग केयरएज ईएसजी रेटिंग्स की वार्षिक समीक्षा के बाद दी गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 की इंटीग्रेटेड एनुअल रिपोर्ट में किए गए नए खुलासों को भी शामिल किया गया है।

कंपनी के अनुसार, यह रेटिंग बढ़ोतरी ईएसजी प्रदर्शन और पारदर्शिता में लगातार हुए सुधार को दर्शाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पर्यावरण के क्षेत्र में उत्सर्जन, ऊर्जा, पानी और कचरे की तीव्रता में कमी, नवीकरणीय ऊर्जा के अधिक उपयोग और पूरी वैल्यू चेन में पर्यावरण संबंधी पहलुओं को शामिल करने जैसे कदमों ने कंपनी के प्रदर्शन को बेहतर बनाया है।

सामाजिक क्षेत्र में सुरक्षा प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाने, शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने, विविधता, समान वेतन और कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाने जैसे प्रयासों का भी सकारात्मक असर देखने को मिला।

कंपनी ने बताया कि बोर्ड स्तर पर ईएसजी की निगरानी, व्यापक गवर्नेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम और वैल्यू चेन से जुड़े साझेदारों के साथ बेहतर समन्वय जैसी पहल ने उसके कॉरपोरेट गवर्नेंस ढांचे को और मजबूत किया है।

कंपनी ने कहा, 'यह रेटिंग इस बात की पुष्टि करती है कि पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में अदाणी पोर्ट्स ईएसजी के क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों में शामिल है। यह पर्यावरण, सामाजिक और सुशासन से जुड़े सभी पहलुओं में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, पारदर्शिता और लगातार सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए तेजी से बढ़ानी होगी विद्युतीकरण की रफ्तार: सागर अदाणी

विश्व केसरी ■

लंदन/नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अदाणी ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए तेजी से विद्युतीकरण (इलेक्ट्रिफिकेशन) बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण (स्टोरेज) के साथ जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य में भरोसेमंद, किफायती और चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने की सबसे अहम कुंजी होगी।

लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक के दौरान लंदन के साइंस म्यूजियम में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और एनर्जी ट्रांजिशन्स कमीशन (ईटीसी) की साझेदारी में आयोजित पहले अदाणी ग्रीन एनर्जी डायलॉग में बोलते हुए सागर अदाणी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा, किफायतीपन और स्थिरता आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हैं।

सागर अदाणी ने कहा, 'विद्युतीकरण इन तीनों चुनौतियों का समाधान करने का सबसे प्रभावी तरीका बनकर उभर रहा है। जो देश मजबूत आर्थिक विकास और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता चाहते हैं, उनके लिए तेजी से विद्युतीकरण अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है।'

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा की वास्तविक क्षमता तब सामने आती है, जब उसे बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) जैसी ऊर्जा भंडारण तकनीकों के साथ जोड़ा जाए।

सागर अदाणी ने कहा, 'ये तकनीकें स्वच्छ ऊर्जा को भरोसेमंद, किफायती और चौबीसों घंटे उपलब्ध कराती हैं। अदाणी ग्रीन इसी सोच को आगे बढ़ा रही है और वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की दिशा में काम कर रही है। गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र विकसित किया जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण के साथ स्वच्छ ऊर्जा को जोड़ा जा रहा है।'

इस संवाद कार्यक्रम में नीति निर्माता, निवेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और जलवायु विशेषज्ञ शामिल हुए। सभी ने स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को तेज करने के लिए आवश्यक नीतियों, निवेश और बुनियादी ढांचे पर चर्चा की।

दुनिया के सबसे बड़े स्वतंत्र जलवायु आयोजनों में शामिल लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम ने जलवायु परिवर्तन से निपटने, नई नीतियों को बढ़ावा देने और ऊर्जा परिवर्तन के लिए निवेश जुटाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। एनर्जी ट्रांजिशन्स कमीशन के सह-अध्यक्ष लॉर्ड अडेयर टर्नर ने कहा कि यदि दुनिया को शून्य-उत्सर्जन अर्थव्यवस्था बनानी है ।

स्टडी का दावा- स्क्रिन टाइम से रुक सकती है बच्चे की ग्रोथ, 2 साल से कम उम्र के बच्चों को मोबाइल दिखाते हैं तो जान लें इसके नुकसान

एक हालियां स्टडी में ये दावा किया गया है कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों को नियमित रूप से स्क्रीन दिखाना उनकी सेहत और विकास के लिए नुकसानदायक हो सकता है. यदि आप भी अपने बच्चे को मोबाइल या डिजिटल डिवाइस देकर बिजी रखते हैं, तो यहां इसके नुकसान के बारे में समझ लें.

आजकल छोटे बच्चों को शांत रखने या खाना खिलाने के लिए कई माता-पिता मोबाइल, टैबलेट या टीवी का सहारा लेते हैं. ये तरीका काफी हद तक बच्चों को बिजी रखने में कारगर साबित होता है. लेकिन क्या आप जानते है, कुछ समय के लिए बच्चे को शांत रखने का ये तरीका उनकी ग्रोथ के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है?

लैंडमार्क स्टडी के अनुसार, दो वर्ष से कम उम्र के शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम खतरनाक है. इससे बच्चे की सेहत से लेकर जीवन की गुणवत्ता तक नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि इस उम्र में स्क्रीन टाइम से बचना चाहिए, क्योंकि इसके प्रभाव लंबे समय तक बने रह सकते हैं.

रुक सकती है ग्रोथ!

शोधकर्ताओं के अनुसार, जीवन के शुरुआती दो साल बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी होते हैं. यदि इस दौरान बच्चे ज्यादा समय मोबाइल या अन्य डिजिटल स्क्रीन के सामने बिताते हैं, तो उनकी भाषा सीखने की क्षमता, सामाजिक व्यवहार और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है.

पैरेंट्स से अटैचमेंट कम होता है

स्टडी में यह भी कहा गया है कि स्क्रीन देखने की वजह से बच्चों को माता-पिता के साथ समय बिताने का मौका कम मिलता है. इससे उनके बीच इमोशनल अटैचमेंट भी प्रभावित हो सकता है. इसके अलावा बच्चे दूसरे बच्चों के साथ खेलने, दौड़ने और नई चीजें सीखने में भी कम रुचि दिखाते हैं.

बच्चों में अनिद्रा की समस्या बढ़ सकती है

विशेषज्ञों का मानना है कि कम उम्र में ज्यादा स्क्रीन देखने से बच्चों की नींद भी प्रभावित हो सकती है. कई बच्चों को जल्दी नींद नहीं आती या उनकी नींद पूरी नहीं होती.इसका असर उनकी दिनभर की गतिविधियों और विकास पर पड़ सकता है. साथ ही आंखों की सेहत और मोटापे का खतरा भी बढ़ सकता है.

जरूरी बात

हालांकि शोधकर्ताओं ने यह नहीं कहा कि स्क्रीन टाइम किसी एक खास बीमारी का सीधा कारण बनता है, लेकिन उनका मानना है कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों को जानबूझकर नियमित रूप से मोबाइल या टैबलेट नहीं देना चाहिए. इस उम्र में बच्चों के लिए सबसे जरूरी है कि वे माता-पिता के साथ बातचीत करें, खेलें, नई चीजों को अपने आसपास देखकर सीखें और प्राकृतिक वातावरण में समय बिताएं.

विशेषज्ञों की सलाह है कि माता-पिता भी अपने स्क्रीन इस्तेमाल पर ध्यान दें, क्योंकि बच्चे वही आदतें जल्दी सीखते हैं जो वे अपने घर में देखते हैं. इसलिए छोटे बच्चों के बेहतर विकास के लिए डिजिटल स्क्रीन की जगह परिवार के साथ समय बिताना, खेलना और बातचीत करना सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है।

72 से 49 किलो! नो क्रैश डाइट, नो एक्स्ट्रा वर्कआउट; फिटनेस कोच ने इन 8 आदतों को बदल कर किया वेट लॉस

72 से सीधे 49 किलो! बिना किसी सख्त डाइट या क्रैश कोर्स के एक फिटनेस कोच ने घटाया पूरे 23 किलो वजन. जानिए रोज़मर्रा की वो 8 छोटी-छोटी आदतें जिन्हें बदलकर उन्होंने इस नामुमकिन सफर को मुमकिन बना दिया.

जब भी वजन घटाने (Weight Loss) की बात आती है, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले उबला हुआ खाना, क्रैश डाइट और जिम में घंटों पसीना बहाने का ख्याल आता है. लेकिन हाल ही में एक फिटनेस कोच ने इस सोच को पूरी तरह बदल दिया है. उन्होंने बिना किसी सख्त डाइट के अपना वजन 72 किलो से घटाकर 49 किलो (यानी पूरा 23 किलो कम) कर लिया. कोच का मानना है कि उनकी इस सफलता के पीछे कोई स्पेशल डाइट नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की उन छोटी-छोटी आदतों को सुधारना था, जो अनजाने में उनका वजन बढ़ा रही थीं. आइए जानते हैं उनके वो 8 लाइफस्टाइल बदलाव, जिन्हें अपनाकर कोई भी फिट हो सकता है:

1. ब्रेकफास्ट स्किप करना बंद किया

पहले वह अक्सर सुबह का नाश्ता छोड़ देती थीं, जिससे दोपहर या शाम तक उन्हें इतनी तेज भूख लगती थी कि वह जरूरत से ज्यादा (Overeating) खा लेती थीं. अब उन्होंने सुबह उठने के एक घंटे के भीतर हेल्दी नाश्ता करना शुरू किया, जिससे उनकी भूख कंट्रोल में रही.

2. 'लिक्विड कैलोरी' से बनाई दूरी

चाय, कॉफी, पैकेज्ड फ्रूट जूस और मीठे ड्रिंक्स में बहुत ज्यादा कैलोरी होती है, जिस पर हमारा ध्यान नहीं जाता. कोच ने इन सब चीजों को छोड़कर पानी, ब्लैक कॉफी और सादी चाय को अपनी रूटीन में शामिल किया.

3. हेल्दी फूड की भी 'पोर्शन साइज' तय की

अक्सर लोग सोचते हैं कि मखाना, ड्राई फ्रूट्स या पीनट बटर हेल्दी हैं, तो इन्हें कितना भी खाया जा सकता है. लेकिन कोच ने महसूस किया कि जरूरत से ज्यादा खाने पर हेल्दी चीजें भी वजन बढ़ाती हैं. इसलिए उन्होंने हर चीज को सीमित मात्रा (Portion Control) में खाना सीखा.

4. सिर्फ कार्डियो नहीं, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग को चुना

वजन कम करने के लिए वह पहले केवल ट्रेडमिल पर घंटों दौड़ती रहती थीं (कार्डियो). लेकिन बदलाव तब आया जब उन्होंने वेट ट्रेनिंग (स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) शुरू की. इससे न सिर्फ उनका फैट बर्न हुआ, बल्कि बॉडी भी टोन हुई.

5. भरपूर नींद और तनाव से दूरी

देर रात तक जागना और तनाव (Stress) लेना, सीधे तौर पर अनहेल्दी फूड क्रेविंग्स को बुलावा देता है. कोच ने अपनी लाइफ में 7 से 8 घंटे की गहरी नींद को पहली प्राथमिकता बनाया, जिससे उनका स्ट्रेस कम हुआ और वजन घटने में मदद मिली।

दक्षिण भारत के किस राज्य में हैं सबसे ज्यादा हिल स्टेशन्स? केरल या कर्नाटक नहीं, ये राज्य है पहाड़ों का राजा!

जब भी भारत के खूबसूरत हिल स्टेशनों की बात होती है, तो केरल के मुन्नार या कर्नाटक के कूर्ग का नाम सबसे पहले ज़हन में आता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में सबसे मशहूर हिल स्टेशनों के लिए कौन सा राज्य जाना जाता है?

जब भी दक्षिण भारत के खूबसूरत हिल स्टेशनों की बात होती है, तो केरल का मुन्नार या कर्नाटक का कूर्ग सबसे पहले याद आते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दक्षिण भारत में सबसे मशहूर और अलग-अलग तरह के हिल स्टेशनों वाला राज्य तमिलनाडु को माना जाता है? पश्चिमी और पूर्वी घाट की पहाड़ियों के बीच बसा यह राज्य कई छोटे-बड़े हिल स्टेशनों का घर है. यहां का ठंडा मौसम, चाय के बागान, घने जंगल और मनमोहक घाटियां हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं. आइए जानते हैं कि तमिलनाडु को दक्षिण भारत में 'पहाड़ों का राजा' क्यों कहा जाता है...

1. ऊटी

ऊटी (उधगमंडलम) तमिलनाडु का सबसे मशहूर हिल स्टेशन है. नीलगिरी की पहाड़ियों में बसा यह शहर अपने सुहावने मौसम, चाय के बागानों, ऊटी झील और टॉय ट्रेन के लिए दुनिया भर में मशहूर है. यहां गर्मियों और सर्दियों, दोनों मौसमों में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं.

2. कोडैकनाल

'हिल स्टेशनों की राजकुमारी' के नाम से मशहूर कोडैकनाल अपनी झील, चीड़ के जंगलों, झरनों और खूबसूरत नज़ारों के लिए जाना जाता है. यहां का शांत माहौल इसे कपल्स और परिवार के साथ घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह बनाता है।

बिना बंदिशों वाला प्यार! जानें क्या है नया डेटिंग ट्रेंड 'Wildflowering', प्यार में क्यों जरूरी है एक-दूसरे की 'आजादी'?

'वाइल्डफ्लॉवर' यानी जंगली फूल, जो बिना किसी खास देखरेख या बंदिश के, अपनी मर्जी से कहीं भी खिलते हैं और खूबसूरत लगते हैं. ठीक इसी तरह, इस डेटिंग ट्रेंड का मतलब है ऐसा रिश्ता जहां दोनों पार्टनर्स एक-दूसरे पर कोई नियम या शर्तें नहीं थोपते.

आज के दौर में प्यार के मायने और रिश्ते निभाने के तरीके तेजी से बदल रहे हैं. 'सिटचुएशनशिप' (Situationship) और 'घोस्टिंग' (Ghosting) जैसे शब्दों के बाद, अब डेटिंग की दुनिया में एक नया ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है. इसे नाम दिया गया है 'Wildflowering' (वाइल्डफ्लॉवरिंग). अगर आसान शब्दों में कहें, तो यह एक ऐसा ट्रेंड है जो प्यार में किसी भी तरह की बंदिशों को पूरी तरह से खारिज करता है. यह रिश्ता खुलकर जीने, एक-दूसरे को स्पेस देने और बिना किसी दबाव के आगे बढ़ने का नाम है. आइए जानते हैं कि आखिर यह नया ट्रेंड क्या है और आज के युवा इसे रिश्ते के लिए इतना जरूरी क्यों मान रहे हैं.

रिलेशनशिप में क ?या है 'वाइल्डफ्लॉवर' ?

'वाइल्डफ्लॉवर' यानी जंगली फूल, जो बिना किसी खास देखरेख या बंदिश के, अपनी मर्जी से कहीं भी खिलते हैं और खूबसूरत लगते हैं. ठीक इसी तरह, इस डेटिंग ट्रेंड का मतलब है ऐसा रिश्ता जहां दोनों पार्टनर्स एक-दूसरे पर कोई नियम या शर्तें नहीं थोपते.

इसमें कपल्स एक-दूसरे के साथ तो रहते हैं, लेकिन अपनी पर्सनल लाइफ, करियर और दोस्तों के साथ समझौते किए बिना. यह ट्रेंड सिखाता है कि आप रिश्ते में रहकर भी अपनी व्यक्तिगत पहचान (Individuality) को न खोएं.

दरअसल, आज की जनरेशन विशेषकर त्नद्दठ्ठ" और मिलेनियल्स, रिश्तों में घुटन महसूस नहीं करना चाहती. उनके लिए प्यार जरूरी है लेकिन उसके साथ पर्सनल स्?पेस भी उतना ही जरूरी है. जानते हैं आखिर क्यों आज की जेनरेशन वाइल्डफ्लावरिंग को इतना अहमियत दे रही है.

इस ट्रेंड के तहत पार्टनर्स यह समझते हैं कि चौबीसों घंटे साथ रहना या हर बात की रिपोर्ट देना प्यार नहीं है. हर किसी को अपने लिए थोड़ा वक्त चाहिए होता है। बिना बंदिशों वाले प्यार की पहली शर्त है 'मजबूत भरोसा'. जब आप पार्टनर को पूरी आजादी देते हैं, तो रिश्ता शक के दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मैच्योर बनता है।

मैदा नहीं, गेहूं के आटे और ताजी मेथी से बनाएं परतदार खस्ता मठरी, इस खास ट्रिक से कई दिनों तक रहेगी कुरकुरी

अगर आप चाय के साथ कुछ कुरकुरा खाना चाहते हैं, लेकिन मैदे से बचना चाहते हैं, तो गेहूं के आटे और ताजी मेथी से बनी यह मठरी आपके लिए बेहतरीन विकल्प है. वर्षा भावसार की बताई साटा तकनीक से मठरी में कई परतें बनती हैं और यह लंबे समय तक खस्ता रहती है. इसमें मैदे की जगह गेहूं का आटा, सूजी और ताजी मेथी का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे स्वाद के साथ पोषण भी मिलता है. जानिए इस आसान रेसिपी का पूरा तरीका।

हर घर में चाय के साथ कुछ कुरकुरा खाने का मन जरूर करता है. बाजार से मिलने वाली मठरी स्वादिष्ट तो होती है, लेकिन उसमें मैदा और ज्यादा तेल होने की वजह से कई लोग उसे खाने से बचते हैं. अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं, तो अब घर पर गेहूं के आटे और ताजी हरी मेथी से बिल्कुल खस्ता और परतदार मठरी बना सकते हैं. यूट्यूबर वर्षा भावसार ने एक ऐसी आसान रेसिपी शेयर की है, जिसमें मैदे का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं होता. इसके बावजूद मठरी इतनी कुरकुरी बनती है कि हर कोई उसकी तारीफ करेगा.

इस रेसिपी की सबसे बड़ी खासियत साटा तकनीक है, जिसकी वजह से मठरी के अंदर कई परतें बनती हैं और वह लंबे समय तक कुरकुरी बनी रहती है. अगर आप सफर, बच्चों के टिफिन या शाम की चाय के लिए कोई हेल्दी स्नैक बनाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी जरूर आजमाएं.

क्यों खास है गेहूं और मेथी की यह मठरी

इस मठरी में मैदे की जगह गेहूं का आटा इस्तेमाल किया जाता है, जिससे यह ज्यादा पौष्टिक बनती है. ताजी हरी मेथी इसमें खुशबू और स्वाद दोनों बढ़ाती है. साथ ही सूजी मठरी को अतिरिक्त कुरकुरापन देती है. यही वजह है कि यह स्नैक स्वाद और सेहत का बेहतरीन मेल माना जा सकता है।

तंग गली हो या पहाड़! आसानी से पहुंचेगी DRDO की स्मार्ट रक्षिता बाइक एम्बुलेंस, जानें खासियत

दिल्ली पुलिस एक्सपो में DRDO इनमास और स्काईलाइन पावर सॉल्यूशंस की बाइक एम्बुलेंस रक्षिता लॉन्च किया गया है. तंग गलियों और पहाड़ी इलाकों में मरीजों तक तेजी से पहुंच सकेगी. यह बाइक एम्बुलेंस सिर्फ मरीज को ले जाने का साधन नहीं है, बल्कि इसमें बेसिक एम्बुलेंस जैसी कई सुविधाएं मौजूद हैं. जानें इसको बनाने का आइडिया और इसके फीचर्स क्या हैं?

देश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और तेज़ व प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल सामने आई है. दिल्ली में आयोजित पुलिस एक्सपो में ऐसी अनोखी बाइक एम्बुलेंस पेश की गई, जो उन जगहों तक भी आसानी से पहुंच सकती है जहां सामान्य एम्बुलेंस का पहुंचना लगभग नामुमकिन होता है. इस खास बाइक एम्बुलेंस का नाम रक्षिता रखा गया है।

इसे DRDO की इनमास यूनिट ने डिजाइन और विकसित किया है, जबकि इसका निर्माण स्काईलाइन पावर सॉल्यूशंस द्वारा किया जाएगा.

कैसे आया यह अनोखा आइडिया

प्रशांत अरोड़ा ने बताया कि इस बाइक एम्बुलेंस को बनाने का विचार तब आया जब CRPF और DRDO के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच चर्चा हुई कि दुर्गम और युद्ध जैसे हालात वाले इलाकों में घायल जवानों तक समय पर एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती. कई बार जवानों को स्ट्रेचर या कंधों के सहारे कई किलोमीटर तक ले जाना पड़ता है. इसी समस्या का समाधान खोजते हुए इस बाइक एम्बुलेंस को तैयार किया गया.

बेसिक एम्बुलेंस जैसी सभी सुविधाएं

यह बाइक एम्बुलेंस सिर्फ मरीज को ले जाने का साधन नहीं है, बल्कि इसमें बेसिक एम्बुलेंस जैसी कई सुविधाएं मौजूद हैं. इसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, IV फ्लूइड सपोर्ट, हेड इममोबिलाइजर, एयर स्प्लिंट और मल्टी पैरामीटर मॉनिटरिंग सिस्टम दिया गया है।

इससे मरीज की ऑक्सीजन, पल्स और ब्लड प्रेशर की निगरानी की जा सकती है. खास बात यह है कि यह डेटा नजदीकी हेल्थ सेंटर तक भी भेजा जा सकता है.

दिल्ली की तंग गलियों में बन सकती है गेम चेंजर

कंपनी का कहना है कि दिल्ली के चांदनी चौक, चावड़ी बाजार जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर जहां एम्बुलेंस पहुंचने में दिक्कत होती है, वहां यह बाइक एम्बुलेंस बेहद कारगर साबित हो सकती है।

गोल्डन ऑवर में मरीज तक पहुंचकर उसकी जान बचाने में यह बड़ी भूमिका निभा सकती है.

हिमालयी और पहाड़ी इलाकों के लिए भी उपयोगी

यह बाइक खासतौर पर पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों के लिए भी बेहद उपयोगी मानी जा रही है. कंपनी ने बताया कि इसे CRPF द्वारा कई बार इस्तेमाल किया जा चुका है और तीन साल की रिसर्च, टेस्टिंग और फीडबैक के बाद अब यह पूरी तरह तैयार है।

मां स्नेहलता दीक्षित की बर्थ एनिवर्सरी पर भावुक हुई माधुरी दीक्षित

हर दिन आपकी मौजूदगी महसूस होती है: माधुरी

मां संग यादों की तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने लिखा प्यारा सा नोट

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने अपनी मां स्नेहलता दीक्षित को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद किया और कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जब वह उनके बारे में न सोचती हों और ज़िंदगी के छोटे-छोटे पलों में उनकी मौजूदगी महसूस न करती हों।

माधुरी ने अपने स्टोरीज सेक्शन में अपनी और अपनी मां की तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे, आई। ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जब मैं आपके बारे में न सोचूं और जिंदगी के छोटे-छोटे पलों में आपकी मौजूदगी महसूस न करूं। आपका प्यार, हिम्मत और अपनापन हर दिन हमारा मार्गदर्शन करते हैं। आपकी हमेशा याद आती है और आज प्यार के साथ आपको याद कर रही हूं।'

दरअसल, माधुरी की मां, स्नेहलता दीक्षित का जन्म 27 जून को हुआ था। 12 मार्च, 2023 को मुंबई स्थित उनके घर पर 91 साल की उम्र में निधन हो गया था। एक्ट्रेस अक्सर अपनी मां को याद करती दिखती हैं। अपनी मां की बर्थ एनिवर्सरी पर भी एक्ट्रेस ने उनके साथ की कुछ खूबसूरत तस्वीरों के साथ एक प्यारा सा नोट भी लिखा।

करियर की बात करें तो, माधुरी को हाल ही में रिलीज 'मां बहन' में देखा गया था। इस डार्क कॉमेडी फिल्म को सुरेश त्रिवेणी ने नेटफिलक्स के लिए डायरेक्ट किया है। माधुरी के अलावा, फिल्म में तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज जैसे कलाकार भी हैं।

'मां बहन' रेखा नाम की एक मां के बारे में है, जो अपनी जिंदगी में कई चीजें संभाल रही होती है, तभी उसके सामने एक बड़ी मुश्किल आती है – उसके किचन में एक लाश। अपनी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ, इसको कैसे संभालती है, उसकी दिलचस्प कहानी दिखाई गई है।

59 साल की इस स्टार की हालिया फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में नागेश कुकुनूर द्वारा डायरेक्ट की गई ओटीटी सीरीज 'मिसेज देशपांडे' भी शामिल है। इसमें वह एक सीरियल किलर का किरदार निभाती नजर आई थीं। यह कहानी एक पुलिस वाले के बारे में है जो एक कॉपीकैट किलर के मामले की जांच करता है। अपराधों के रहस्य को सुलझाने के लिए, वे जेल में बंद उस सीरियल किलर से संपर्क करते हैं जिसके तरीकों की नकल की जा रही होती है।

एक्ट्रेस की बात करें तो, बॉलीवुड की बेहतरीन डांसर माधुरी 70 से ज्यादा हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और उन्हें पूरे देश में ऐसी स्टारडम मिली जिसने भारतीय पॉपुलर कल्चर को प्रभावित किया। उन्हें पुरुषों के दबदबे वाले इस इंडस्ट्री में अपने पुरुष साथियों के बराबर स्टारडम हासिल करने और लीड रोल निभाने का श्रेय दिया जाता है।

> "हैप्पी बर्थडे, आई। ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जब मैं आपके बारे में न सोचूं और जिंदगी के छोटे-छोटे पलों में आपकी मौजूदगी महसूस न करूं। आपका प्यार, हिम्मत और अपनापन हर दिन हमारा मार्गदर्शन करते हैं। आपकी हमेशा याद आती है और आज प्यार के साथ आपको याद कर रही हूं।"

यादों में मां...

करियर पर एक नजर

- माधुरी को हाल ही में रिलीज़ 'मां बहन' में देखा गया था। यह डार्क कॉमेडी फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।
- उन्होंने ओटीटी सीरीज 'मिसेज देशपांडे' में भी दमदार अभिनय किया, जिसमें वह एक सीरियल किलर के किरदार में नजर आईं।
- माधुरी 70 से ज्यादा हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और भारतीय पॉपुलर कल्चर को नई पहचान दी है।
- उन्हें इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए मजबूत और सम्मानजनक जगह बनाने का श्रेय दिया जाता है।

फैंस का प्यार और श्रद्धांजलि

माधुरी के इस पोस्ट पर फैंस और सेलेबिटीज ने मां-बेटी के रिश्ते को सबसे खूबसूरत बताया और स्नेहलता दीक्षित को श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया पर फैंस ने लिखा – "आपकी मां आपके संस्कारों में हमेशा जिंदा हैं।

सलमान खान को बांद्रा में छह मंजिला रिहायशी इमारत बनाने की मिली मंजूरी

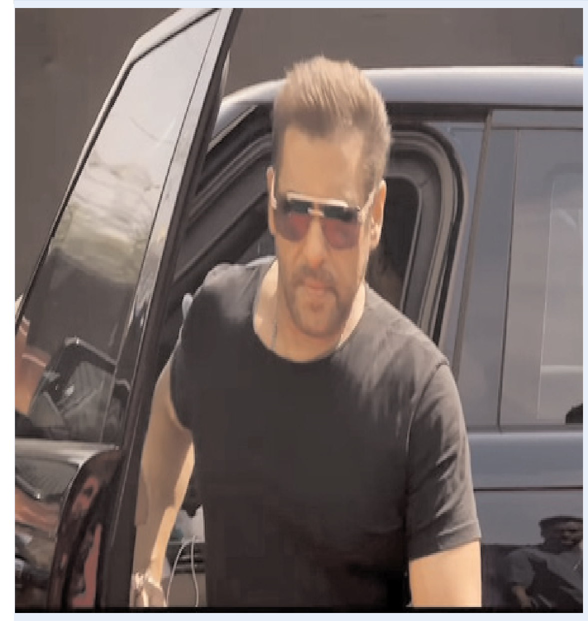

विश्व केसरी ■

मुंबई । बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान जल्द ही बांद्रा में अपने परिवार के लिए समुद्र के किनारे छह मंजिला नया घर बनाने जा रहे हैं। महाराष्ट्र कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी (एमसीजेडएमए) ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। यह प्लॉट एक्टर की मां के नाम पर रजिस्टर्ड है। यह नया घर बांद्रा के चिम्बाई इलाके में बनेगा, जो सलमान खान के मौजूदा घर 'गैलेक्सी अपार्टमेंट्स' से थोड़ी ही दूरी पर है। सलमान खान 1974 से गैलेक्सी अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं। गौरतलब है कि 2024 में, बाइक पर सवार दो हमलावरों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट्स के बाहर फायरिंग की थी। जांच में पता चला कि हमलावर बिश्नोई गैंग से जुड़े थे। इस घटना के बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई और उन्हें वाई प्लास सुरक्षा दी गई। जिस बालकनी से वे अपने फैंस का अभिवादन करते थे, उसे बुलेटप्रूफ ग्लास से सुरक्षित कर दिया गया है।

एमसीजेडएमए के सूत्रों के मुताबिक, नया घर सलमान खान की मां सलमा खान के नाम पर रजिस्टर्ड जमीन पर बनाया जाएगा। इस प्लॉट पर पहले 1956 से पहले बना एक दो-मंजिला घर था, जिसे खरीदने के बाद परिवार ने उसकी जर्जर हालत के कारण गिरा दिया था। नई इमारत में ग्राउंड फ्लोर, स्टिल्ट पार्किंग और छह मंजिलें होंगी। इसका कुल कंस्ट्रक्शन एरिया लगभग 1,014 वर्ग मीटर होगा। इस प्रोजेक्ट का निर्माण 'सच डेवलपर्स' द्वारा किया जाएगा। बीएमसी ने अक्टूबर 2025 में इस प्रोजेक्ट के लिए शुरुआती परमिट (आईओडी) जारी किया था।

खबर है कि निर्माण के दौरान कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा। इसके बजाय, परिसर और आसपास के इलाके में स्थानीय प्रजातियों के नए पेड़ लगाए जाएंगे। मुख्य सड़क से दूर एक शांत गली में स्थित यह नया घर सलमान खान और उनके परिवार को पहले से अधिक सुरक्षा और प्राइवेसी देगा। हालांकि, इस प्रोजेक्ट को लेकर सलमान खान या उनकी टीम की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हाल ही में सलमान खान ने फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत में वैध और अंतरिम निषेधाज्ञा की शीट पेश की है, जिसमें फिल्म के निर्माण, प्रचार और वितरण पर रोक लगाने की मांग की गई है।

फ्लॉप फिल्मों से सीखकर बनाया हिट फॉर्मूला, ऐसे चमका आनंद एल राय का करियर

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्देशक और निर्माता आनंद एल राय आज उन चुनिंदा फिल्मकारों में शुमार हैं जिन्होंने छोटे शहरों की कहानियों को बड़े पर्दे पर अलग अंदाज में पेश किया। 'तनु वेड्स मनु', 'रांझणा' और 'तेरे इश्क में' जैसी फिल्मों के लिए पहचान बनाने वाले आनंद एल राय की सफलता का सफर आसान नहीं रहा। शुरुआती दौर में उन्हें कई संघर्षों का सामना करना पड़ा।

28 जून 1971 को दिल्ली में जन्मे आनंद एल राय की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई भी दिल्ली में ही हुई। शुरुआत में उनका सपना फिल्म निर्देशक बनने का नहीं था। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इसके बाद एक आईटी कंपनी में नौकरी करने लगे।

हालांकि, नौकरी में उनका मन नहीं लगा और धीरे-धीरे उनका रुझान रचनात्मक दुनिया की ओर बढ़ने लगा। उनके बड़े भाई टीवी इंडस्ट्री में निर्देशक थे। वहीं से उन्हें भी टीवी शो में काम करने का अवसर मिला। इसी दौरान उन्होंने कैमरा, कहानी और निर्देशन की बारीकियां सीखीं। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। साल 2007 में उनकी पहली फिल्म 'स्ट्रेंजर्स' आई, जो एक थ्रिलर थी और हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रेंजर ऑन ए ट्रेन' से प्रेरित थी। लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद 2008 में आई उनकी फिल्म 'थोड़ा लाइफ थोड़ा मैजिक' भी दर्शकों को ज्यादा पसंद नहीं आई। लगातार दो फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद किसी भी निर्देशक के लिए टूट जाना आसान होता है।

'सीता' के रूप में मिली पहचान मेरा सबसे बड़ा सौभाग्य : दीपिका चिखलिया

विश्व केसरी ■

मुंबई । रामानंद सागर के ऐतिहासिक टेलीविजन सीरियल 'रामायण' में सीता की भूमिका को घर-घर लोकप्रिय करने वालीं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया का कहना है कि वह बेहद आभारी हैं और इसे अपना सबसे बड़ा आशीर्वाद मानती हैं कि तीन दशक से अधिक समय बाद भी उन्हें देवी सीता के रूप में पहचाना जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि तीन दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी दर्शकों का उन्हें सीता के रूप में याद रखना और प्यार करना उन्हें अपने भाग्य पर गर्व करने और अभिभूत होने का एहसास कराता है।

दीपिका चिखलिया इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'तेरा मेरा नाता' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान आईएएनएस से खास बातचीत करते हुए उन्होंने महाकाव्य 'रामायण' के प्रति लोगों के लगाव पर बात की। दीपिका ने कहा कि रामायण की सीख और संदेश हमेशा प्रासंगिक रहेंगे, यही वजह है कि हर पीढ़ी के लोग इससे गहराई से जुड़ते आए हैं।

आज भी सीता के रूप में याद किए जाने के बारे में पूछे जाने पर दीपिका ने कहा, 'ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला। लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया और स्वीकार किया। रामायण एक ऐसी कहानी है जो हर युग में नए अंदाज में सुनाई जा सकती है। पहले भी बनी है, आगे भी रहेगी, क्योंकि उसकी बुनियाद आस्था और मूल्यों पर टिकी हुई है।'

'रामायण' आज भी प्रासंगिक क्यों बनी हुई है, इस पर उन्होंने कहा, 'रामायण को दुनिया के बेहतर स्क्रीनप्ले में गिना जाता है। इसके हर किरदार में सीख है। राम एक आदर्श पुत्र, पति और भाई थे। सीता जी एक आदर्श पत्नी, बहू और बेटी थी। लक्ष्मण जी भी अपने कर्तव्य और समर्पण के प्रतीक थे। इस कहानी में सकारात्मकता है और इसीलिए लोग इसे बार-बार देखना और समझना चाहते हैं।'

बता दें कि मशहूर टीवी शो 'रामायण' में अरुण गोविल ने भगवान राम, सुनील लहरी ने लक्ष्मण, अरविंद त्रिवेदी ने रावण, दारा सिंह ने हनुमान और दीपिका चिखलिया ने माता सीता का किरदार निभाया था।

'रामायण' 80 के दशक का सुपरहिट शो था। फैंस इस शो को बहुत श्रद्धा से देखते थे, वे इन एक्टर्स को सचमुच देवता ही मानते थे और उनके सामने ऐसे प्रार्थना करते थे जैसे वे भगवान राम, लक्ष्मण और सीता से प्रार्थना कर रहे हों।

महेश भट्ट मेरे लिए पिता समान हैं, उनका नाम सुनते ही धुन बनने लगती है : अनु मलिक

विश्व केसरी ■

मुंबई । फिल्म निर्माता महेश भट्ट और मशहूर गायक-संगीतकार अनु मलिक एक बार फिर साथ आए हैं। दोनों आगामी स्टेज प्ले 'वो सुबह हम ही से आएगी' के जरिए दर्शकों के सामने नई प्रस्तुति लेकर आ रहे हैं।

महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत इस नाटक का प्रीमियर 5 जुलाई को मुंबई में होगा। इसका निर्देशन तारीकी हमीद ने किया है, जबकि इसकी कहानी दिनेश गौतम ने लिखी है। इसका संगीत अनु मलिक ने तैयार किया है।

'वो सुबह हम ही से आएगी' में खामोशी, दबी हुई भावनाएं, प्रेम और डर जैसे विषयों को केंद्र में रखा गया है। यह इस बात को सामने लाता है कि अपने सच का सामना करने के लिए कितने नैतिक साहस की जरूरत होती है।

अनु मलिक के साथ दोबारा काम करने को लेकर महेश भट्ट ने कहा कि कुछ रिश्ते योजनाबद्ध होते हैं, जबकि कुछ नियति का हिस्सा बन जाते हैं।

उन्होंने कहा, 'अनु और मैंने जिंदगी के कई दौर साथ बिताए हैं। हमारे बीच केवल पेशेवर रिश्ता नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव भी है। इस नाटक में उम्मीद, संघर्ष, चाहत और नए सिरे से शुरुआत जैसे भाव हैं, जिन्हें संगीत सहज रूप से अभिव्यक्त करता है। जैसे ही अनु इस कहानी से जुड़े, मुझे वही पुरानी ऊर्जा महसूस हुई।

बर्थडे स्पेशल : रॉकस्टार से बॉलीवुड के चार्टबस्टर किंग तक, विशाल ददलानी ने ऐसे शुरू किया सफर

विश्व केसरी ■

मुंबई। 28 जून 1973 को मुंबई के एक समृद्ध सिंधी हिंदू परिवार में जन्मे विशाल ददलानी का पालन-पोषण बांद्रा में हुआ। उनके पिता मोती ददलानी एक सफल बिल्डर थे, जिससे परिवार आर्थिक रूप से संपन्न था। हालांकि, विशाल स्वयं को बचपन में बेहद 'अशांत और विद्रोही' मानते रहे हैं।

हिल ग्रेंज हाई स्कूल और एचआर कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाले विशाल को संगीत का प्रारंभिक ज्ञान अपनी मां रेशमा ददलानी से मिला, जो अक्सर घर में मधुर आवाज में गुनगुनाया करती थीं। व्यावसायिक पृष्ठभूमि वाले परिवार से होने के बावजूद उन्होंने संगीत को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया, जिसने उनके जीवन को सकारात्मक और रचनात्मक दिशा दी।

वर्ष 1994 में गठित 'पेंटाग्राम' भारतीय रॉक बैंड ने भारतीय स्वतंत्र संगीत (इंडी रॉक) के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। वैकल्पिक रॉक से इलेक्ट्रॉनिक-रॉक की ओर बढ़ते हुए इस बैंड ने वर्ष 1996 में अपना पहला एल्बम 'वी आर नॉट लिशनिंग' जारी किया। कारगिल युद्ध के दौरान, पेंटाग्राम ने प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर और शास्त्रीय गायक शंकर महादेवन के साथ मिलकर भारत का पहला इंटरनेट-विशेष गीत 'द प्राइस ऑफ बुलेट' रिकॉर्ड किया। हालांकि, राजनीतिक रूप से संवेदनशील विषय होने के कारण कई टेलीविजन चैनलों ने इसका प्रसारण नहीं किया। वर्ष 2005 में पेंटाग्राम प्रतिष्ठित 'ग्लास्टनबरी संगीत समारोह' (यूके) में प्रदर्शन करने वाला पहला भारतीय बैंड बना। स्वतंत्र संगीत को बढ़ावा देने के लिए विशाल ददलानी ने वर्ष 2002 में विजय नायर के साथ मिलकर 'ओनली मच लाउडर' (ओएमएल) की सह-स्थापना की और वर्ष 2015 में अपना खुद का लेबल 'वीएलटी' (विशाल लाइक दिस) लॉन्च किया।

वर्ष 1999 में शेखर रवजियानी के साथ मिलकर बनी 'विशाल-शेखर' की जोड़ी ने बॉलीवुड संगीत के ढांचे को आधुनिक तकनीक से संवारा। फिल्म 'झंकार बीट्स' (2003) की सफलता ने उन्हें मुख्यधारा में स्थापित किया और प्रतिष्ठित आरडी बर्मन पुरस्कार दिलाया।

पिछले दो दशकों में उन्होंने 'ओम शांति ओम' (2007) और 'टाइगर जिंदा है' (2017) जैसी कई सफल फिल्मों के लिए लोकप्रिय संगीत तैयार किया। इसके अलावा उन्होंने इमोजेन हीप, डिप्लो और द वैम्प्स जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ भी काम किया, जिससे भारतीय संगीत की वैश्विक पहुंच और मजबूत हुई।

विशाल ददलानी के चर्चित गीतों में 'अजब सी' (ओम शांति ओम), 'जी ले जरा' (तलाश), 'शीला की जवानी' (तीस मार खां), 'छम्मक छल्लो' (रा.वन), 'जय जय शिवशंकर' और 'घुंघरू' (वॉर), 'झूमे जो पठान' (पठान), 'बेबी को बेस पसंद है' (सुल्तान), 'बिन तेरे' (आई हेट लव स्टोरीज़) और 'बॉयज आर बैक' (तारा रम पम) प्रमुख हैं।

हिंसा के कारण हैती में हजारों बेघर जरूरी सेवाएं भी बाधित : यूएन

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता अधिकारियों ने कहा है कि हैती के कई क्षेत्रों में प्रतिद्वंद्वी धड़ों के बीच बढ़ती सशस्त्र झड़पों के कारण हजारों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के अनुसार पिछले सप्ताह आर्टिबोनाइट विभाग में 2,600 से अधिक लोग विस्थापित हुए। इनमें से तीन-चौथाई से अधिक लोगों ने मार्चांद डेसालिन्स कम्यून में शरण ली।

ओसीएचए ने कहा, 'आर्टिबोनाइट विभाग में लगातार जारी हिंसा लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर रही है।' आईओएम के अनुसार, हैती के वेस्ट विभाग में 13 जून से सिटे सोलेइल में फिर से शुरू हुई सशस्त्र झड़पों के कारण 5,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। इससे पहले मार्च से मई के बीच भी सशस्त्र हिंसा से बचने के लिए हजारों लोग अपने घर छोड़ चुके थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ओसीएचए ने कहा कि लगातार जारी हिंसा के कारण स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं, विशेषकर महिलाओं और लड़कियों के लिए। हिंसा के चलते गैर-सरकारी संगठन डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) को 19 जून को सिटे सोलेइल स्थित अपने मातृत्व केंद्र की सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। इसके कारण पोर्ट- ओ-प्रिंस के सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में से एक में रहने वाली हजारों महिलाओं की मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बाधित हो गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए आने वाले घायल लोगों की संख्या भी बढ़ी है। आईओएम के अनुसार, पिछले महीने 25,500 से अधिक लोगों को जबरन वापस भेजा गया, जिससे इस वर्ष अब तक जबरन लौटाए गए लोगों की कुल संख्या 1,17,000 से अधिक हो गई है। इनमें 24 प्रतिशत महिलाएं और लगभग 8 प्रतिशत बच्चे हैं।

ओसीएचए ने कहा कि पहुंच संबंधी गंभीर बाधाओं के बावजूद वह अपने मानवीय सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन करने और प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने का काम जारी रखे हुए है। उसने यह भी बताया कि वर्ष 2026 के लिए हैती की 88 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता अपील को अब तक केवल 27 प्रतिशत ही वित्तीय सहायता मिल पाई है।

दक्षिण कोरिया का दावा, 'हमारी हवाई सीमा में दाखिल हुए चीन-रूस के विमान'

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने शनिवार को बताया कि लगभग 10 चीनी और रूसी सैन्य विमान संक्षिप्त रूप से देश के पूर्वी और दक्षिणी समुद्री क्षेत्रों के ऊपर स्थित कोरिया एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (केएडीआईजेड) में दाखिल हुए और फिर बाहर निकल गए।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के हवाले से बताया कि चीनी और रूसी सैन्य विमान क्रमवार तरीके से एयर डिफेंस जोन में प्रवेश करने के बाद वापस लौट गए। बताया गया है कि इनमें बमवर्षक और लड़ाकू विमान शामिल थे, हालांकि उन्होंने दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया।

दक्षिण कोरियाई सेना ने विमानों के केएडीआईजेड में प्रवेश करने से पहले ही उनकी पहचान कर ली और किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए वायुसेना के लड़ाकू विमान तैनात कर दिए।

जानकारी के अनुसार, एयर डिफेंस जोन वास्तविक संप्रभु हवाई क्षेत्र नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां विदेशी विमानों से पहचान सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि किसी भी अनजाने टकराव से बचा जा सके।

जेसीएस के एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना संभवत: दोनों देशों के बीच चल रहे संयुक्त हवाई अभ्यास के दौरान हुई है।

पिछले वर्ष (9 दिसंबर 2025) की घटना के बाद ये एक और घटना है, जब चीन और रूस के नौ सैन्य विमान केएडीआईजेड में प्रवेश कर गए थे, जिसके बाद सोल ने दोनों देशों के रक्षा प्रतिनिधियों से औपचारिक विरोध दर्ज कराया था।

तब दो चीनी सैन्य विमान और सात रूसी विमान दक्षिण कोरिया के पूर्वी और दक्षिणी समुद्री क्षेत्रों के ऊपर थोड़े समय के लिए दाखिल हुए और फिर बाहर निकल गए थे। इस घटना के बाद किसी भी संभावित अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए दक्षिण कोरियाई सेना ने अपने वायुसेना के लड़ाकू विमान तुरंत तैनात कर दिए थे।

2019 से अब तक, दोनों देशों ने संयुक्त अभ्यासों के दौरान बिना पूर्व सूचना के वर्ष में एक या दो बार अपने सैन्य विमान केएडीआईजेड में भेजे हैं।

शोएब अख्तर के बड़े भाई के जनाजे में शामिल हुआ लश्कर आतंकी सैफुल्लाह कसूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के जनाजे पर विवाद खड़ा हो गया है। अंतिम संस्कार में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के उपप्रमुख सैफुल्लाह कसूरी समेत संगठन के कई वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया है।

शाहिद अख्तर का 24 जून को निधन हो गया और उन्हें इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में सैफुल्लाह कसूरी और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई अन्य लोग अंतिम संस्कार की नमाज में मौजूद दिखाई दिए।

समारोह में देखे गए लोगों में पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के अध्यक्ष इनाम उर रहमान भी थे, जिसे बड़े पैमाने पर लश्कर-ए-तैयबा का पॉलिटिकल फ्रंट माना जाता है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने इजरायल के साथ हुए समझौते को बताया संप्रभुता बहाली की शुरुआत

विश्व केसरी

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने शुक्रवार को वॉशिंगटन में हुए लेबनान-इजरायल फ्रेमवर्क समझौते को देश की पूर्ण संप्रभुता बहाल करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रक्रिया को पूरा होने तक निरंतर प्रयास करती रहेगी।

लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में आउन ने कहा कि यह समझौता विस्थापित लेबनानी नागरिकों की अपने घरों और जमीन पर वापसी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लेबनान अब किसी भी प्रकार के कब्जे को स्वीकार नहीं करेगा।

राष्ट्रपति आउन ने वार्ता की मेजबानी और मध्यस्थता के लिए अमेरिका का आभार जताया। उन्होंने उन अरब और मित्र देशों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने पूरी प्रक्रिया के दौरान लेबनान का समर्थन किया। इस समझौते का हिज्बुल्लाह ने कड़ा विरोध किया है। संगठन के सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि हिजबुल्लाह इस फ्रेमवर्क को लागू करने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा और अपने हथियार नहीं छोड़ेगा। फदलल्लाह ने कहा कि हिज्बुल्लाह के करीबी सहयोगी ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक इजरायल पूरी तरह लेबनानी क्षेत्र से पीछे नहीं हटता, तब तक तेहरान वॉशिंगटन के साथ किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। इजरायल और लेबनान के बीच हुआ यह फ्रेमवर्क समझौता दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे विवादों को सुलझाने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है। इजरायल के सरकारी प्रसारक कान टीवी के अनुसार, समझौते के तहत एक पायलट कार्यक्रम के अंतर्गत इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के दो क्षेत्रों से पीछे हटेगी।

समझौते में दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह की सुरंगों और संगठन की बढ़ती सैन्य ताकत से निपटने के लिए भी एक साझा रूपरेखा तय की गई है। इस बीच, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा कि जब तक हिज्बुल्लाह अपने हथियार नहीं छोड़ता, तब तक इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में अपने नियंत्रण वाले 'सुरक्षा क्षेत्र' में तैनात रहेगी।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की ज्यादती के खिलाफ प्रदर्शन

विश्व केसरी

एम्स्टर्डम। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की ज्यादतियों और मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ नीदरलैंड्स की राजधानी एम्स्टर्डम में 'फ्री बलूचिस्तान मूवमेंट' (एफबीएम) ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दशकों से जारी हिंसा और अत्याचार के खिलाफ न्याय की मांग की।

यह प्रदर्शन शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के 'यातना पीड़ितों के समर्थन में अंतरराष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर डैम स्क्वायर में आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बलूचिस्तान के लोगों के खिलाफ कथित 'व्यवस्थित और लंबे समय से अनदेखे' अत्याचार को उजागर किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को प्रदर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए एफबीएम के सदस्य असद बलोच ने कहा, 'प्रदर्शनकारियों ने बलूच छात्रों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के कथित अपहरणों की निंदा की, जो बिना किसी मुकदमे, आरोप या जानकारी के लापता हो जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'कई परिवार वर्षों से, और कुछ मामलों में दशकों से, अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।' प्रदर्शनकारियों ने 'दमनकारी तंत्र' जैसे कथित टॉर्चर सेल, न्यायेतर हत्याओं और मनमानी हिरासतों की भी निंदा की और कहा कि ये घटनाएं अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक लंबे पैटर्न का हिस्सा हैं।

डेनमार्क में 150 साल का रिकॉर्ड टूटा 1874 के बाद सबसे अधिक तापमान दर्ज

विश्व केसरी

कोपेनहेगन/लंदन/बुखारेस्ट। यूरोप के कई देश तप रहे हैं और डेनमार्क ने शनिवार को अपना अब तक का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया है। डेनमार्क मौसम विज्ञान संस्थान (डीएमआई) के अनुसार उत्तरी ओडेंस के पास तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो 1874 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से सबसे गर्म दिन है।

संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '36.6 डिग्री सेल्सियस के साथ हमने अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया है, और दिन अभी खत्म नहीं हुआ है।' इसी बीच, लंदन के हीथ्रो और गैटविक हवाई अड्डों पर 700 से अधिक उड़ानें बाधित हुई हैं। उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, हीथ्रो से आने-जाने वाली 379 और गैटविक से संबंधित 385 उड़ानें प्रभावित हुई हैं। हीथ्रो पर 68 और गैटविक पर 31 उड़ानें रद्द भी की गई हैं।

गैटविक एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि नेटवर्क में रात भर आए तूफान के कारण अस्थायी एयर ट्रैफिक प्रतिबंध लगाए गए, जिससे उड़ानों में देरी हुई और उन्हें रद्द कर दिया गया। यूरोप के मध्य और पूर्वी हिस्सों में भी हीटवेव काफी तेज है। रोमानिया ने रेड अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी है कि सोमवार से बुधवार तक लगभग पूरे देश में भीषण गर्मी रहेगी। स्लोवाकिया में भी इसी तरह की चेतावनी जारी की गई है। यहां मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार रात अब तक की सबसे गर्म रात रही, जब तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया।

चेक गणराज्य, हंगरी और मोल्दोवा में भी उच्चतम स्तर की चेतावनी जारी की गई है, जबकि बाल्कन क्षेत्र के देश आने वाले दिनों में गंभीर गर्मी के लिए तैयार हैं।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप : अब तक 709 बच्चों ने गंवाई जान

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में खसरा और खसरा जैसे लक्षणों से पिछले 24 घंटों में सात और बच्चों की मौत हो गई है, जिससे देश में कुल संदिग्ध और कन्फर्म मौतों का आंकड़ा बढ़कर 709 हो गया है। बांग्लादेश की समाचार एजेंसी यूएनबी ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के हवाले से बताया कि सात बच्चों में से एक की मौत का कारण खसरा था, जबकि छह मामलों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है।

नवीनतम आंकड़ों के बाद संदिग्ध खसरा मौतों की संख्या बढ़कर 615 हो गई है, जबकि लैब टेस्ट के जरिए कंफर्म मौत का आंकड़ा 94 तक पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में 744 नए संदिग्ध मामले दर्ज किए गए, जिससे देशभर में कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 98,266 हो गई है। वहीं, अवधि में 45 नए (कंफर्म) मामले सामने आए, जिससे कुल प्रयोगशाला-प्रमाणित संक्रमण 11,594 तक पहुंच गए हैं। बांग्ला ट्रिब्यून के अनुसार, मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में इलाज के दौरान 24 घंटों (शुक्रवार से शनिवार सुबह 8 बजे के बीच) में चार बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस सरकारी अस्पताल में मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 58 हो गई है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सक डॉ. झंटू सरकार ने शनिवार सुबह चार बच्चों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि 8 महीने, 4 महीने के 2, और तीन महीने के एक बच्चे को मिलाकर कुल 4 बच्चों को बचाया नहीं जा सका। डॉक्टर ने बताया कि मृतक बच्चों में खसरे के लक्षणों के साथ-साथ निमोनिया सहित कई अन्य बीमारियां भी थीं।

संयुक्त राष्ट्र ने होर्मुज स्ट्रेट को 'खुला' रखने की अपील की

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में टकराव की खबरों के बीच यूएन ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा है कि संगठन को उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को 'सतत रूप से खुला' रखा जाएगा।

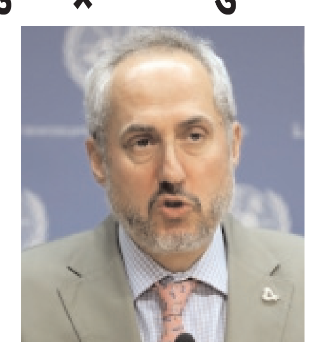

उन्होंने यह बात न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। दुजारिक ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि सभी पक्ष हर उस समझौते का पालन करें, जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह भी जरूरी है कि सभी संबंधित पक्ष व्यापक हितों पर ध्यान केंद्रित रखें,' जिसमें क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के साथ-साथ नाविकों की भलाई भी शामिल है। हजारों-हजार पुरुष और महिलाएं जहाजों पर फंसे हुए हैं, जिन पर हम सभी उन वस्तुओं के लिए निर्भर हैं जिनका हम रोजाना उपभोग करते हैं।' 25 जून को सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने ड्रोन हमला किया था। इसके जवाब में अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा,' ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई।'

दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

शनिवार को ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी मेहर ने होर्मोजगान के पूर्वी क्षेत्र में बंदरगाह प्राधिकरण के प्रमुख के हवाले से कहा कि सिरिक बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों के बाद किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है।

इस बीच, अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी लॉबिंग संगठन नेशनल ईरानी-अमेरिकन काउंसिल (एनआईएसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर हुए हमले और इसके जवाब में अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए सैन्य हमलों पर गहरी चिंता जताई है। संगठन ने कहा कि वह इन घटनाओं से 'निराश और चिंतित' है। एनआईएसी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, 'अमेरिका और ईरान ने कूटनीतिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों देशों को अपने मतभेद सुलझाने के लिए बमों का नहीं, बल्कि कूटनीतिक माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए।'

जिस बलूच एक्टिविस्ट को पाकिस्तान में मिली उम्र कैद की सजा, वो नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

विश्व केसरी

क्वेटा। हाल ही में पाकिस्तानी अदालत ने बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्र कैद की सजा सुनाई। पूरी दुनिया में इस ज्यादती के खिलाफ आवाज बुलंद की जा रही है। इस कार्यकर्ता को दूसरी बार प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है।

मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने इसकी घोषणा की। यह घोषणा शुक्रवार देर रात ऐसे समय में की गई, जब कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी की हत्या से जुड़े मामले में महरंग बलोच सहित चार कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आलोचना हुई थी। बीवाईसी ने एक बयान में कहा, 'यह नामांकन जनवरी 2026 में हुआ था, लेकिन संगठन की नीति के तहत इसे उस समय सार्वजनिक नहीं किया गया। आज इस तथ्य को सार्वजनिक करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि जिस व्यक्ति को पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद के झूठे और निराधार आरोपों के जरिए दंडित करने की कोशिश की, उसी व्यक्ति को दुनिया अब शांति, न्याय और मानवाधिकारों के संघर्ष के प्रतीक के रूप में पहचान रही है।' संगठन ने कहा कि महरंग बलोच का दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित होना इस बात का प्रमाण है कि बीवाईसी का संघर्ष पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और मानवाधिकारों के सिद्धांतों पर आधारित है। वहीं, संगठन के नेताओं के खिलाफ राज्य की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध और दमन को दर्शाती है। बीवाईसी ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याओं और सैन्य अभियानों के खिलाफ आवाज उठाने वाले कई बलूच नेताओं के खिलाफ मनगढ़ंत एफआईआर, बेबुनियाद आरोप और अपारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं।

बातचीत का सम्मान नहीं करता अमेरिका, युद्धविराम तोड़कर दिखाई अपनी मंशा : इब्राहिम अजीजी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ईरान की इस्लामिक कंसल्टेटिव असेंबली के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने कहा कि बातचीत के बीच अमेरिका का हमला बताता है कि युद्धविराम के सिद्धांतों का सम्मान नहीं करता। अजीजी ने दावा किया कि इस कदम पर अमेरिका को आखिरकार पीछे हटना पड़ेगा और पछताना भी पड़ेगा।

ईरान की इस्लामिक कंसल्टेटिव असेंबली के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'एक बार फिर बातचीत के बीच अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें बातचीत और युद्धविराम के सिद्धांतों का कोई सम्मान नहीं है।' इब्राहिम अजीजी ने कहा कि यकीनन, अमेरिका की ओर से युद्धविराम का यह लापरवाही भरा उल्लंघन हमेशा की तरह आखिरकार उनके लिए पीछे हटने और पछताने की वजह बनेगा। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक मालवाहक जहाज पर तेहरान के हमले के बाद, ईरानी सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते के बाद से यह वॉशिंगटन की पहली सैन्य कार्रवाई है। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि ईरान ने 25 जून को एम/वी एवर लवली को वन-वे अटैक ड्रोन से निशाना बनाया था, जिसके बाद हमलों में ईरानी मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज साइट्स के साथ-साथ तटीय रडार इंस्टॉलेशन को भी निशाना बनाया गया। जहाज ओमानी तट के साथ होर्मुज स्ट्रेट से बाहर निकल रहा था, जब उस पर हमला हुआ।

सेंटकॉम ने कहा कि 26 जून को ईरान के खिलाफ हमले किए गए, जो होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एक कमर्शियल जहाज पर किए गए हमले का जोरदार जवाब था।

पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाएं : ज्योतिरादित्य सिंधिया

विश्व केसरी

गुना। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आह्वान किया है कि पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाएं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया मध्य प्रदेश के गुना संसदीय क्षेत्र से सांसद हैं, और वे शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने गुना जिले के कांजा ग्राम स्थित कूनो नदी उद्गम स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत 700 पौधों का रोपण किया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है और प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान देशभर में जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व, प्रकृति और भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता का भी प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने ग्राम चिनेरा में 17.98 लाख की लागत से निर्मित चेक डैम का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं का निर्माण और जल स्त्रोतों का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध भारत की मजबूत आधारशिला है। सिंधिया ने खुटियावाड़ में सनगार्नर के सोलर प्लांट का उद्घाटन किया जिसकी लागत 20 करोड़ है और जो 4.5 मेगावाट की क्षमता के साथ 75 लाख यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेगा। सिंधिया ने कहा कि आत्मनिर्भरता और सौर ऊर्जा के संकल्प को साकार करने की दिशा में ये प्लांट महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन आवश्यक है। जल संरक्षण, हरित आवरण का विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन ही सतत विकास का आधार हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया।

पहाड़ी मंदिर में बंदरों के झुंड से बचने की कोशिश में नवविवाहिता की गिरकर मौत

थूथुकुडी। दक्षिणी तमिलनाडु के सबसे पवित्र पहाड़ी मंदिरों में से एक की तीर्थयात्रा शनिवार को एक दुखद घटना में बदल गई। पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर में 24 साल की एक नवविवाहित महिला बंदरों के झुंड से बचने की कोशिश कर रही थी, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। थूथुकुडी जिले के साउथ थिट्टनकुलम की रहने वाली अनीता ने सिर्फ एक महीने पहले ही सुरेश से शादी की थी। सुरेश विदेश में नौकरी करते थे और हाल ही में अपने घर लौटे थे। दोनों ने काजुगुमलाई के मशहूर कलुगासलामुर्थी मंदिर में पूजा करने का फैसला किया। मुख्य मंदिर में पूजा करने के बाद दोनों पहाड़ी की चोटी पर बने उचिप्पिल्लयार मंदिर पहुंचे। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, जब यह पति-पत्नी बंदरों को फल खिला रहा था, तो अचानक बहुत सारे बंदर उनके आस-पास जमा हो गए।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बहु-एजेंसी आतंकवाद-रोधी मॉक ड्रिल, सुरक्षा तैयारियों का लिया गया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित दिल्ली एयरपोर्ट पर विमानन सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा किसी भी संभावित आतंकवादी खतरे से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से एक व्यापक आतंकवाद-रोधी (काउंटर-टेररिस्ट) मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई। यह अभ्यास बीएसएफ हैंगर, दिल्ली एयरपोर्ट पर किया गया, जिसमें विभिन्न सुरक्षा और आपातकालीन एजेंसियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया।

इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य पहले से निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता को परखना, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, वास्तविक समय में संकट प्रबंधन की क्षमता को मजबूत करना और विमानन सुरक्षा से जुड़े उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सामूहिक तैयारियों को और सुदृढ़ बनाना था। अभ्यास के दौरान संभावित आतंकवादी हमले और उससे उत्पन्न आपात स्थिति से निपटने के विभिन्न परिदृश्यों का अभ्यास किया गया। इसमें सुरक्षा बलों की त्वरित प्रतिक्रिया, यात्रियों की सुरक्षा, क्षेत्र की घेराबंदी, संदिग्ध वस्तुओं की जांच, बम निरोधक कार्रवाई तथा आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसी प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया।

संक्षिप्त खबर

विरार में महिला से गैंगरेप, तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

विश्व केसरी

विरार। विरार वेस्ट के डोंगरपाड़ा इलाके में 40 साल की महिला के गैंगरेप का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद लोगों और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 24 जून को रात 2:46 बजे से तड़के 4:30 बजे के बीच हुई। शिकायत करने वाली महिला का आरोप है कि तेजस, दीपक और एक अज्ञात साथी ने मिलकर यह अपराध किया। आरोप है कि वे उसे डोंगरपाडा की एक सुनसान गली में ले गए और उससे गैंगरेप किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर शुरुआत में विरार पुलिस स्टेशन में तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70(1) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। चूंकि यह घटना बोलिंज पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसलिए मामले को आगे की जांच के लिए वहां ट्रांसफर कर दिया गया है। पुलिस अधिकारी फिलहाल इस मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। कुछ माह पूर्व महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण की रहने वाली 17 साल की एक लड़की के साथ सात लोगों ने पांच महीने तक रेप किया। इन सभी आरोपियों की उम्र 20 से 30 साल के बीच थी। अधिकारियों ने बताया था कि यह शोषण तब शुरू हुआ जब उनमें से एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उससे दोस्ती की। यह अपराध तब सामने आया, जब पीड़िता के परिवार को उसके आपत्तिजनक वीडियो ऑनलाइन फैलते हुए मिले। सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

मुंबई के मोहर्रम जुलूस में संदिग्ध टैबलेट बांटने वाला व्यक्ति हिरासत में

विश्व केसरी

मुंबई। मुंबई के भायखला इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मोहर्रम के जुलूस के दौरान लोगों के बीच संदिग्ध टैबलेट वितरित करने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। घटना शुक्रवार को रे रोड स्थित भायखला क्षेत्र में आयोजित अशूरा के जुलूस के दौरान हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी बिना किसी चिकित्सकीय पर्ची के लोगों के बीच कैप्सूल और टैबलेट बांट रहा था। मामले का खुलासा तब हुआ, जब टैबलेट का सेवन करने वाले एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ गई। मुंबई पुलिस के मुताबिक टैबलेट खाने के बाद संबंधित व्यक्ति को उल्टी और बेचैनी की शिकायत हुई। सूचना मिलते ही भायखला पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि वह जो टैबलेट बांट रहा था, वे सामान्य दर्द निवारक (पेनकिलर) दवाएं थीं, हालांकि पुलिस ने इस दावे को अंतिम रूप से स्वीकार नहीं किया है और टैबलेट की वास्तविक प्रकृति की जांच कराई जा रही है। मुंबई पुलिस ने बताया कि भायखला पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते टैबलेट का आगे वितरण रोक दिया गया।

भोपाल मंडल के स्टेशनों और ट्रेनों में चलेगा पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

विश्व केसरी

भोपाल। बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए राष्ट्रव्यापी पल्स पोलियो अभियान रविवार, 28 जून से शुरू हो रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के स्टेशनों और ट्रेनों में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

भोपाल रेल मंडल के डीआरएम पंकज त्यागी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अजय डोगरा ने 28, 29 और 30 जून को विशेष पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के लिए तमाम अधिकारियों और कर्मचारियो को निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक भोपाल मंडल में कुल 22 पोलियो टीकाकरण बूथ स्थापित किए गए हैं। रेलवे की ओर से दी गई आधिकारिक तौर पर बताया गया है कि मंडल के प्रमुख स्टेशनों भोपाल, इटारसी, बीना, गुना, गंजबासौदा सहित अन्य रेलवे स्टेशनों पर टीकाकरण बूथ संचालित किए जाएंगे, जहां शून्य से पांच वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। यात्रियों और रेल कर्मचारियों की बच्चों तक अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष मोबाइल टीमें भी गठित की गई हैं। ये टीमें बीना दिशा में संचालित झेलम एक्सप्रेस, पंजाब मेल, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस एवं राजकोट एक्सप्रेस तथा इटारसी दिशा में संचालित कर्नाटक एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस व उज्जैन दिशा में संचालित मालवा एक्सप्रेस सहित अलग-अलग ट्रेनों में यात्रा कर रहे बच्चों को चलती ट्रेनों में पोलियो की दवा पिलाएंगी।

इसके अतिरिक्त, मंडल के विभिन्न स्टेशनों व रेलवे कॉलोनियों में रहने वाले रेल कर्मचारियों और आसपास के परिवारों के बच्चों की सुविधा के लिए पैसेंजर ट्रेनों व रेलवे कॉलोनियों में भी विशेष टीकाकरण व्यवस्था की गई है। पैसेंजर ट्रेनों के माध्यम से प्रत्येक स्टेशन पर रुक-रुक कर बच्चों को पोलियो की खुराक प्रदान की जाएगी।

रेल प्रशासन ने अपील की है कि वे अपने शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को इस अभियान के दौरान पोलियो की दवा अवश्य पिलवाएं और स्वस्थ व पोलियो मुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर पवन खेड़ा का हमला, बोले-यह आस्था और विश्वास की डकैती

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राम मंदिर चढ़ावा मामला समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। आईएएनएस से बातचीत करते हुए पवन खेड़ा ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर कहा कि चंपत राय संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे हैं और नृपेंद्र मिश्रा प्रधानमंत्री कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं। इसका मतलब मंदिर की देख-रेख संघ और पीएमओ की ओर से की जाती थी। अब उसकी हालत यह है कि लूट की जा रही है।

पवन खेड़ा ने कहा कि यह पैसे, आभूषणों, सोने और चांदी और जमीनों की डकैती नहीं है। यह आस्था और विश्वास की डकैती है। विश्वास की डकैती बहुत महंगी होती है। इनसे क्या उम्मीद की जा सकती है? इन्हें ट्रस्ट भंग कर देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच कराएं और कितना भी बड़ा दोषी हो, उसको सजा दिलाएं।

गाजा के हालात पर सोनिया गांधी के लेख पर पवन खेड़ा ने कहा कि बहुत व्यथित मन से हम लोगों की ओर से बार-बार सवाल उठाया जाता है और सोनिया गांधी की ओर से पहले भी इस मामले में लिखा गया है। इस तरह से मुद्दों पर इतिहास में भारत की जो भूमिका रही है। विशेष रूप से फिलीस्तीन को लेकर उससे बहुत दूर सरकार देश को लेकर आई है। पूरे विश्व में भारत की एक पहचान थी कि इंसाफ और न्याय की बात कोई देश करता है तो वो भारत है।

पवन खेड़ा ने कहा कि सोनिया गांधी की ओर से लिखा गया, इससे पहले पूरा विश्व भी गाजा को लेकर सवाल उठा रहा है। उन्होंने इससे पहले भी लिखा था। गाजा में बच्चों के शवों के टुकड़े हमने देखे हैं। उन बच्चों की कुछ हफ्तों की उम्र रही होगी। उन बच्चों का जंग से क्या लेना-देना था? ऐसा दृश्य किसी हिंदू ने भी देखा तो उसको भी बुरा लगा।

पत्नी और दो बेटों की हत्या करने के बाद ट्रेन के सामने कूदकर युवक ने किया सुसाइड

विश्व केसरी

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी और दो छोटे बेटों की हत्या कर दी और फिर चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

शुरुआती जांच से पता चला है कि पति-पत्नी के बीच पिछले एक महीने से झगड़ा चल रहा था, लेकिन जांच करने वाले किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

यह भयानक घटना शुक्रवार देर रात बसैया पुलिस स्टेशन इलाके के किशनपुर गांव में हुई। आरोप है कि बलराम सिंह कुशवाहा ने कथित तौर पर अपनी पत्नी रविता कुशवाहा (32) और अपने दो बेटों, आरव (8) और देबू (5) की घर के अंदर हत्या कर दी और फिर पास के शिकारपुर रेलवे क्रॉसिंग पर भाग गया, जहां उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, बलराम ने सबसे पहले अपनी पत्नी पर हमला किया, जब वह घर के आंगन में सो रही थी। उसने कुल्हाड़ी से उस पर कई बार वार किया और फिर वही हथियार दोनों बच्चों पर भी चलाया। सिर पर कई चोटें लगने के कारण तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पूरी रात किसी को इन हत्याओं का पता नहीं चला, क्योंकि घर के चारों ओर ऊंची चारदीवारी थी।

शनिवार सुबह पड़ोसियों को शक हुआ, जब उन्होंने देखा कि मुख्य गेट बाहर से बंद है। उन्होंने घर के अंदर देखा और शव मिलने पर पुलिस को सूचना दी। हत्या करने के तुरंत बाद बलराम शिकारपुर रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचा और वहां से गुजर रही ट्रेन के सामने कूद गया। बाद में रेलवे अधिकारियों ने पटरी से उसका शव बरामद किया और स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

बसैया पुलिस स्टेशन के इंचार्ज विवेक तोमर ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा, 'शव घर के अंदर मिले। क्राइम सीन को सुरक्षित किया गया, सबूत इकट्ठा किए गए और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।' डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस विजय भदौरिया ने बताया कि एफएसएल की टीम ने क्राइम सीन का निरीक्षण किया और फोरेंसिक सबूत इकट्ठा किए। उन्होंने कहा, 'हम घटनाक्रम को फिर से समझने की कोशिश कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

'हम बात करेंगे अपने हिंदुस्तान की, अपने हिंदुस्तान के विकास की', सोनिया गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार

विश्व केसरी

हैदराबाद। गाजा और इजरायल को लेकर कांग्रेस राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी की टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता मनमीत सिंह ने सोनिया गांधी के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता भारत और देश का विकास है, न कि दूसरे देशों के मुद्दों पर राजनीति करना।

मनमीत सिंह ने आईएएनएस से कहा कि सोनिया गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि केंद्र सरकार गाजा और इजरायल के मुद्दे पर खुलकर क्यों नहीं बोलती, तो मैं बता दूं कि भारत सरकार का पूरा ध्यान देश के विकास और देशवासियों के हितों पर है।

उन्होंने कहा, 'हम बात करेंगे अपने हिंदुस्तान की, अपने हिंदुस्तान के विकास की। भारत के विकास से जुड़े विषय हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। हम इजरायल और फिलिस्तीन के मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय अपने देश के हितों को प्राथमिकता देते हैं। वे अपना काम कर रहे हैं और हम अपना काम कर रहे हैं।'

भाजपा नेता ने कहा कि हमारी मानसिकता अलग है और सोनिया गांधी की मानसिकता अलग है।' मनमीत सिंह ने कांग्रेस पर विभाजन की राजनीति करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा समाज को बांटने की राजनीति की है।

उन्होंने कहा, 'सोनिया गांधी ने हमेशा विभाजन की राजनीति की है। उनसे पहले इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और राजीव गांधी ने भी इसी तरह की राजनीति की। कांग्रेस का इतिहास लोगों को जोड़ने के बजाय बांटने की राजनीति का रहा है।'

मनमीत सिंह ने दोहराया कि मोदी सरकार का पूरा फोकस भारत को आगे बढ़ाने, विकास कार्यों को गति देने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने पर है। केंद्र सरकार देश के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। बता दें कि एक लेख में कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने कहा कि गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ दुनियाभर में राय बनने के बावजूद भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कोलकाता पुलिस ने रंगदारी और छेड़छाड़ के आरोपी तृणमूल के पूर्व पार्षद को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने जबरन वसूली और छेड़छाड़ के आरोप में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के तृणमूल कांग्रेस के एक और पूर्व पार्षद को गिरफ्तार किया है।

संतोषपुर में कालीकुमार मजूमदार रोड निवासी तृणमूल नेता तारकेश्वर चक्रवर्ती दक्षिण कोलकाता के सर्वे पार्क इलाके में केएमसी के वार्ड नंबर 104 के पार्षद थे। इसके अलावा, तारकेश्वर केएमसी के बोरो नंबर 11 के चेयरमैन भी थे। पुलिस ने तारकेश्वर को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, सर्वे पार्क पुलिस स्टेशन में तारकेश्वर के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज थीं। पहली एफआईआर में तृणमूल नेता पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, तारकेश्वर पर काम में गैर-कानूनी बाधा डालने, मारपीट, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, महिला को निर्वस्त्र करने की नीयत से बल प्रयोग करने, डराने-धमकाने, चोरी और बिना इजाजत घुसने जैसी धाराएं भी लगाई गई हैं। दूसरी एफआईआर में टीएमसी नेता पर जबरन वसूली का आरोप है।

पुलिस ने बताया कि सर्वे पार्क पुलिस स्टेशन में तारकेश्वर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके आधार पर 23 जून को दो एफआईआर दर्ज की गईं। उन्हें शनिवार को शहर की अदालत में पेश किया जाएगा। राज्य विधानसभा चुनाव में हार के बाद से टीएमसी और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे कई नगर निकायों में फूट पड़ गई है। कोलकाता नगर निगम बोर्ड को भंग कर दिया गया है।

राष्ट्रीय आम समागम : बीएयू सबौर में देशभर की 1,000 से अधिक किस्मों की प्रदर्शनी, जर्दालू रहा आकर्षण का केंद्र

विश्व केसरी

भागलपुर। बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर, भागलपुर में शनिवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय आम समागम-सह-कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। देशभर से लाई गई एक हजार से अधिक किस्मों के आमों की प्रदर्शनी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही।

आम उत्पादक किसानों, वैज्ञानिकों और आम प्रेमियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी से विश्वविद्यालय परिसर पूरी तरह आममय नजर आया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने किया।

इस अवसर पर भागलपुर के सांसद अजय मंडल, विधायक रोहित पांडे, आईसीएआर के सहायक निदेशक (उद्यानिकी) डॉ. विश्वबंधु पटेल, एआईसीआरपी बेंगलुरु के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रकाश पाटिल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने अतिथियों का अंगवस्त्र, जर्दालू आम के पौधे एवं फल भेंटकर स्वागत किया। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार कृषि विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में जिस गति से कार्य कर रहा है, उससे बिहार की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी। सांसद अजय मंडल ने कहा कि भागलपुर अब सिल्क सिटी के साथ-साथ जर्दालू सिटी के रूप में भी नई पहचान बना रहा है।विधायक रोहित पांडे ने इस आयोजन को जिले के लिए गौरव का विषय बताया।

कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि सबौर आम अनुसंधान की ऐतिहासिक भूमि रही है। उन्होंने बताया कि विश्व की पहली संकर (हाइब्रिड) आम की किस्म वर्ष 1951 में सबौर में विकसित की गई थी। विश्वविद्यालय के प्रयासों से भागलपुर के जर्दालू आम को जीआई टैग भी प्राप्त हुआ।

इसरो ने 175 टन के सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया

विश्व केसरी

चेन्नई । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) ने अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड टेस्ट आर्टिकल (पीएचटीए) का 175 टन के थ्रस्ट स्तर पर एक महत्वपूर्ण हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह भारत की अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान प्रणोदन प्रौद्योगिकी के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह परीक्षण हाल ही में तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रणोदन परिसर (आईपीआरसी) में किया गया। यह सफल परीक्षण पावर हेड टेस्ट आर्टिकल का उपयोग करके किए गए हॉट टेस्ट की श्रृंखला में आठवां है। इस पावर हेड टेस्ट आर्टिकल में थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर इंजन के सभी प्रमुख सिस्टम शामिल हैं।

नवीनतम परीक्षण का उद्देश्य प्री-बर्नर इग्निशन के बाद बिल्ड-अप चरण के दौरान इंजन के प्रदर्शन का अध्ययन करना और काफी उच्च थ्रस्ट स्तर पर स्थिर-अवस्था संचालन का प्रदर्शन करना था।

पहली बार, इंजन पावरहेड को 175 टन के थ्रस्ट पर संचालित किया गया, जो इसकी पूर्ण रेटेड क्षमता का 88 प्रतिशत है।

इससे पहले के परीक्षण 94 टन (47 प्रतिशत थ्रस्ट) और 120 टन (60 प्रतिशत थ्रस्ट) पर सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। नवीनतम परीक्षण के दौरान, इंजन के मुख्य टर्बोपंपों ने भी डिजाइन के अनुरूप प्रदर्शन किया और 400 और 500 बार का आउटलेट दबाव प्रदान किया।

आईएसआरओ ने कहा कि परीक्षण पूर्वानुमान के अनुरूप ही आगे बढ़ा और फायरिंग के दौरान सभी इंजन पैरामीटर अपेक्षित सीमा के भीतर रहे। इस सफल प्रदर्शन ने अंतरिक्ष एजेंसी को 200 टन के पूर्ण रेटेड थ्रस्ट पर इंजन का परीक्षण करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास प्रदान किया है, जिससे स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक इंजन कार्यक्रम पूरा होने के एक महत्वपूर्ण कदम और करीब आ गया है।

2,000 किलोन्यूटन श्रेणी के एलई2000 इंजन द्वारा संचालित सेमी-क्रायोजेनिक प्रणोदन चरण (एससी120) को भारत के सबसे भारी परिचालन प्रक्षेपण यान, प्रक्षेपण यान मार्क-3 (एलवीएम3) के मौजूदा एल110 तरल कोर चरण को प्रतिस्थापित करने के लिए विकसित किया जा रहा है।

इस उन्नयन से रॉकेट की भार वहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने के साथ-साथ समग्र प्रदर्शन और परिचालन दक्षता में भी सुधार होने की उम्मीद है।

पारंपरिक प्रणोदन प्रणालियों के विपरीत, अर्ध-क्रायोजेनिक इंजन पर्यावरण के अनुकूल और विषैले न होने वाले प्रणोदकों—तरल ऑक्सीजन (एलओएक्स) और शुद्ध केरोसिन (जिसे इसरोसीन के नाम से जाना जाता है)—का उपयोग करता है।

आईएसआरओ के अनुसार, उन्नत क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ नए अर्ध-क्रायोजेनिक चरण को एकीकृत करने से एलवीएम3 की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे भविष्य में उच्च क्षमता वाले उपग्रह प्रक्षेपण, गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन और भारत के बढ़ते मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का समर्थन मिलेगा।

क्या लो ब्लड प्रेशर से बढ़ता है अल्जाइमर का खतरा? 8 लाख लोगों पर हुई रिसर्च में बड़ा खुलासा

विश्व केसरी

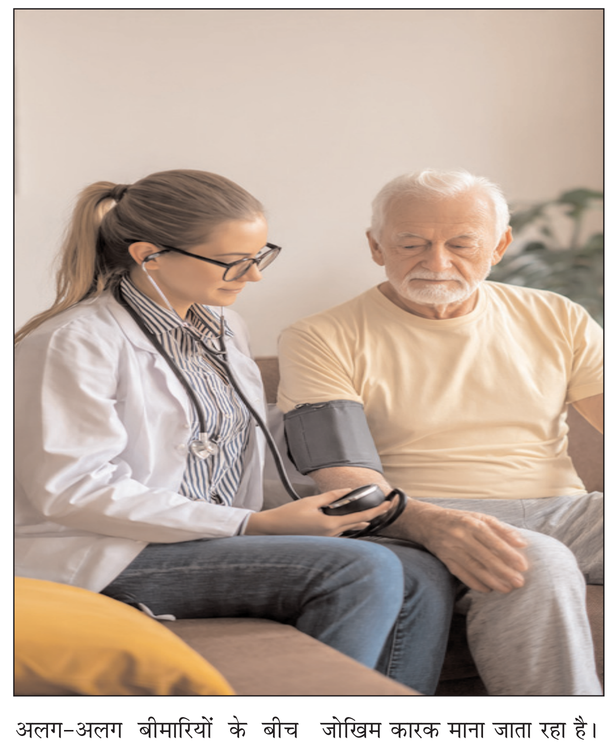

नई दिल्ली। अल्जाइमर रोग को आमतौर पर दिमाग से जुड़ी बीमारी माना जाता है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता को प्रभावित करती है। यह दुनिया भर में डिमेंशिया का सबसे बड़ा कारण है और करोड़ों बुजुर्ग इससे प्रभावित हैं। हालांकि अब तक इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन वैज्ञानिक लगातार इसके कारणों और रोकथाम के तरीकों पर शोध कर रहे हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर ही नहीं, बल्कि लो ब्लड प्रेशर (हाइपोटेंशन) भी अल्जाइमर रोग से जुड़ा हो सकता है। हालांकि शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि यह अध्ययन केवल दोनों स्थितियों के बीच संबंध दर्शाता है, यह साबित नहीं करता कि लो ब्लड प्रेशर सीधे तौर पर अल्जाइमर का कारण बनता है।

अध्ययन में मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने लगभग 8 लाख लोगों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया। इसके लिए ब्रिटेन के यूके बायोबैंक और अमेरिका के 'ऑल ऑफ अस रिसर्च प्रोग्राम' के डेटा का उपयोग किया गया। दोनों डेटाबेस में शामिल करीब 8 लाख प्रतिभागियों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड के आधार पर शोधकर्ताओं ने अल्जाइमर और हृदय संबंधी 11 अलग-अलग बीमारियों के बीच संबंधों की जांच की।

शोध में पाया गया कि अधिकांश हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी बीमारियों का संबंध अल्जाइमर से था। लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि लो ब्लड प्रेशर का संबंध सबसे मजबूत और लगातार दोनों समूहों में देखने को मिला। यह निष्कर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि अब तक अल्जाइमर के संदर्भ में लो ब्लड प्रेशर पर अपेक्षाकृत कम शोध हुए हैं। आमतौर पर हाई ब्लड प्रेशर को ही हृदय रोग और स्ट्रोक का प्रमुख जोखिम कारक माना जाता रहा है।

अध्ययन में हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) और सेरेब्रल इन्फार्क्शन यानी स्ट्रोक के एक प्रकार का भी अल्जाइमर से मजबूत संबंध पाया गया। वहीं, शोधकर्ताओं को हार्ट अटैक (एक्यूट मायोकार्डियल इन्फार्क्शन) और अल्जाइमर के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक (जेनेटिक) स्तर पर भी विश्लेषण किया और पाया कि कुछ जीन, विशेष रूप से एपीओई और एमएपीटी, अल्जाइमर और हृदय संबंधी समस्याओं दोनों से जुड़े हो सकते हैं।

तापमान बढ़ने से यूरोप बेहाल: तप रहा जर्मनी, फ्रांस को राहत नहीं, यूके में जल्द मौसम सामान्य होने की उम्मीद

विश्व केसरी

बर्लिन/लंदन/पेरिस। यूरोप के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। मौसम के गर्म तेवर ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। जर्मनी ने शुक्रवार को अब तक का अपना सबसे अधिक तापमान दर्ज किया, जहां पारा 41.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह जानकारी मौसम विभाग के प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर दी गई है। गर्मी के कारण फ्रांस में होने वाली प्राइड मार्च को स्थगित कर दिया गया है।

जर्मनी का सारब्रुकन शहर शुक्रवार को सबसे गर्म रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, सप्ताहांत में तापमान और बढ़ने की आशंका है और गर्मी का असर अब मध्य और पूर्वी यूरोप की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पोलैंड और बाल्कन क्षेत्र शामिल हैं।

ब्रिटेन को इस भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है, लेकिन इस सप्ताह के रिकॉर्ड तोड़ तापमान के बाद स्थिति

अभी भी सामान्य नहीं हुई है। ब्रिटेन में सेंटन डाउनहैम (सफोक) में 37.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो जून माह का नया रिकॉर्ड है।

मौसम विभाग के अनुसार, ब्रिटेन में हाल के दिनों में लगातार उच्च तापमान दर्ज किया गया है, जबकि इससे पहले 1976 में जून का रिकॉर्ड 35.6 डिग्री सेल्सियस था।

फ्रांस इस हीटवेव से सबसे अधिक प्रभावित देशों में रहा है, जहां कई क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है। अत्यधिक गर्मी के कारण कई लोगों की मौत की भी खबरें हैं, जिनमें कुछ मामले डूबने और कुछ गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के हैं।

पेरिस में इस सप्ताहांत होने वाली प्राइड मार्च (एलजीबीटीक्यू+) को स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि पुलिस ने आयोजकों से आपातकालीन सेवाओं पर दबाव कम करने के लिए कार्यक्रम टालने का अनुरोध किया था।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने भी देश में जारी भीषण हीटवेव के दौरान लोगों से खेल और शारीरिक गतिविधियां रोकने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बहुत से लोग, विशेषकर, चेतावनियों और उच्च तापमान के बावजूद शारीरिक गतिविधियां जारी रख रहे हैं।'

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'इस तरह खुद को खतरे में डालना आपातकालीन सेवाओं, इमरजेंसी वार्ड और आईसीयू पर अनावश्यक दबाव बढ़ाता है।' सरकार ने लोगों से अत्यधिक गर्मी के दौरान सावधानी बरतने और अनावश्यक शारीरिक परिश्रम से बचने की सलाह दी।

मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पिछले सप्ताह शुरू हुई हीटवेव 2003 की उस भीषण गर्मी के स्तर तक पहुंच सकती है, जिसमें पूरे देश में लगभग 15,000 लोगों की मौत हुई थी।

राजस्थान: राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान से पहले जागरूकता रैली, डॉक्टर बोले- बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' जरूर पिलाएं

विश्व केसरी

सीकर । राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ से पहले रविवार को सीकर में जन-जागरूकता रैली निकाली गई। 3.16 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया। जिसको लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार स्वामी, सीकर के सीएमएचओ डॉ. अशोक महरिया और नर्सिंग छात्रों की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार स्वामी ने कहा कि जिले में कल, 28 जून से नेशनल पल्स पोलियो अभियान शुरू होगा और यह तीन दिनों तक चलेगा। जिले में कुल 3200 बूथ बनाए गए हैं। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी खास इंतजाम किए गए हैं। मेडिकल और हेल्थ डिपार्टमेंट ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है। इस अभियान के तहत जन्म से लेकर पांच साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाई जाएंगी।

सीकर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक महरिया ने बताया कि पल्स पोलियो के लिए जिला स्तर और ब्लॉक स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए रैली आयोजित की जा रही है। हमने पूरे देश से इस बीमारी को मिटाकर जीत हासिल की है। जीत को हमें बरकरार रखना है। पड़ोसी देशों में इसका वायरस अभी भी जिंदा है। सीकर जिले में तीन हजार से अधिक बूथ बनाए गए हैं और तीन लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी।

नर्सिंग छात्रा वर्षा ने कहा कि राष्ट्रीय पोलियो कार्यक्रम को लेकर हम सब इकट्ठा हुए हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई। यह राष्ट्रीय प्रोग्राम 28 जून से 1 जुलाई तक चलाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि पांच वर्ष से छोटे बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी' की जरूर पिलाएं।

पहले वर्ष की एएनएम छात्रा करण कंवर ने कहा कि यह प्रोग्राम पोलियो की दवा पिलाने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में अब पोलियो की बीमारी खत्म हो गई है।

डीआरसी में इबोला का कहर जारी: पीड़ितों की संख्या 1200 के पार, 321 ने तोड़ा दम

विश्व केसरी

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला संक्रमितों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। आंकड़ा 1,200 के पार पहुंच गया है। 1,203 लोगों के इबोला पीड़ित होने की पुष्टि हो चुकी है जिसमें से 321 जान गंवा चुके हैं। यह जानकारी देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से जारी नवीनतम रिपोर्ट में दी गई।

शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 148 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 419 मरीज आइसोलेशन में हैं या अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 265 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें से 77 की मौत हो चुकी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि डीआरसी में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संपर्कों की निगरानी) का काम तेजी से जारी है और कई मरीज ठीक होकर घर लौट रहे हैं।

हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई अभी 'बहुत लंबी' है। उन्होंने कहा कि इलाके के संघर्ष और असुरक्षा राहत कार्यों को धीमा कर रहे हैं। इतना ही नहीं लोगों में भरोसे की कमी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

रिपोर्ट में प्रतिक्रिया अभियान के सामने मौजूद कई गंभीर चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें समुदायों द्वारा पोस्ट-मॉर्टम परीक्षण का विरोध, इतुरी क्षेत्र में उपचार क्षमता की कमी, और उपचार केंद्रों का लगभग पूरी तरह भर जाना शामिल है।

इसके अलावा, संपर्क ट्रेसिंग दर का 95 प्रतिशत लक्ष्य से नीचे रहना, आवश्यक दवाओं की कमी, संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण सामग्री की कमी, तथा लगभग 20 आइसोलेशन केंद्रों की कमी जैसी समस्याएं भी सामने आई हैं।

सशस्त्र समूहों से प्रभावित क्षेत्रों में असुरक्षा और सीमित पहुंच, आबादी का लगातार स्थानांतरण, तथा लगभग 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग कमी को भी प्रमुख बाधाओं के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह वर्तमान प्रकोप, जो बुंडिबुग्यो इबोला वायरस के कारण हुआ है, 15 मई को आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था।

इस बीच, अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने इबोला प्रतिक्रिया प्रयासों के लिए 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता की अपील की है।

गुजरात: गांधीनगर में 'पल्स पोलियो अभियान' के तहत 1.58 लाख बच्चों को टीका लगाया जाएगा

विश्व केसरी

गांधीनगर । राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत गांधीनगर जिले में 28 जून को 1.58 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दो बूंदें पिलाई जाएंगी। अधिकारियों ने पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए हजारों स्वास्थ्य कर्मियों, सैकड़ों बूथों और विशेष आउटरीच टीमों को तैनात किया है।

इस अभियान का उद्देश्य जिले भर में 0 से 5 वर्ष की आयु के 1,58,721 बच्चों को पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें पिलाकर उनकी सुरक्षा करना है। यह पहल गांधीनगर में स्थापित 746 टीकाकरण बूथों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से चलाई जाएगी, जिससे माता-पिता अपने बच्चों को निर्धारित दिन पर टीकाकरण के लिए ला सकेंगे। दूरदराज और अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में बच्चों तक पहुंचने के लिए ईंट भट्टों, निर्माण स्थलों और अन्य कम सुविधा प्राप्त स्थानों जैसे क्षेत्रों में 103 मोबाइल टीमें तैनात की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, यात्रा कर रहे या आवागमन कर रहे बच्चों को टीका लगाने के लिए बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पांच ट्रांजिट टीमें तैनात की जाएंगी।

टीकाकरण की निगरानी और उसे लागू करने के लिए कुल 3,167 स्वास्थ्यकर्मी इस अभियान में शामिल होंगे।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सिर्फ बॉडीबिल्डर्स नहीं, बल्कि सभी के लिए है जरूरी! नई स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आजकल फिट रहने के लिए लोग तरह-तरह की एक्सरसाइज करते हैं। कोई सुबह-सुबह वॉक पर निकल जाता है, कोई रनिंग करता है, तो कोई योग और मेडिटेशन को अपनाता है। वहीं, जब भी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की बात आती है, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ बॉडीबिल्डर्स के लिए जरूरी होती है। हालांकि लेकिन ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में ऑनलाइन प्रकाशित एक नई स्टडी आपकी इस सोच को पूरी तरह बदल देगी।

नई स्टडी के मुताबिक, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सिर्फ मसल्स बनाने या बॉडीबिल्डिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर उम्र और हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। यह न सिर्फ शरीर को मजबूत बनाती है, बल्कि लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य में भी अहम भूमिका निभा सकती है। यह अध्ययन ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है, जिसमें करीब 1.47 लाख लोगों के

स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण किया गया। इन लोगों को लगभग 30 साल तक फॉलो किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उनकी एक्सरसाइज की आदतों को समझा कि कौन लोग कार्डियो करते हैं, कौन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं और कौन दोनों का संतुलन बनाए रखते हैं।

स्टडी में सामने आया कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने वालों में कई गंभीर बीमारियों से होने वाले खतरे कम पाए गए।

खासकर दिल की बीमारी, कैंसर और समय से पहले मौत के जोखिम में कमी देखी गई।

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि इसके लिए घंटों जिम में समय बिताने की जरूरत नहीं है।

रिसर्च के अनुसार, हफ्ते में करीब 90 से 120 मिनट (यानी लगभग डेढ़ से दो घंटे) की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सबसे ज्यादा फायदेमंद मानी गई।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का धमाकेदार प्रदर्शन
पाकिस्तान को 7-1 से रौंदा

0-1 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी, लगातार 17वीं जीत दर्ज

भारत	7-1	पाकिस्तान
सुखजीत सिंह 19'		अबू महमूद 13' (PC)
हरमनप्रीत सिंह 26' (PC)		
हार्दिक सिंह 34' (PS)		
जुगराज सिंह 35'		
अभिषेक 41'		
राज कुमार पाल 43'		
दिलप्रीत सिंह 53'		

खास बातें

- पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार 17वीं जीत
- 36 बार में सर्वल में प्रवेश
- 13 पेनल्टी कॉर्नर मिले, 3 को गोल में बदला
- पाकिस्तान को सिर्फ 1 पेनल्टी कॉर्नर पर मिला गोल

प्लेयर ऑफ द मैच

हार्दिक सिंह
शानदार मिडफील्ड खेल, महत्वपूर्ण गोल

विश्व केसरी ■

लंदन। ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से रौंदा। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर्स में खेले गए मुकाबले में 0-1 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की।

भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में लगातार अंतराल पर गोल करते हुए मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा और पाकिस्तान को बड़े अंतर से हराया। सुखजीत सिंह (19वें मिनट), हरमनप्रीत सिंह (26वें मिनट), हार्दिक (34वें मिनट), जुगराज सिंह (35वें मिनट), अभिषेक (41वें मिनट), राज कुमार पाल (43वें मिनट), और दिलप्रीत सिंह (53वें मिनट) ने भारत के लिए एक-एक गोल किया। पाकिस्तान की ओर से एकमात्र गोल अबू महमूद ने 13वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर किया।

यह पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार 17वीं जीत है और हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में टीम अपने दबदबे को एक बार फिर कायम रखने में सफल रही है। इस जीत के साथ भारत अंक तालिका में स्पेन से आगे 7वें स्थान पर आ गया। भारत के 15 मैचों में 17 प्वाइंट हैं, जबकि स्पेन के इतने ही मुकाबलों में 16 प्वाइंट हैं। स्पेन को अपने आखिरी मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में 15वीं हार है।

भारत ने मैच के दौरान 36 बार पाकिस्तान के सर्कल में प्रवेश किया और 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। इनमें से तीन पर गोल करने में सफलता मिली। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने 18 बार भारतीय सर्कल में प्रवेश किया, लेकिन वह कोई फील्ड गोल नहीं कर सका। उसे छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से सिर्फ एक को गोल में बदल पाया।

भारतीय मिडफील्ड में हार्दिक सिंह और मनप्रीत सिंह ने शानदार खेल दिखाया। वहीं अभिषेक, दिलप्रीत सिंह और मंदीप सिंह ने लगातार पाकिस्तान के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा। शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच की शुरुआत में पाकिस्तान ने बढ़त बनाई। 13वें मिनट में अबू महमूद ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। पहले क्वार्टर में भारत को भी तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम उनका फायदा नहीं उठा सकी।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में शानदार वापसी की। 19वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने लंबे और सटीक पास के जरिए पाकिस्तान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया।

दूसरे हाफ में भारत ने पूरी तरह मैच पर कब्जा कर लिया। 34वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर हार्दिक सिंह ने गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके एक मिनट बाद तेज काउंटर अटैक पर जुगराज सिंह ने चौथा गोल दागकर भारत की बढ़त 4-1 कर दी। इसके बाद भी भारतीय टीम ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा। 41वें मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार पास पर अभिषेक ने गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।

44वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह के ड्रैग फ्लिक पर मिले रिबाउंड को राज कुमार पाल ने गोल में बदलकर भारत की बढ़त को 6-1 कर दिया। मैच के 54वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने शानदार मूव को गोल में तब्दील करते हुए मैच में भारत के लिए सातवां गोल दागा। मुकाबलों के अंतिम मिनटों में पाकिस्तान को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस ने दोनों मौकों पर शानदार बचाव किया।

ओस्मान डेम्बेल की हैट्रिक
फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

ग्रुप I में फ्रांस पहले स्थान पर, नॉर्वे दूसरे स्थान पर

विश्व केसरी ■

बोस्टन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप आई के मुकाबले में फ्रांस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से हराया। बोस्टन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में फ्रांस की जीत के हीरो ओस्मान डेम्बेल रहे, जिन्होंने मैच में तीन गोल दागे।

फ्रांस और नॉर्वे की टीम पहले ही राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी। ऐसे में इस मुकाबले में पहले स्थान पर रहने की जंग थी। ग्रुप में टॉप पर रहने के लिए फ्रांस को जीत या फिर ड्रॉ की जरूरत थी, जबकि नॉर्वे को पहले स्थान पर रहने के लिए हर हाल में जीत चाहिए थी।

मैच की शुरुआत बेहद तेज रही। पहले ही मिनट में काइलियन एम्बाप्पे ने नॉर्वे के डिफेंस पर दबाव बनाया और एक जोरदार शॉट लगाया, जो क्रॉसबार के नीचे से टकरा गया। फ्रांस ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में डेम्बेले ने एम्बाप्पे के क्रॉस पर शानदार फिनिश करके पहला गोल किया।

इसके बाद नॉर्वे ने वापसी की कोशिश की। 14वें मिनट में जॉर्जेन स्ट्रैंड लार्सन को गोल करने का मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गया। 20वें मिनट में फ्रांस ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। एम्बाप्पे के पास पर डेम्बेले ने दाईं ओर से अंदर कट करते हुए बेहतरीन फिनिश किया और स्कोर 2-0 कर दिया।

नॉर्वे ने ठीक एक मिनट बाद ही वापसी करने का प्रयास किया। 21वें मिनट में थेलो आसगार्ड ने बॉक्स के बाहर से नीचे की तरफ शानदार शॉट लगाकर स्कोर को 2-1 कर दिया। हालांकि,फ्रांस ने अपना दबदबा लगातार बनाए रखा और डेम्बेल ने मैच में अपना तीसरा गोल करते हुए हैट्रिक पूरी की। पहले ही हाफ में फ्रांस ने 3-1 की बढ़त हासिल की।

दूसरे हाफ में नॉर्वे का मैच में वापसी करने का प्रयास लगातार जारी रहा। 50वें मिनट में उन्हें पेनल्टी का मौका मिला, लेकिन फ्रांस के गोलकीपर माइक मेगनन ने शानदार बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया। 56वें मिनट में भी नॉर्वे के हमले को फ्रांस की डिफेंस ने एक बार फिर नाकाम किया।

मैच के अंतिम मिनटों में नॉर्वे ने कुछ और कोशिशें कीं, लेकिन टीम फ्रांस के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद सकी। स्टॉपेज टाइम में डिजायर डू ने ब्रैडली बारकोला के क्रॉस पर हेडर लगाकर फ्रांस की जीत को 4-1 से पक्का कर दिया। इस जीत के साथ फ्रांस ने ग्रुप आई में पहला स्थान हासिल किया, जबकि नॉर्वे दूसरे स्थान पर रहा।

यूएस ओपन बैडमिंटनः श्रीकांत, देविका, रौनक ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

फुलर्टन । थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने जापान की तीसरी सीड रीको गुंजी को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं, रौनक चौहान भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। देविका ने शुक्रवार को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया। इस बीच, चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से हराकर अपना पहला पुरुष एकल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 सेमीफाइनल में जगह पक्का की। सेमीफाइनल में चौहान का मुकाबला चीनी ताइपे की आठवीं सीड सू ली यांग से होगा।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने भी क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराया। सेमीफाइनल में श्रीकांत का मुकाबला जापान के चौथी सीड युदाई ओकिमोटो से होगा।देविका का सेमीफाइनल में दूसरी सीड लाइन क्रिस्टोफरसेन से मुकाबल होगा। डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन ने क्वार्टरफाइनल में भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया। दूसरे क्वार्टरफाइनल में, रक्षिता श्री कनाडा की रेचल चैन से 15-21, 21-16, 21-12 के स्कोर से हार गईं।

फीफा वर्ल्ड कपः न्यूजीलैंड को 5-1 से रौंदकर बेल्जियम ने हासिल किया नॉकआउट स्टेज का टिकट

विश्व केसरी ■

वैंकूवर । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप जी मुकाबले में बेल्जियम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 5-1 से हराया। बीसी प्लेस स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही बेल्जियम ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है।

बेल्जियम के हाथों मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड का अगले राउंड में पहुंचने का सपना टूट गया है। बेल्जियम की इस जीत के नायक लिएंड्रो ट्रॉसार्ड रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे। ग्रुप जी में बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच प्वाइंट्स के साथ बराबर पर रहे, लेकिन गोल के अंतर के आधार पर बेल्जियम ने ग्रुप में पहले स्थान हासिल किया।

बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच पॉइंट्स पर बराबर रहे, लेकिन गोल अंतर के आधार पर बेल्जियम ग्रुप में टॉप पर रहा। ईरान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के साथ ही मिस्र ने भी अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। ईरान 3 प्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि न्यूजीलैंड 3 मुकाबलों में एक प्वाइंट ही अर्जित कर सका।

मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और लगातार न्यूजीलैंड के गोल पर हमले किए। 11वें मिनट में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। कुछ देर बाद बेल्जियम को पेनल्टी भी मिली, लेकिन वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) जांच के बाद फैसला बदल दिया गया, क्योंकि रेफरी ने माना कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी का हाथ स्वाभाविक स्थिति में था।

बेल्जियम ने 28वें मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल की। केविन डी ब्रूने के शानदार क्रॉस पर ट्रॉसार्ड ने बेहतरीन फिनिश करते हुए पहला गोल दागा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही ट्रॉसार्ड ने अपना दूसरा गोल किया। मुकाबले के 49वें मिनट में उन्होंने डी ब्रूने के एक और शानदार पास को नियंत्रित किया और नजदीक से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

न्यूजीलैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन बेल्जियम के गोलकीपर थिबो कोर्टोइस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त कायम रखी। इसके बाद डी ब्रूने ने मैच के 66वें मिनट में बेल्जियम की बढ़त को 3-0 कर दिया। इस गोल के साथ 34 वर्षीय डी ब्रूने फीफा वर्ल्ड कप में बेल्जियम के लिए गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने।

84वें मिनट में न्यूजीलैंड की ओर से एकमात्र गोल एलिजा जस्ट ने किया। हालांकि, इसके ठीक एक मिनट बाद रोमेलु लुकाकू ने बेहतरीन हेडर से बेल्जियम की ओर से चौथा गोल करते हुए टीम की जीत पक्की कर दी। स्टॉपेज टाइम में एलेक्सिस सालेमेकर्स ने बेल्जियम के लिए पांचवां गोल किया और टीम की धमाकेदार जीत पर मुहर लगा दी।

फीफा वर्ल्ड कपः केप वर्डे ने राउंड ऑफ 32 में पहुंचकर रचा इतिहास, गोलरहित ड्रॉ रहा सऊदी अरब के खिलाफ मैच

विश्व केसरी ■

ह्यूस्टन। केप वर्डे ने सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के साथ ही फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट स्टेज में पहुंचकर इतिहास रच दिया। ग्रुप एच में दूसरा स्थान हासिल करने के बाद केप वर्डे का राउंड ऑफ 32 में गत चैंपियन अर्जेंटीना से सामना होगा।

ग्रुप स्टेज में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद, केप वर्डे ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने वर्ल्ड कप डेब्यू में बिना कोई मैच हारे राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली तीसरी अफ्रीकी टीम बन गई है। यह प्रदर्शन देश के फुटबॉल इतिहास में एक यादगार पल बन गया है और इसे एक 'ड्रीम रन' माना जा रहा है।

केप वर्डे ने तीन प्वाइंट्स के साथ ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया, जो दो बार के विजेता उरुग्वे और 2034 वर्ल्ड कप के मेजबान सऊदी अरब से एक पॉइंट ज्यादा था। इस तरह उन्होंने ग्रुप स्टेज में बिना हारे यादगार प्रदर्शन किया। अब उनका मुकाबला गुरुवार, 3 जुलाई को मियामी स्टेडियम में लियोनेल मेसी की अगुवाई में स्टार खिलाड़ियों से सजी अर्जेंटीना से होगा। यह उनके देश के फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा और अहम मैच होगा।

सऊदी अरब के खिलाफ मैच में केप वर्डे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। विली सेमेडो ने कई बार गोल करने की कोशिश की, लेकिन सऊदी गोलकीपर मोहम्मद अल ओवैस ने बेहतरीन बचाव किए। पहले हाफ में केप वर्डे ने एक लंबी दूरी का शॉट भी मारा, जो टॉप कॉर्नर से थोड़ा बाहर चला गया।

सऊदी अरब को मैच के बीच बड़ा झटका लगा जब डिफेंडर हसन अल तंबकती बिना किसी टकराव के अचानक मैदान पर गिर पड़े। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर की मदद से बाहर ले जाया गया, जिससे टीम का डिफेंस कमजोर पड़ गया। इसके बावजूद सऊदी अरब ने अंतिम मिनटों तक बचाव करने की कोशिश जारी रखी। गोलकीपर अल ओवैस ने कई शानदार सेव किए और अपनी टीम की हार को टालने में सफल रहे। आखिरकार मैच का अंत गोलरहित ड्रॉ पर हुआ।

लगातार इतिहास रचने की चाहत, जोकोविच के जुनून से हैरान विजय अमृतराज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विंबलडन 2026 की शुरुआत 29 जून से होगी, जिसमें सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच टेनिस इतिहास का एक और पन्ना पलटने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय टेनिस दिग्गज विजय अमृतराज का मानना है कि जोकोविच की सबसे बड़ी ताकत उनके रिकॉर्ड-तोड़ कारनामे नहीं, बल्कि महानता की नई ऊंचाइयों को छूने की कभी न खत्म होने वाली चाहत है।

अमृतराज ने जोकोविच के 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर बढ़ने को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी कहानी बताया, साथ ही उन्होंने यानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज की अगुवाई वाली अगली पीढ़ी पर भी अपनी राय रखी। अमृतराज मानते हैं कि खेल में लगभग सभी बड़े खिताब जीतने के बाद भी जोकोविच की लगातार बनी हुई भूख ही उन्हें सबसे अलग बनाती है।

अमृतराज ने विंबलडन 2026 से पहले जियोस्टार मीडिया डे के दौरान 'आईएएनएस' से ??कहा, 'आप बिल्कुल सही कह रहे हैं, सबसे पहले हमें नोवाक जोकोविच के बारे में बात करनी चाहिए। इतना कुछ जीतने के बाद भी इस खिलाड़ी को हर चीज हासिल करने के लिए क्या चीज प्रेरित करती है? उन्होंने इतिहास में किसी भी अन्य बड़े टूर्नामेंट के मुकाबले सबसे ज्यादा सिंगल्स खिताब जीते हैं। कोई भी उनका रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाएगा, खासकर मेरे जीवनकाल में तो बिल्कुल नहीं। इसलिए मुझे लगता है कि वह 25वें खिताब के लिए सिर्फ अपने जुनून और कड़ी मेहनत करने की इच्छा की वजह से आगे बढ़ रहे हैं।'

पूर्व विंबलडन क्वार्टर-फाइनलिस्ट ने पेरिस में हालिया निराशा के बावजूद वर्ल्ड नंबर 1 यानिक सिनर के एक दमदार खिलाड़ी बने रहने का समर्थन करते हुए कहा कि इस इटैलियन खिलाड़ी ने बार-बार मुश्किलों से उबरने की क्षमता दिखाई है।

हाल ही में पद्म भूषण से सम्मानित अमृतराज ने आगे कहा, 'दूसरी बात, जब आप हालात को देखते हैं और समझते हैं कि पेरिस में उनके साथ असल में क्या हुआ था- यानी बहुत ज्यादा गर्मी थी, लेकिन अंत में, उस स्थिति से पांच सेट हारने के बावजूद, जिस तरह से उन्होंने वापसी की, ऐसा उनके साथ ऑस्ट्रेलिया में भी हुआ था जब वे जोकोविच के खिलाफ खेल रहे थे और बाद में मियामी में इंडियन वेल्स जीता था। इसलिए वह लंबे समय तक टिके रहने वाले खिलाड़ी हैं, इसमें कोई शक नहीं। वह असली और बेहतरीन खिलाड़ी हैं, और वह एक बार फिर ग्रैंड स्लैम के लिए विंबलडन जा रहे हैं।'

अमृतराज ने कहा कि पुरुषों का ड्रॉ अभी भी खुला हुआ है। उम्मीद है कि कार्लोस अल्काराज फिर से मुकाबले में लौटेंगे।

महिला टी20 विश्व कपः चमारी अटापट्टू की दमदार पारी, श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को 3 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

मैनचेस्टर। महिला टी20 विश्व कप 2026 में श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के 25वें मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड को 3 विकेट से हराया।

स्कॉटलैंड से मिले 152 रनों के लक्ष्य को श्रीलंका ने 19.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल किया। हालांकि, टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और महज 4 रन बनाकर आउट हुईं। हसीनी परेरा भी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहीं और 17 गेंदों में 23 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। हर्षिता समरविक्रमा ने 23 गेंदों में 27 रनों की अहम पारी खेली। कप्तान चमारी अटापट्टू बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने महज 16 गेंदों का सामना करते हुए 33 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया।

कविशा दिलहरी ने 18 रनों का योगदान दिया, तो नीलाक्षी डी सिल्वा ने अंत के ओवरों में बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 21 रन बनाए, और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। सुगंधिका कुमारी 7 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में स्कॉटलैंड की ओर से कप्तान कैथरीन ब्राइस, राहेल स्लेटर और कैथरीन फ्रेजर ने दो-दो विकेट चटकाए।

इससे पहले, स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 151 रन लगाए।

टीम की ओर से सारा ब्राइस अच्छी लय में दिखाई दीं और उन्होंने 33 गेंदों में 47 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके लगाए। वहीं, डार्सी कार्टर ने 36 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौकों की मदद से 34 रन बनाए।

ऐल्सा लिस्टर ने 17 गेंदों में 26 रनों का योगदान दिया, तो कप्तान कैथरीन ब्राइस ने 23 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में मिताली अयोध्या ने 34 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि कविशा दिलहरी ने एक विकेट निकाला। इस जीत के साथ ही श्रीलंका के अब 5 मुकाबलों में 6 प्वाइंट हो गए हैं और टीम ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415